In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

All India Ayurvedic Congress,
"Dhanwantari Bhavan,"
Road 66, Punjabi Bagh; New Delhi-1100

अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन

चौखम्बा विश्वभारती
चौक (चित्रा सिनेमा के सामने)
वाराणसी-२२१००१

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पेटेंट अदवयात

अर्थात्

नवीन प्रमाणित औषधियाँ

एवं

सौ गुना मुनाफे का व्यापार

[जिसमें ३०० औषधियों, २०० इंजक्शनों, १५० रोगों के नुस्खों, १०० बाजारू प्रसिद्ध औषधियों तथा २० सीरम तथा वैक्सीन का विस्तृत परिचय दिया गया है।]

सम्पादक—

रघुवीर शरण बंसल

हिन्द पुस्तक भण्डार

पुस्तक भण्डार का नया नाम
इस पुस्तक के प्रकाशक का नया पता

प्रथम हिन्द पुस्तक भण्डार ल्य ६)

खारी बावली, दिल्ली-६ फोन : २६६३१४

शो रूम : नई सड़क, दिल्ली-६

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

प्रकाशकः—
देहाती पुस्तक भण्डार
चावड़ी बाजार, देहली—६

Vaidyaraj ... Library
National ...
... Delhi-26
LX3
152N
000101

[सर्वाधिकार प्रकाशक के आधीन हैं]

मुद्रकः—
नव मारवाड़ी प्रेस,
कटरा महेशदास, नई सड़क, देहली।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

दो शब्द

'मुझे न तो राज्य चाहिए और ना ही स्वर्ग। मोक्ष की भी मुझे आवश्यकता नहीं है। मैं तो केवल यह चाहता हूँ कि दुखियों के दुःख का नाश हो।"

"स्वास्थ्य का दान—किसी के बिगड़े स्वास्थ्य को सुधारना—सब दानों से बड़ा दान है।"

"यह शरीर ही धर्म का आदि साधन है।"

उपर्युक्त वचन मेरे नहीं, महात्माओं और शास्त्रों के हैं।

सिद्धार्थ को बुद्ध किसने बनाया? एक रोगी ने, बुढ़ापे ने एक मृतक ने। उन्होंने निश्चय किया कि मैं मृत्यु पर विजय प्राप्त करूँगा।

हम भी तो प्रतिदिन यह सब कुछ देखते हैं, पर हम में से कितने बुद्ध बने। शायद कोई नहीं। ठीक है, हम बुद्ध नहीं बन सके, सब बुद्ध नहीं बन सकते, सब मृत्यु पर विजय प्राप्त नहीं कर सकते पर यह तो आसानी से कर सकते हैं कि किसी का सिर अधसेरी के दर्द से फटा जा रहा हो और आपके पास उस की दवाई हो या आप कोई जानते हों तो उसे दे दें या बतादें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

आप कह देंगे कि इस प्रकार बिना मूल्य दवाई कितने लोग बाँट सकते हैं। आपका कहना ठीक ही है? बिना मूल्य न सही आप उचित मूल्य ले लीजिए। रोगी, रोग को दूर करने वाले का सदा ही कृतज्ञ रहेगा चाहे उसे कीमत चुकानी पड़ी हो, चाहे मुफ्त में दूर हो गया हो।

यह तो एक छोटा सा उदाहरण मैंने दिया। आप में यदि प्राणिमात्र का कुछ न कुछ सेवा करने का भाव है। यदि आप संसार के दुःखों को कम करना चाहते हैं तो यह आवश्यक है कि साधारण रोगों की चिकित्सा का अथवा तात्कालिक चिकित्सा का आपको कुछ ज्ञान हो। मैं आपको नीमहकीम बनने के लिए नहीं कह रहा हूं और नहीं सब एम० बी० बी० एस० बन सकते हैं।

प्रस्तुत पुस्तक आपको आधुनिक बहु प्रचलित सुप्रसिद्ध विलायती और देशी औषधियों और इंजेक्शनों के काम में पूरी जानकारी देगी, आप चिकित्सा के किसी भी क्षेत्र में कार्य करते हों, यह पुस्तक आपकी जानकारी को बढ़ाएगी और आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

इसमें जहाँ यह बताया गया है कि अमुक औषध अमुक रोग में लाभदायक होती है, वहाँ प्रायः समस्त रोगों के लिए डिस्पैंसरियों में बनने वाले अनुभूत नुस्खों को देकर, इसकी

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

उपयोगिता को और भी बढ़ा दिया गया है। इसके अतिरिक्त सीरम और वैक्सीन पर भी विशेष प्रकाश डाला गया है। अन्त में, जनता में ख्याति प्राप्त देश-विदेशी, पेटेंट औषधियों के योग देकर सोने में सुगन्ध का काम कर दिया गया है।

ख्यातिप्राप्त देशी-विदेशी औषधें जो कि बाज़ार में बहुत मंहगे दामों पर बिकती है, अपने आप बहुत ही कम दामों में बनाई जा सकती हैं।

आज यह बात हमसे और आप से छिपी नहीं है कि अनेकों देशी कम्पनियां तथा विदेशी कम्पनियां अपने पेटेंट नुस्खों के द्वारा लाखों और करोड़ों रुपया कमा रही हैं।

आप भी बिना संकोच ऐसे व्यापार के द्वारा अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर सकते हैं। नाम मात्र की लागत और विज्ञापन के द्वारा इस प्रकार की कोई भी औषधि को पेटेन्ट करा कर व्यापार करने से पूर्ण विज्ञापन को पर्याप्त प्रबन्ध होना ही आज के युग में सफलता की कुञ्जी है।

पुस्तक के प्रूफ देखने में अत्यन्त सावधानी रखी गई है। पाठकों को यदि कोई त्रुटि दृष्टिगत हो तो सूचना पाने पर हम उसे द्वतीय संस्करण में यथा साध्य दूर करने की चेष्टा करेंगे।

प्रस्तुत पुस्तक का सम्पादन हमने अनुभवों तथा तत्सम्बन्धी प्रमाणित पुस्तकों के आधार पर कराया है तथा जैसा कि पहले निवेदन किया जा चुका है, पाठकों के लाभार्थ किन्तु यदि

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

किसी प्रयोग के द्वारा कभी कोई हानि हो जाय या होने की सम्भावना हो तो उसका दायित्व मुझपर अथवा लेखक पर कदापि नहीं होगा।

इसलिये प्रत्येक औषधि तथा नुस्खे पर यथा सम्भव सावधानी रखनी चाहिए तथा उल्लेखित मात्राओं को तौल कर ही प्रयोग में लाना चाहिए। क्योंकि अनेक औषधि ऐसी होती हैं जो मात्रा से जरा भी अधिक होने पर लाभ की जगह हानि पहुँचा देती हैं।

उपरोक्त हानियों से बचने के लिये औषधियों को प्रयोग में लाने अथवा बेचने से पूर्व किसी प्रमाणित लेबोरेटरी अथवा सरकारी रसायनशाला में टेस्ट करा के प्रत्येक बात का सही निर्णय कर लेना चाहिये।

औषधियों के नाम हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी में भी दे दिये गए हैं ताकि किसी प्रकार की भूल अथवा भ्रम न हो।

हमने इसे, इस विषय की पूर्ण पुस्तक बनाने का यत्न किया है, इसमें हमें कितनी सफलता मिली है, इसका निर्णय तो विज्ञ पाठक ही करेंगे।

इस पुस्तक के सम्बन्ध में यदि आप कुछ उपयोगी सुझाव देंगे, तो अगले संस्करण में उनको क्रियान्वित करने का प्रयत्न किया जाएगा।

विनीत प्रकाशक—

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सूचि

कुछ बहुप्रचलित औषधियां

सं० नाम	पृष्ठ संख्या
१ एबीडोन	६
२ एसिटीलोहो लाइन	६
३ एसिडेलीन	१०
४ ऐडैलीन	१०
५ ऐडोक्सोलीन	१०
६ एगारील	१०
७ ऐल बार्जीन	१०
८ ऐलासिल	१०
९ ऐलैक्सा	११
१० ऐब्ल्यूसिड	११
११ ऐलेप्साल	११
१२ ऐलीकोल	११
१३ ऐल्यूलोशन	११
१४ अभिवेमान	१२
१५ ऐनाडन	१२
१६ ऐनावीमीन	१२
१७ ऐनाहिपौल	१२
१८ ऐनार्थीये मैलाइन	१२
१९ ऐंटी वैक्सीन	१२
२० ऐंटी विरीन	१२
२१ ऐरिश्रोलैक्स	१३
२२ आर्जिरोल	१३

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

२३ ऐरीप्यूटीन १३
२४ ऐटोफन १३
२५ ऐब्रटीन १३
२६ विमैक्स १३
२७ बिनैरोम्रा १४
२८ बेंजेड्रीन १४
२९ बायोफिरौल १४
३० बेटाक्सान १४
३१ बिस्रार सामाइड १४
३२ ब्रोम्यू रौल १४
३३ ब्यूटोलान १४
३४ कैल्सी फैलो १५
३५ कैम्पोलोन १५
३६ केप्रोकोल १५
३७ कैरोटेन १५
३८ सिग्नोलीन १५
३९ कैरा माइन १५
४० क्रिस्टो लैक्स १६
४१ सिस्टोप्यूरीन १६
४२ डेटेनेल १६
४३ डेवेगेन १६
४४ डीपल १६
४५ डियोडिड १७
४६ डिडीमिन १७
४७ डिगोक्सीन १७
४८ डिलौडिड १७

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

४६ डाईमौल ... १७
५० डायोनिन ... १७
५१ डायूरेटीन ... १८
५२ ऐलीटोरान ... १८
५३ इक्रवोलिन ... १८
५४ आर्गो मौट्रिन ... १८
५५ अर्गो टौक्सीन ... १८
५६ ऐस्मोडिल ... १६
५७ इथा मौलिन ... १६
५८ यूरेसौल ... १६
५६ ऐबीपाह ... १६
६० ऐबीपान सोडियम ... १६
६१ साइक्लौनैल साल्यूशन ... २०
६२ इक्सामैन ... २०
६३ फारैक्स ... २०
६४ फिलामाइन ... २०
६५ फैल्सौल ... २०
६६ फिमर्जीन ... २०
६७ फ़ैरोडिप्रो ... २०
६८ फसोलेट ... २१
६६ गार्डीन ... २१
७० गार्डैनाल ... २१
७१ जैनास्प्रीन ... २१
७२ गार्मोनिन ... २१
७३ हैली बोरैंज ... २१
७४ हैली बैरौल ... २२

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

७५ हैपेटैक्श २२
७६ हैपेटैक्स ट्रापिकल २२
७७ हैपौल २२
७८ हैपोलान २२
७६ हिस्टामाइन बी० पी० २२
८० हिस्टी डाइन २३
८१ हागास्ट्रीन २३
८२ होगे मोटोन्स २३
८३ इंश्यूलीन बी० पी० २३
८४ जुवैनीन २४
८५ केलेन २४
८६ खार्सलफान २४
८७ लैकार्नील २४
८८ लिपिओ डोल २५
८६ लाईकर सीडन्स २५
६० लिक्सैन २५
६१ न्यूमीनैल २५
६२ मार्सलील २५
६३ मैफार्साईड २६
६४ मेटाटोन २६
६५ मायोक्राइसीन २६
६६ नैप्टाल २६
६७ नोवाल्जीन २६
६८ नोवा ऐस्यूरौल २७
६६ न्यूफरैंन २७

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

१०० ओम्नाडिन २७
१०१ पैल्यूड्रीन २७
१०२ पेप्सैक २७
१०३ बी० पी० पैथी डाइन हाइड्रो क्लोराइड २७
१०४ फाइलोसन २८
१०५ प्लानाविट २८
१०६ प्लाक्सान २७
१०७ प्रोलान २८
१०८ प्रोमीनल २८
१०९ प्रोंटोसोल २८
११० प्रोंटोसील एलबम २८
११ प्रोंटोसील रुब्रम २९
११२ प्रोंटोसील सोल्यूशन २९
११३ पाइरीडियम २९
११४ सालीर्गन २९
११५ सैनोक्राइसीन २९
११६ सैकोनैल ३०
११७ सैडोब्रौल ३०
११८ सोल्गानाल ३०
११९ सोनाल्जीन ३०
१२० सोनेरिल ३०
१२१ स्टोवार्सोल ३१
१२२ सक्सीना सल्फाथिया जोल बी० पी० ३१
१२३ सल्फागुआनाडिन बी० पी० ३१
१२४ सल्फ निलैमाइड ३१
१२५ टोना फैक्स ३२

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

१२६ टेना फ्लैविन ३२
१२७ थियोबा ३२
१२८ थियोमिनाल ३२
१२९ वैगानिल ३३
१३० वैरामोन ३३
१३१ याट्रेल ३४
१३२ याट्रेनकेज़ीन ३३

नवीन औषधियाँ

१३३ एसिड मैंडेलिक ३४
१३४ ऐमीथोकेन हाइड्रो क्लोराइड ३४
१३५ ऐम नाक्राइन हाइड्रो क्लोराइड ३४
१३६ ऐमिनो फाइलाइन ३५
१३७ एम्फेटामाइन सल्फेट ३५
१३८ ऐमालेल हाई ड्रेट ३५
१३९ ऐमिलो बार्वेटोन सोल्यूबिल (बी० पी०) ३५
१४० ऐन्यूरोन हाइड्रो क्लोर ३६
१४१ विस्मिथ सोडियम टार्टेट ३६
१४२ ब्रोमैथोल ३६
१४३ कैल्सीयाई ग्ल्यूकोनेट ३६
१४४ कार्वाकोल ३७
१४५ क्लोरो क्रिज्रोल ३७
१४६ सिनकोकेन हाइड्रो क्लोराइढ (बी० पी०) ३७
१४७ डिकाडमैरौल (बी० पी०) ३७
१४८ डियोडोन (बी० पी०) ३८
१४९ हैयारीन (बी० पी०) ३८
१५० हेक्सो बार्बोटोन ३८

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

१५१ आयोडौक्सील ३८
१५२ लेप्टाजौल ३९
१५३ मैग्नेशियम ट्राई सिलीकेट ३९
१५४ मैपाक्राइन हाइड्रो क्लोराइड (बी० पी०) ३९
१५५ मर्सैलीन ४०
१५६ निकैथामाइड ४०
१५७ आत्रोवेन (बी० पी०) ४०
१५८ पामाक्विक (बी० पी०) ४१
१५९ पेप्टो बार्बेटोन सोल्यूबिल (बी० पी०) ४१
१६० मैथीडाइन हाइड्रो क्लोराइड (बी० पी०) ४१
१६१ फेमीटोन ४२
१६२ फेनीड्रिओडोल ४२
१६३ फेनी टोइन ४२
१६४ प्रोफ्लेविन सल्फेट ४२
१६५ प्रोजेंस्टीरोन ४३
१६६ सोडियाई मोरूह्वेट (बी० पी० सी०) ४३
१६७ स्टिबोफ़ैन ४३
१६८ स्टिल्बैस्ट्रोन ४४
१६९ सल्फा एसिटामाइड ४४
१७० सल्फाडिमीथिल पाइरी मिडाइन (बी० पी०) ४४
१७१ थियोपैंटोन सोल्यूबिल (बी० पी०) ४५
१७२ थियो यूगाडिल (बी० पी०) ४५
१७३ ट्रिपार्सा माइड (बी० पी०) ४५
१७४ अनयूएब्टम एल्कूहोलियम लैनी (बी० पी०) ४५
१७५ यूरेथेन ४६

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

प्रसिद्ध नवीन औषधियाँ

१७६ सल्फानेलेमाइड ४७
१७७ सल्फा डायजीन ४८
१७८ सल्फाग्वानीडीन ४६
१७६ सल्फामेराजीन ४६
१८० सल्फा ट्राइंड ४६
१८१ सल्फा मेज़ेथाइन ५०
१८२ सिवाज़ोल ५०
१८३ थ्यायजेमाइड ५२
१८४ एम० बी० ६६३ ५३
१८५ पैलपूड्रीन ५४
१८६ पैनीसिलीन ५४
१८७ स्ट्रैप्टो माइसीन हाइड्रो क्लोराइड ५६
१८८ क्लोरो माईसेटीन ५७
१८६ टैरामाईसीन ५७
१६० औरिओ माइसीन ५८

प्रसिद्ध व्यावहारिक नुसखे

१ एबौर्शन (गर्भपात) ६०
२ एसिडिटी (अम्ल) ६०
३ एकनी (मुहांसे) ६१
४ एलब्यूमिन्यूरिया ६१
५ एलोपिशिया (गंज़ापन) ६२
६ एमिनोरिआ (मासिक धर्म का न होना) ६३
७ ऐनीमिया (रक्त हीनता) ६४
८ एनजिना पैक्टोरिस (दिल धड़कना) ६४

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

९ फिशा-आफएनस (गुदा में घाव) ६५
१० एपोप्लेक्सी ६६
११ एस्थमा (दमा) ६७
१२ बैडसोर्स (लेटे रहने से जब घाव हो जाएँ) ६८
१३ बेरी-बेरी (एक प्रकार का ज्वर) ६९
१४ बिलिअसनैस (पित्त विकार) ६९
१५ बोइल्स (फोड़े) ७०
१६ ब्राइटस डिजीज ७०
१७ ब्रौन्काइटिस (फेंफड़े का प्रदाह) ७१
१८ बर्नसएंड स्कैल्डस (जलना) ७२
१९ कैंसर (जहर बाद) ७३
२० कारबन्कल (पीठ पर फोड़ा) ७३
२१ कैटर: (जुकाम) ७६
२२ चैप्ट हैंडस (हाथ फटना) ७४
२३ चिलब्लेन एंड फ्रोस्टबाईट (सर्दी से उंगली सूजना) ७५
२४ क्लोरोसिस (रक्त हीनता) ७६
२५ कौलरा (हैज़ा) ७६
२६ कोरिया (ऐच्छिक पेशियों का उन्माद रोग) ७७
२७ काइलूरिआ ७८
२८ कोलिक बिलिअरी ७९
२९ कानस्टीपेशन (कब्ज) ८०
३० कन्वलशन ८१
३१ कोर्न वार्टस (मस्सा व छोटे दाने) ८२
३२ कफ (खाँसी) ८३
३३ क्रूप (काली खाँसी) ८४
३४ सिसटाइटिस (मसाने की सूजन) ८५

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

३५ डेन ड्रफ (सिर का रूखापन) ८६
३६ डिलीरिअम ट्रीमेन्स (शराब पीने के बाद की बेहोशी) ८७
३७ डाइबिटीज़ (मधुमेह) ८८
३८ डाइरिया (दस्त होना) ८८
३९ डिफथीरिया (गले में एक प्रकार की झिल्ली पड़ जाना) ९०
४० डिसैंटरी (पेचिस) ९०
४१ डिसमिनोरिया (मासिक धर्म में दर्द होना) ९३
४२ डिस्पेपसिआ (अजीर्ण) ९४
४३ एकज़ीमा (छाजन) ९६
४४ एसफाइसीमा औफ दी लंग (दमा) ९७
४५ एंडोकार डाइटिस (एक प्रकार का हृदय रोग) ९७
४६ एंडोमेट्राइटिस (गर्भाशय सम्बन्धी रोग) ९७
४७ एपीलेप्सी (मृगी) ९८
४८ साप्सटैकसिस (नकसीर फूटना) १००
४९ इरिसिपलास (विसर्ग) १००
५० फीवर (ज्वर) १०१
५१ फिस्टुला इनएनो (गुदा में नासूर) १०४
५२ फ्लैट्यूलैन्स (मन्दाग्नि) १०५
५३ फ्रेकिल्स (धूप से हाथ और मुंह पर पड़ने वाले दाग) १०५
५४ गैल्स्टोन (पित्त की पथरी) १०६
५५ गैस्ट्रेलजिआ (आमाशय का दर्द) १०६
५६ गैसट्रिक अल्सर (आमाशय का फोड़ा) १०७
५७ गोइटर १०७
५८ गोनोरिआ (सुजाक) १०८
५९ गाउट (गठिया) ११०
६० हीमौपटिसिस (फेफड़े से रक्त आना) ११५

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

६१ हेमरेज (रक्तस्राव) ११२
६२ ब्लीडिंग पाइल्स (खूनी बवासीर) ११३
६३ हे फीवर ११४
६४ हैडेक (सिर दर्द) ११५
६५ हार्ट डिसीज़ (दिल की बीमारी) ११६
६६ हरपीज़ (आतशक के से लक्षण वाला कठिन रोग) ११७
६७ हिसटीरिया (मृगी) ११८
६८ इम्पोटेन्सी (नपुंसकता) ११९
६९ इन्कौंटिनैंस आफ यूरीन (पेशाब निकल जाना) १२१
७० इनफ्लूएंजा (जुकाम) १२२
७१ इनसोम्नियाँ (नींद न आना) १२२
७२ जोनडिस (पीलिया) १२४
७३ लेरिंजाइटिस (गले के भीतर की सूजन) १२५
७४ लिप्रोसी (कोढ़) १२६
७५ ल्यूकोरिया (प्रदर) १२६
७६ लिवर डिज़ीज (यकृत विकार) १२७
७७ लोकोमोटर एटैक्सिआ १२८
७८ लेम्बैगो (कमर का दर्द) १२९
७९ लूपस (एक प्रकार का चर्म रोग) १३०
८० मलेरिया (जूड़ी, बुखार) १३१
८१ माइग्रेनस (सिर दर्द) १३२
८२ मेनोरिया (मासिक धर्म को अधिकता) १३२
८३ माइग्रेन (सिर दर्द) १३३
८४ मिसकैरेज (गर्भस्राव) १३४
८५ मंपस (कर्णमूल) १३४
८६ न्यूरैलेजिआ (स्नायु का दर्द) १३५

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

८७ नाइट टैरर (रात को डर जाना) १३८
८८ निपिल सोर (स्तन मुख पर घाव होना) १३८
८९ औफथैलमिया (आँख दुखना) १३९
९० औपियम हैबिट (अफीम खाने की आदत) १४०
९१ औरकाइटिस} १४१
९२ ओटाइटिस (कान में सूजन) १४२
९३ ओटोरिआ (कान का बहना) १४३
९४ ओजीना १४४
९५ पल्पिटेशन (दिल की धड़कन) १४५
९६ पैरालिसिस (लकवा) १४६
९७ पैडीकुलाई (जुएँ पड़ना) १४६
९८ पैम फाइगस १४७
९९ पैरि ओटाइटिम १४७
१०० पैरी ये नाइटिस १९४
१०१ पर्टचू सिस (खाँसी) १९४
१०२ फैरीनजाइटिस १५२
१०३ प्लेग मैसिआ एल्बा, डोलेन्स १५४
१०४ थाइसिस (क्षय) १५४
१०५ प्लेग (प्लेग) १५८
१०६ प्लूरिसी १५९
१०७ निमोनिया (त्रिदोष) १५१
१०८ पूराइटिस १६३
१०९ पुरपेलर फीवर (प्रस्तूति ज्वर) १६४
११० रूमेटिज़्म (गाठिया) १६४
१११ रिंग वर्म (दाद) १६६

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

११२ स्कैबीज (खाज) १६६

११३ स्करलैटीना (ज्वर) १६७

११४ स्कौफूला १३८

११५ सी सिक नैस (समुद्र की बीमारी) १६६

११६ स्किन डिज़ी जैज़ (चर्म रोग) १७०

११७ स्नेक बाईट (साँप का काटना) १७२

११८ स्परमें टोरिआ (शुक्र मेह) १७२

११६ स्टिंगस (बरे तथा मधु मक्खी के काटने पर) १७३

१२० स्टो में टाइटिस (एक प्रकार का मुख-रोग) १७३

१२१ स्टाइल (गुहेरी) १७५

१२२ सनस्ट्रोक (लू लगना) १७५

१२३ सिफिलिस (उपदंश) १७५

१२४ टिटनस (धनुष टंकार) १७७

१२५ टूथेक (दाँत का दर्द) १७८

१२६ टाइफाइड फीवर (मोतीझरा ज्वर) १७६

१२७ टाइफस फीवर (म्यादी बुखार) १८०

१२८ अल्सरज़ (घाव) १८१

१२६ यूरमिआ १८१

१३० वैरीकोसील (अंडकोषो की नसों का फूलना) १८१

१३१ वौमिटिंग (वमन, कै) १८२

१३२ वार्ट १८३

१३३ वर्म (कोड़े पड़ जाना) १८४

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इंजैक्शन प्रकरण

प्रसिद्ध वैक्सीन तथा सीरम

१ डिफ्थेरिया ऐन्टी टोक्सीक सीरम २६७
२ ऐन्टी न्यूमोकोकस सीरम २६८
३ ऐंटी थाई राइड सीरम २६८
४ हे फीवर सीरम २६८
५ ऐंटी प्लेग सीरम २६८
६ प्लेग वैक्सीन २६६
७ हाइड्रो धोबिया वैक्सीन २६६
८ स्ट्रोप्टो कोकस वैक्सीन २६६
९ मैंनिगो कोकस ऐंटी वैक्सीन ३००
१० ऐंटी विनोमससीरम ३००
११ ऐंटी डिस ट्रिक सीरम ३००
१२ ऐंटी स्ट्रैप्टो कोकस सीरम ३०१
१३ टिटैनस ऐंटी टौक्सीन सीरम ३०१
१४ टाइफाइड वैक्सीन और सीरम ३०२
१५ गोवोरियल वैक्सीन ३०२
१६ कोलरा सीरम तथा वैक्सीन ३०२
१७ यीस्ट ३०२

बाजारू प्रसिद्ध औषधियाँ ३०३

१ सुधा सिंधु ३०४
२ बाल जीवन ३०४
३ आँखकी औषधि ३०५

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

४ मलेरिया नाशक दवा	३०५
५ खूब सूरती की दवा	३०५
६ सिर दर्द की पेटेंट दवा	३०६
७ सुजाक की दवा	३०६
८ ऐन्टी मलेरिया	३०६
९ पेट दर्द नाशक	३०७
१० कफ की दवा	३०७
११ ऐंटी कामनियां	३०७
१२ खून बन्द होने की दवा	३०८
१३ पिल्स उमियाना	३०८
१४ प्रदर नाशक योग	३०८
१५ कान दर्द की दवा	३०९
१६ तिजारी की दवा	३०९
१७ बिच्छू की दवा	३१०
१८ कर्ण स्रावकी दवा	३१०
१९ टिंक्चर आयोडीन	३१०
२० खुजली की दवा	३११
२१ तिल्ली की दवा	३११
२२ नमक सुलेमानी	३१२
२३ गुलाब की गोलियां	३१३
२४ स्पेंसर आइड्राप	३१३
२५ स्पेंसर ईयर ड्राप	३१३
२६ ज़हर की दवा	३१४
२७ शक्तिदाता योग	३१४
२८ गिनोरिया नाशक	३१५
२९ अजीर्ण की दवा	३१५

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

३० प्लीहा की दवा ३१५
३१ कुकर खाँसी ३१६
३२ मलहम ३१६
३३ बाल जीवन घुट्टी ३१७
३४ सूँघनी ३१८
३५ मीठा केस्टर आयल ३१८
३६ टूथ क्योर ३१९
३७ दिमागी दवा नक छिंकनी ३१९
३८ जूड़ी का दुश्मन ३१९
३९ नेत्र वटी ३२०
४० सर्प काटेकी हुक्मी दवा ३२१
४१ ग्राइप मिक्सचर ३२१
४२ नारी रक्षक ३२२
४३ प्लेग नाशक योग ३२२
४४ अमृतांजन ३२३
४५ गम प्लास्टर ३२३
४६ एक्जीमा की दवा ३२४
४७ पाण्डुरोग की औषधी ३१४
४८ दर्द की अचूक दवा ३२५
४९ गजकर्ण मलहम ३२५
५० रायेल ३२६
५१ आर्शिरि ३२६
५२ अपूर्व रोगन ३२६
५३ बवासीर का मलहम ३२६
५४ वायु मुक्ति योग ३२८
५५ इन्फ्लुएँजा क्योर ३२९

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

५६ जुकाम की दवा	२६
५७ शुक्ल चूर्ण	३३०
५८ मृगीमार	३३०
५९ खांसी की गोलियां	३३०
६० खिज़ाब	३३१
६१ गर्भधारण वटी	३३१
६२ हैजे की अक्सीर दवा	३३२
६३ सन्दर्प वटी	३३३
६४ सूतिका नाशक योग	३३३
६५ नारी कल्याण	३३४
६६ कस्तूरी कल्प	३३४
६७ पौष्टिक मौदक	३३५
६८ घाव का तेल	३३६
६९ सिरप सारसापार्ला	३३६
७० पाचक गोली	३३७
७१ पीनस नाशक तेल	३३७
७२ उपदंश नाशक	३३८
७३ कुष्ठनाशक योग	३३८
७४ कुष्ठहर तेल	३३९
७५ भूतनाथ तेल	३४०
७६ पसली चलने की दवा	३४०
७७ गठिया नाशक	३४१
७८ टूथ पाउडर	३४१
७९ अर्द्ध कपाली की दवा	३४२
८० मुखशोधक योग	३४२
८१ केस्टर आयल	३४३
८२ दुम्बक नाशक मलहम	३४३
८३ बाल शक्ति	३४३

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

'देहाती अनुभूत योग संग्रह'

प्रथम भाग ४०० से ऊपर पृष्ठ, और लगभग ६०० पूर्ण अनुभूत और प्रसिद्ध वैद्यों, हकीमों तथा सन्यासियों के गुप्त योग। मूल्य ६)

द्वितीय भाग—लगभग ३०० पृष्ठ, और देश भर के सफल चिकित्सकों व सन्यासियों द्वारा प्रदत्त विशेषातिविशेष योग। मूल्य ५)

ये वही अनमोल पुस्तकें हैं, जिनमें लेखक ने सहस्रों रुपए, व्यय करके नगर २, गांव २ और पर्वत का गुफाओं में वर्षों तक भ्रमण करके वैद्यों, हकीमों तथा सन्यासियों के गुप्त से गुप्त योग प्राप्त करके देश की निर्धन जनता के कल्याणार्थ पुस्तक रूप में भेंट कर दिये हैं। इन पुस्तकों का एक २ योग सैंकड़ों वैद्यों डाक्टरों और हकीमों द्वारा पंचासों बार परीक्षित हो चुका है और वे लोग इसकी पूरी २ प्रशंसा कर रहे हैं। इसी लिए दिन प्रतिदिन इन पुस्तकों की मांग बढ़ती जा रही है। पुस्तकें ऐसी भाषा में लिखी गई हैं। जिन्हें साधारण से साधारण आदमीं भी समझ कर आसानी से दवाएं बना ले। विशेषता यह है कि अधिकांश दवायें केवल थोड़े से पैसों में ही तैयार होती हैं, और अंग्रेजी दवाओं से दस-गुना अधिक लाभ पहुँचाती है। सन्यासियों के भी सैकड़ों गुप्त योग हैं, जो कुछ घंटों में ही रोग को मिटाकर आपको चमत्कृत कर देंगें। ये पुस्दकें पास रखने वाला साधारण व्यक्ति भी किसी अच्छे वैद्य से कम नहीं और जिस वैद्य के पास ये अमूल्य पुस्तकें नहीं, उसका चिकित्सालय निश्चय ही अधूरा है।

'देहाती अनुभूत योग संग्रह' दोनों भागों में ऐसे २ चमत्कारी योग भी हैं, जो घड़ी रखकर मिन्टों में ज्वर उतार दे, दवा सुंघने से ही सर्प विष दूर कर दें, पावों में मलने से उपदंश (आतशक) मिटा दें, बवा-सीर, प्रमेह, स्वप्नदोष तथा पुरुषों और स्त्रियों के गुप्त रोगों को जड़ से मिटाकर खोए हुए यौवन और सौंदर्य को पुनः दिलाने वाले हैं। इन्हीं योगों को बताने की फीस ५००) रुपए तक ली जाति थी और सैकड़ों मीलों तक डंका बजता था।

पताः—देहाती पुस्तक भंडार, चावड़ी बाजार, देहली–६।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पेटेंट अदावियात

नवीन प्रमाणित औषधियाँ

इस प्रकरण में हमने उन औषधियों पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला है जो कि रोग चिकित्सा में विशेष रूप से प्रचलित हो गई है। यह औषधियाँ प्रत्येक औषधि विक्रेता के यहां प्रायः मिल जाती हैं। औषधि के साथ व्यवहार पत्र भी दिया जाता है। वैसे हमने भी संक्षेप में इस पर प्रकाश डाला है। कभी भी किसी औषधि का प्रयोग बिना डाक्टर की अनुमति के न करना चाहिए।

एबीडोन

इसमें विटेमिन्स ए० बी० बी० २ और डी० मिली होतीहै। ये कैपसूल गोलियों में आती हैं। ६२००० यूनिट विट० ए० और ६०० यूनिट डी०, ४५ यूनिट विट० बी० १ तथा १० यूनिट विट० बी० २ मिली होती है।

एसिटीलोहोलाइन

इससे एसिड हाइड्रोक्लोरिक अधिक उत्पन्न होता है। ब्लड-प्रेशर (रक्त दबाव) को कम करता है। इसे रक्त नाड़ियों के तनाव की अधिकता कम करने और सिर दर्द (मिग्रेन) में व्यवहार करते हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एसिडैलीन

यह ग्बूटैनिक एसिड हाईड्रोक्लोरेट की कैपसूलसू गोलियाँ हैं। एक कैपसूल में १० मिनम एसिड हाइड्रोक्लोर डायलूट होती है। लीली कम्पनी का बना है।

ऐडैलीन

यह B. P. C. का कार्बो मैलन है। यह वनस्पति वर्ग का ब्रोमाइड रूप है। इसका शान्ति दायक तथा निद्रा कारक गुण है इसके टैब्लैट मिलते हैं। यह विष भाग में आताहै।

ऐडोक्सोलीन

इसमें विटेमिन ए० तथा बी० मिली होती हैं। बूंदों में तथा कपशूल्स भरे मिलते हैं।

एगारौल

यह एक प्रकार की लिक्वीड पैराफीन है। इसमें अगर और फिनोफ़थैलीन होती है तथा कब्ज दूर करती है। वार्नर के एन्यूल्स में यह उपरोक्त औषधियाँ मिली रहती हैं। (बी० पी० सी०)

ऐलग्रार्जीन

यह जिलैटिन चढ़ा सिलवर नाइट्रेट है। इसमें १५ प्रतिशत सिलवर आँखों के लिए मिली रहती है। इसका १ से ३ प्रतिशत सॉल्यूशन मूत्र नाली (मसान) को धोने के काम आता है। बायर कम्पनी का बना है।

ऐलासिल

इसमें कैल्सीयम एसिडील सैली सिलेट एलोकोल मिला होता है। ये टैबलैट होती हैं। वार्नर कम्पनी का बना है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ऐलैक्मा

इसमें कास्कैरा मिला हो होता है। बी० डब्ल्यू० कम्पनी का बना है।

ऐब्ल्यूसिड

यह (B. P.) का सल्फा एसिटैमाइड है। यह सल्फाना माइड का सोल्यूशन बनने वाला एसिटिल है। शैरिंग कम्पनी का बना है।

ऐलेप्साल

इसमें फिनो बार्वेटीन १॥ ग्रेन, वैलाडोन $\frac{1}{60}$ ग्रेन, कैफीन साइड्रास $\frac{1}{4}$ ग्रेन मिलाकर टैबलेट रूप में बनाते हैं। मृगी Epilepsy में लाभ करता है। जैनीब्रीपर कम्पनी का बना है।

ऐलीकोल

एल्यूमिएटम का हाईड्रो आक्साइड़ कोलाइडैल रूप में बनता है। इसको पेट की गैस्ट्रिक एसिड निर्गुण (न्यूट्रैलाइज) करने को व्यवहार करते हैं। वाण्डर का है।

ऐन्यूलोशन

यह ५% प्रतिशत मर्क्यूरी ऐमोनियेटा, कैओलिन, फिटकरी का हाईड्रोआक्साइड रूप मिलाकर बनाते हैं। त्वचा रोग इम्पोटाइगो तरल खुजली में लगाते हैं। विथ कम्पनी का बना है।

आमवेमान

यह मिला-जुला संखिया है, इसमें २८.३५ प्रतिशत संखिया है। यह ऐमिवा की डिसेण्टरी में मुख मार्ग से खाया जाता है। इवान कम्पनी का बना है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ऐनाडन

इसमें ऐस्प्रीन, कैफ़ीन, फैनासीटीन और किनाइन मिली होती है।

ऐनावीमीन

यह रक्त बढ़ाने वाला लिवर का तीव्र संग्रह हैं। बी० डी० ऐच० कम्पनी का बना है।

ऐनाहिपौल

यह लिवर का सत रूप, रक्त की कमी (ऐनीमियाँ) की इंजेक्शन चिकित्सा में व्यवहार होता है। ऐलन हैनवरी कम्पनी का बना है।

ऐनाथीयेमैलाइन

यह लीथीयम, ऐएटीमनी, थियो मैलेट वनस्पति वर्ग का तत्व रूप है, इसमें १६ प्रतिशत ऐएटीमनी मिली होती है। यह गर्म देशों की ट्रापीकैल डिज़ीजेज़ में इन्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन में काम आता है। एम० बी० कम्पनी का बना है।

ऐएटी वैक्सीन

यह बैटीरिया का नाशक (ऐएटी) साल्यूशन है। न्यूमोनिया तथा सैप्टीक इन्फैक्शन दूर करने को इंजेक्शन करते हैं।

एएटी विरीन

यह माइक्रोज़ (कीटाणुओं) का विष रहित शुद्ध स्टैराइल निथरा तरल है, इसको ऐफीड्रीन जैली में मिलाकर इसके साथ योग देते हैं। यह नाक के जुकाम में व्यवहार करते हैं। ग्लाक्सो कम्पनी का बना हुआ है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ऐरिओ लैक्स

यह दस्तावर, मूत्र वाहक ऐल्कैलाइन पाउडर है। ऐसिडोसिसा रोग में व्यवहार करते हैं। रोबर्ट कम्पनी का बना है।

आर्जिरोल

यह सिल्वर का न्यूक्लिपट सत्य रूप है जो डूश लगाने तथा आँख के लोशन बनाने के काम में आता है। सबसे अच्छा जोहन सन कम्पनी का बना होता है।

ऐरीथ्रीटोन

यह वैल्सियो डोकिसल बेंजोएट है। आर्थोराइटिस तथा न्यूराइटिस में मुख मार्ग तथा इण्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन द्वार व्यवहार करते हैं। मात्रा७॥ से १५ ग्रेन। ऐम० बी० का बना है।

ऐटोफन

यह तत्वमूल सिनकोफैनम है। गठिया में काम आता है। शैरिंग कम्पनी का है।

ऐबर्टीन

यह विशेष निद्राकारक है। यह टिटैनस-अनिद्रा में गुदा मार्ग से देते हैं। इसको ब्रोमैथोला बी० पी० भी कहते हैं। बेयर कम्पनी का बना है।

बिमैक्स

यह अन्न के दानों में से ए०, बी०, बी २ और ई० विटामिन्स रूप में उत्पन्न होती हैं। इसको कब्ज और शरीर में विटामिन बी० की कमी दूर करने को देते हैं। विटेमिन लिमिटेड कम्पनी का बना है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

बिनैरोश्रा

यह ऐन्यूरीन हाइड्रोक्लोराइड (बी० पी०) है जो Roche रोचे कम्पनी का है।

बेंजेड्रीन

यह बी० पी० का ऐम्फीटैमाइन तथा ऐम्फीटैमाइन सल्फेट है। मैन्लेजेम्स का है। बी० डब्ल्यू० ने मैथैड्रीन नाम से बनाया है।

पायोफिरौल

यह हिमोग्लोबिन, आयरन तथा लिवर का स्वरूप है। बेयर का बनाया है।

बेटाक्सान

विटैमिन बी, ऐन्यूरोहाइड्रोक्लोर मिलाकर बनता है। बैरी-बैरी, न्यूटैलजीब में व्यवहार होता है। बायर का बना है।

बिश्रारसामाइड

यह विस्मथ टिपार्सामाइड है। इसमें १४.५ प्रतिशत आर्सेनिक, ५ प्रतिशत विस्मथ मिला है। इसकी मासान्तरर्गत इंजेक्शन करते हैं। न्यूरोसिफलिस की आम औषधि है। ऐम० बी० का बनाया है।

ब्रोम्यूरौल

यह मुख्य प्रकार का शान्तिदायक तथा निद्रादायक है। जो दिमाग के रोगों में व्यवहार होता है। नौल कम्पनी का है।

ब्यूटोलान

यह क्रमि नाशक ऐल्थलामिएिडक है। यह बायर का है। ऐसा ही बी० पी० का डैफिनोन बनता है। oxylan आक्सीलान, बी० डब्ल्यू० का है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

कैल्सीफैलो

यह शुद्ध विटामिन डी० का कण क्रिस्टिल है। यह साल्यूशन तथा टैब्लैट रूप में बी० डी० ऐच० (कम्पनी) के तैयार मिलते हैं।

कैम्पोलोन

यह सर्वोत्तम लिवर ऐक्सट्रैक्ट है। जो ऐनीमिया, लिवर विकार में व्यवहार करते हैं। बायर कम्पनी का बना है।

कैप्रोकोल

यह मूत्र को शुद्ध करने वाला ऐण्टीसैप्टिक है। जो मुख मार्ग से मसाने की सूजन, गुर्दों की सूजन में व्यवहार होता है। बी० डी० ऐच० कम्पनी का है।

कैरोटेन

यह विटैमिन "ए०" का बना रूप है। बी० डबल्यू० कम्पनी का बना है।

सिग्नोलोन

यह क्राइसोरोबीन के स्थान पर दाद तथा त्वचा के रोगों में व्यवहार होता है। इससे कपड़े में दाग अथवा रंग नहीं लगता है इसका लेप व मरहम बनाते हैं। बायर कम्पनी का है। इसी प्रकार का बी० पी० का डिथ्रनौल और ग्लैक्सो का डैरोबिन होता है।

कॉरामाइन

यह पीला तरल जल में मिलने वाला है। यह कर्पूर की तरह का हृदय की उत्तेजना करता है। शीत, मूर्छा, हृदय नाडी बन्द होते समय व्यवहार करते हैं। मात्रा १५-३० मि० २५ प्रति-

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

शत बना साल्यूशन मुख द्वारा व्यवहार करते हैं। इंजेक्शन से भी व्यवहार होता है। सीबा कम्पनी का है। ऐसा ही बी० पी० का निकैथामाइड, बी० डी० का ऐनाकार्डोन, कोर्वो-टोन बूटका और निकामाइड बी० डवल्यू० के उत्तम प्रिपे-रेशन्स हैं।

क्रिस्टोलैक्स

लिक्विड पैराफिन और माल्ट ऐक्सट्रेक्ट मिलाकर उत्तम विरेचक बनाते हैं। वाण्डर्स कम्पनी का है सिस्टो।

सिस्टोप्पूरीन

यह हैक्सामिना सौडीयम एसिटेट है मात्रा-३० ग्रेन उत्तम मूत्र वाहक लाभ में व्यवहार करते हैं। यह मूत्र विकार में व्यवहार होता है। जेनेटसन कम्पनी का है।

डेटेनेल

यह लिवर में क्रीयास फेफड़ों का खिचा सत ऐक्सट्रेक्ट है। इसके व्यवहार से रक्त शक्ति (ब्लडप्रेशर) कम हो जाता है। कण्टीनेण्टल लैबोरेटरी का है।

डेवेगन

यह योनि (विजाइना) की उत्तम ऐण्टीसैप्टिक है। ल्यूकोरिया प्रदर में उत्तम है। इसकी टैब्लेट स्थानिक प्रकार से लगाई जाती है। यह बायर का है।

डीयल

यह ऐलोबार्बीटोन का रूप है। इसकी १॥ ग्रेन की टैब्लेट अथवा तरल रूप मुख द्वारा खाया जाता है। उत्तम निद्राकारक, शान्तिदायक है। इसके १ सी० सी० साल्यूशन में १॥ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

डियल होता है। सीबा कम्पनी ने यूरेथैन ६ ग्रेन और मोनो ईथिलयूरिया मिलाकर ऐसा ही उत्तम व्यवहार करने के लिये उपयोगी रूप बनाया है।

डियोडिड

यह डाईहाइड्रोकोडिनोन है। यह ऐनालजेस्टिक (वेदना नाशक) है। नौल कम्पनी का है।

डिडोमिन

यह आर्केटिक एक्सट्रैक्ट (फोतों का खिंचा सरल सत्व है)।

डिगोक्सीन

यह डिजीटैलिस का ग्ल्यूकोसाइड तत्व है। बी० डब्ल्यू० ने इसकी टैब्लैट बनाई हैं और हाइपोलाइड ऐम्प्यूल तरल भी बनाया है।

डिलौडिड

यह हाईड्रोमार्फीन है। यह शुद्ध किया हुआ मार्फिन है। नौल ने बनाया है।

डाईमौल

यह आतों के लिये ऐण्टीसेप्टिक विष कीटाणु नाशक है। इसका शर्बत तथा गोलियाँ बनी होती हैं। वाह्य उपयोग भी होती है। डाइमोल कम्पनी का बना है।

डायोनिन

यह ऐथिलमोर्फिन हाइड्रोक्लोराइड का उत्तम रूप है यह दर्द (वेदना) दूर करता है और फेफड़ों के विकार में उत्तम शान्तिदायक है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

डायूरेटीन

यह थियोब्रोमिन सैलिसिलेट है। उत्तम मूत्र बाहक और हृदय को उत्तेजिक है। नौल कम्पनी का बना है।

ऐलीटीरान

यह थाइराइड ग्लाएड का नियमानुसार स्टेएडर्डाइजेशन क्रिया से तैयार ऐक्सट्रेक्ट सत तत्वरूप है। मत्रा '०२५ से'०५ है। बेयर का है।

इकबोलिन

यह अर्गट का सतरूप कैपसूल्स गोलियों में बनाया जाता है। इसुमें १/१५० ग्रेन तत्वमूल की मात्रा है, ग्लाक्सो का इकबोलिन अर्गोटॉक्सिन इसी प्रकार बनता है।

अर्गोमैट्रिन

यह अर्गट में से तत्वमूल रूप निकाल जाता है। यह बच्चादानी को सिकोड़ता है और ब्लडप्रेशर को कम करता है। '५ एम एम की मात्रा की टैब्लैट बनाई जाती है। '५ म० म० भरे तरल एम्पूल्स एक शीशी के तैयार होते हैं। ऐम० बी० का बना है। बी० डी० ऐच० के भी रूप बने मिलते हैं।

अर्गोटौक्सीन

यह अर्गोटौक्सीन ईथैन सल्फोनेट है। इससे गर्भाशय अत्यन्त सिकुड़ता है '०००५ ग्राम की टैब्लैइड बी० डबल्यू० को तैयार मिलती है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ऐस्मोडिल

नर्वस को उत्तेजक है। जो लैपैराटमी आपरेशन के पीछे नर्वस की शिथिलता होने पर १ सी० सी० इएट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन करते है। बायर का मैप्रोकोल भी इसी प्रकार है

ईथामौलिन

ईथालामइन ओस्लियेट ५ प्र० श० बेंजील ऐल्कुहोल २ प्र० श० पानी मिलाकर बनाते हैं। यह बेरीकोजवेन्स की चिकित्सा में व्यवहार होता है। ग्लाक्सो कम्पनी का बना है। इसी प्रकार का थैनोमिन बी० डबल्यू० कम्पनी का बना है न्योबैरीकेन एम० बी० का बना है।

यूरेसौल

यह मोनोऐसिटेट आफ रिसोर्सीन है। मुहांसे, ऐक्जिमा में व्यवहार होता है। नौल कम्पनी का है।

ऐब्रीपाह

यह इनसोमनियाँ (अनिद्रा) में ४-८ ग्रेन मात्रा में देते हैं। देयर्स का है। इसी प्रकार बी० पी० का हैक्सोबार्बेटोन बनता है।

ऐवीपान सोडियम

इससे शरीर के अंगों को स्थानिक सुन्न (ऐनास्थैटिक) लाभ के लिए व्यवहार करते हैं। १० प्रतिशत साल्यूशन पानी में मिलाकर ७ से १० सी० सी० मात्रा में इट्राविनस इंजेक्शन करते हैं। यह बायर्स का बना है। वी० पी० का हैक्सोवायेटोन सोल्यूशन इसी प्रकार का है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

साइक्लोनैल सान्यूशन

ऐस० बी० का इसी प्रकार का इजेक्शन साल्यूशन है।

इक्सामैन

यह उत्तम शुद्ध रिडयूसड संग्रहीत ऐनीमिया परनीशस की औषधि है। ग्लासको की है।

फारैक्स

इसमें ए० बी० विटामिन, विटामिन ईब्ज और मिनरल धातुओं को मिलाकर भोज्य वस्तु बनाते हैं। ग्लक्सो ने बनाई है।

फिलामाइन

यह हैक्सामिना और कोलिक एसिड मिलाकर टैब्लैट रूप में बनाते हैं। जिगर सम्बन्धी रोगोंमें व्यवहार होता है। सेण्डोज कम्पनी की बनाई हुई है।

फैन्सौल

यह फैनाजोन आपोडीपाइरीन, कैफीन, तथा अन्य औषधियों को मिलाकर बनाते हैं। पाउडर चूर्ण रूप में दमा, एंजाइना में लाभ करती है। फैल्सोल ब्रिटिश कम्पनी का है।

फिमर्जीन

अर्गोटामाइन साइट्रेट है। टैब्लैट रूप में सेण्डो कम्पनी ने बनाया है।

फैरोडिम्रो

फैरस फास्फेट में ग्ल्यूकोज मिलाकर कण रूप छोटी-छोटी ग्रेन्यूल्स गोलियाँ बनाते हैं। ऐलन हनबैरी कम्पनी ने बनाया है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

फर्सोलेट

फैरस सल्फेट की कम्पाउण्ड मिली टैब्लैट है। ग्लक्सो कम्पनी की बनाई हुई है।

गार्डीन

यह पैरामिडोन, नोवाल्जीन को मिलाकर टैब्लैट बनाते हैं, मात्रा ५-१० ग्रेन है। यह इनफ्ल्यूऐन्जा, मिग्रेन, न्यूरेल्जीया, आदि में लाभ करती है। वायर कम्पनी की बनी है।

गार्डेनाल

यह फैनाबार्बीटोन का उत्तम रूप है। बी० पी० का है। यह ल्यूमीनौल की तरह है। एम० बी० कम्पनी का है।

जैनास्प्रीन

यह उत्तम रूप एसिड ऐसेटाइल सैलिसिलेट का है। जिना-टोसन कम्पनी ने बनाया है।

गार्मेनिन

यह बायर्स की (२०५) नम्बर की कम्लैक्स मिली-जुली यूरिया कम्पाउन्ड है। यह अनिद्रा (टिप्रोइनसोमनीया) रोग में व्यवहार होता है। बी० पी० में ऐसी न्यूरामिन, ऐण्ट्रीपोल दवाएँ हैं।

हैलीबौरेंज

यह हैलीबटलिवर आयल, ओरेंज (नारंगी) विटामिन ए० बी० डी० को मिलाकर टानिक (शक्ति वर्द्धक) औषधि रूप बनाता है। ए० एच० कम्पनी ने बनाया है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

हैलीवैरौल

यह हैलीबटलिवर आइल वायोस्टिरोल तथा विटैमिन ए०, डी० मिलाकर बनता है। पार्क डेविस कम्पनी ने बनाया है।

हैपेटैक्स

इसकी १ ड्राम की मात्रा २ आउन्स ताजा लिवर की शक्ति के बराबर है। इसकी इन्ट्राविनस तथा इन्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन करते हैं। इवन्स कम्पनी ने बनाया है। इसका न्योहैपैटैक्स इवन्स मासान्तर्गत इंजेक्शन होता है।

हैपैटैक्स ट्रापिकल

यह लिवर का साल्यूशन विटैमिन बी० कम्पलैक्स मिलाकर इण्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन करते हैं। यह ऐनीमिया में पोषक रूप व्यवहार होता है। इवन्स का है।

हेपौल

यह लिवर का ऐक्ट्रैक्ट मुख द्वारा खाने का है। इंजेक्शन में भी देते हैं। ए० एच० कम्पनी का है।

हैपोलोन

यह पूरे लिवर का ऐक्सटैक्ट है। इंजेक्शन में व्यवहार होता है। ए० ऐच० कम्पंनी का है।

हिस्टामाइन बी० पी०

वह हिस्टामाइन एसिडफास्फोट है। यह फाइब्रोसाइटिस जोड़ो के रोग (गाऱ्ट) गठिया, मिग्रेन(सिर दर्द), टिटैनस, ऐनि-

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिया के निदान में व्यवहार होता है। इन्ट्रामास्क्यूलर, (त्वचान्तर्गत) इंजेक्शन किए जाते हैं। १ ऐम्प्यूल में एक सी० सी० की १ मात्रा होती है।

हिस्टीडाइन

यह पेट तथा डयूडीनल घावों को शीघ्र अच्छा करता है। दर्द दूर हो जाता है इसके ऐम्प्यूल (बी० डी० ऐच० के) त्वचान्तर्गत इंजेक्शन के तैयार मिलते हैं। इसी प्रकार हैरोस्टीन नामक (रोचे) की, स्टैलीडीन में बेकर की बनाई औषधियाँ हैं।

हागास्ट्रीन

यह सूअर को मारकर ताजा पेट का तरल ऐक्सटैक्ट है। यह पनिर्शश ऐनीमिया में १-२ ड्राम मात्रा में देते है। (स्काच कम्पनी का बनाया है)।

होर्गेमोटोन्स

यह थाइराइड, पिटियूट्री, गोनाड सुप्रारिनेल ग्लाण्ड के मिले-जुले खिंचे तत्व हैं। कार्निक कम्पनी ने बनाया है।

इंश्यूलीन बी० पी०

यह शरीर में कुपत्थ्य से विकार, ऐक्जिमा, फुन्सियाँ, हापट्रेन्शन, ऐकनी सोटाइयेसिस, दमा, सदमा, मूर्छा, तपेदिक, मुख्यकार डायाटिल में व्यवहार होती है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

जुवैनीन

यह यूहेम्बीन, स्ट्रीकनीन तथा आर्सेनिकल मिश्रित कम्पउण्ड रूप है। इससे भोगेच्छा की उत्तेजना तथा शारीरिक शक्ति बढ़ती है। दिमागी कमजोरी तथा शारीरिक थकान दूर हो जाती है। बायर्स कम्पनी का बनाया है। खाने की टैब्लैट तथा इंजेक्शन के बने ऐम्प्यूल साथ-साथ व्यवहार को तैयार मिलती है।

केलेन

यह फौओलीन का कोलाइडैल रूप है। यह आँतों को उत्तम डिसइफेक्टेएट (विषछूत नाशक) तथा विष नाशक है। केलोन कम्पनी का बना है।

खार्सल्फान

यह आर्सेनिक का उत्तम रूप त्वचान्तर्गत इंजेक्शन है। मासान्तर्गत भी लगता है। बी० डबल्यू० कम्पनी का है।

लैकानौल

यह हृदय के माँस सूत्रों का खिंचा तरल तत्वरूप ऐक्सट्रैक्ट है। एंजाइना पैक्टोरिस की चिकित्सा में मुखमार्ग से अथवा मासांतर्गत इंजेक्शन करते हैं। बायर का है।

लिपिओडोल

यह आयोडाइज पौपी (पोस्त) के दोनों को आयोडिन में मिलाकर ऐक्सरेस निदान में व्यवहार होता है। बी० पी० का आयल आयडीसैटम, बी० डी० एच० का आइडोटोल, में-वेकर का न्यूहाइड्रीओल रूप में मिलता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

लाईकर सीडन्स

यह डिस्मीनोरिया (गर्भाशय रोग) को शान्ति कारक सिडेटिव है। पार्क डेविस का है। इसी प्रकार का रूप बी०पी० का ऐक्सटैक्ट वेवर्नभ का है।

लिक्सैन

यह सनाय पौड का ऐलिक्जिर तथा लाजेन्जेज टिकिया रूप में ए० एच० क० ने बनाया है।

ल्यूमीनैल

यह बी० पी० का फैना-बोर्टटोन है। ल्यूमीनाल सोडियम भी इसी प्रकार का होता है। यह उत्तम निद्राकारक हिपनोटिक तथा शान्तिदायक सिडेटिव है। सिरदर्द (मिग्रेन) ऐपीलैपसी (मिरगी) इक्लेम्जोया, कुकर खाँसी, चक्कर आना (वर्टाईगो) में लाभ करता है। इसकी साधारण मात्रा १॥ ग्रेन है। सोते समय एक टेबलेट लें। केवल शान्ति निमित इसकी छोटी मात्रा ¼ ग्रेन दो तीन बार दिन भर में व्यवहार करें। इसी प्रकार की कार्डिनल नामक मे-बेकर की बनाई पेटेन्ट है।

मेण्डैलिक एसिड

सूत्र नाली के बी कोलाई इन्फेकशन (विषछूत) नष्ट करने को मुखमार्ग से व्यवहार होती है इसका सोडियम, ऐमोनियम, मैण्डेलेट मिलाकर मेण्डीलीक्स नामी ऐल्कजिर बनता है।

मार्सें लील

इसमें मर्क्यूरी का सूत्र बांहक गुणकारी लवण १-२ सी० सी० ऐम्प्यूल सोल्यूशन में तैयार मिलती है। जो हृदय के साथ ऐडीमा सूजन में व्यवहार होता है। इसके इन्जेकशन रूप बी० डी० एच० कम्पनी के तैयार मिलते हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मैफार्साईड

इससे २० प्रतिशत ट्रिवैलैन्ट आर्सेनिक मिला है। इसका इन्जेक्शन सिफलिस उपदंश में लाभ करता है। इन्ट्राविनस इन्जेक्शन लगाते हैं (पार्क डेविस कम्पनी का है)।

मेटाटोन

इसमें ग्लिसरोफास्फेट तथा विटैमिन "बी" मिली होती है। उत्तम टॉनिक है। पी० डी० का है।

मायोक्राइसीन

यह सोना गोल्ड सोडियम थियोमैलेट (वी० पी०) को मिलाकर बनाते हैं। यह तपैदिक (थाइसिस), पुरानी गठिया रोग में लाभ करता है। (May & Baker)

नैप्टाल

यह मर्क्यूरा माइड को थियो फाइलाइन में मिलाकर बनाया जाता है। यह इन्ट्राविनस इन्ट्रा मस्क्यूलर इन्जेक्शन से अथवा मुख द्वारा प्रयोग में लाया जाता है। यह हृदय में रक्त भरने पर हृदय फेल होने पर बड़ा लाभ करता है। यह हृदय के रक्त से तरल भराव, जिगर का सूखना, पुरानी रक्त भरी हृदय झिल्ली पैरी कार्डियम की सूजन, उपदंश के विकार, मूत्र का होना आदि विकारों में बड़ा लाभदायक है। यह गोलियाँ तथा द्रव्य दोनों रूपों में खाने अथवा इन्जैक्शन में व्यवहार होता है।

नोवाल्जीन

यह सोडियम ऐमिडो पाइरीन सल्फोनेट है। यह ५ ग्राम में पाउडर तथा गोलियों के रूप में व्यवहार होता है। इसको इन्जेक्शन द्वारा भी व्यवहार करते हैं। गठिया, वायु दर्द में व्यवहार होता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नोवाऐस्यूरौल

इसको मर्वाफैन भी कहते हैं। मर्क्यूरी का डवल आर्गेनिक कम्पाउण्ड मिश्रण हैं। इसमें बार्बटोन मिला होता है। यह ड्राप्सी तथा सिफलिस में इन्ट्राविनस अथवा इण्ट्रामस्क्यूलर इंजैक्शन के रूप में व्यवहार होता है। इसकी मात्रा १-२ सी० सी० के ऐम्प्यूल होते हैं।

न्यूपर्केन

इसको पर्केन भी कहते हैं। यह स्थानिक सुन्न (स्पर्शज्ञान नाशक) शक्ति के लिये होता है इसी का बी० पी० रूप सिनको-केन होता है। (By Ciba Co.)

ओम्नाडिन

यह मिली जुली वैक्सीन है जो न्यूमोनियाँ, इन्फ्यूलेंजा में २ सी० सी० मात्रा में इन्ट्रामस्क्यूलर प्रतिदिन या दूसरे-तीसरे दिन इन्जेक्शन लगाते हैं।

पैल्यूड्रीन

यह मैलेरिया विष नाशक है। इसकी टेविलैट ३ ग्रेन तक की बनी होती है। यह इम्पीरियल कैमीकल फार्माश्यूटीकल कम्पनी द्वारा बनाई गई है।।

पेप्सैक

यह पेट तत्व (स्टमक सब्सटेन्स) का खिंचा सत रूप है।

बी० पी० पैथीडाइन हाइड्रोक्लोराइड

यह वेदना को नष्ट करता है, ऐंठन में कमी करता है। मुख मार्ग से प्रयोग में लाया जाता है। यह मार्फिन, ऐट्रोपिन, पैपायेरिन के स्थान पर व्यवहार होता है। यह २५ की शीशी में अथवा ५० सी० सी० तरल की ऐम्पूल में मिलता है। मात्रा

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

१ सी० सी० है। बेयर्स का डोलेन्टल और बी डबल्यू रोधे का डोलाएटीन रूप बने हैं।

फाइलोसन

यह क्लौरोकाइली है जो ऐनिमीया, हापस्थीसिया में लाभ करती है। (यह नैच्यूरैल केमीकल्स का बनाया हुआ है)

प्लानाविट

यह विटैमिन ए का सटएडर्डाइज साल्यूशन है।

प्लाक्सान

यह ग्लाक्सो कम्पनी का तीव्र संग्रह लिवर ऐक्सट्रैक्ट है।

प्रोलान

यह ऐएटीरियर पिल्टयूटैरी का गोनोडो ट्रोफिक हार्मोन्स है। इसके ऐम्प्यूल १०८ यूनिट मात्रा के तैयार मिलते हैं।

प्रोमीनल

यह ल्यूमीनाल की तरह उत्तम ऐएटीसैप्टिक स्पाज्मेटिक (ऐंठन दूर करने वाली) ऐपीलैप्सी मिरगी को नष्ट करने वाली उत्तम औषधि है। मात्रा १ से ३ गोलीहै। यह बेयर्स कम्पनी का बना है। इसी प्रकार बी० पी० का फैमीटोन बनाया गया है।

प्रोएटोसील

यह सल्फानामाइड में से बना है। यह तीन प्रकार का है। यह मरहम पाउडरके रूप में भी व्यवहार भी किया जाता है। तीनों का वर्णन निम्नलिखित है :—

प्रोएटोसील ऐल्बम

इसकी ७॥ ग्रेन की टिकिया, प्योरप्यूरैल (प्रसूत) ज्वर में उसके सेप्सिस विष निवृत्ति को, स्ट्रोकोकल विष कीटाणुओं

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

का नाश करने को सैप्टीसिमिया टान्सीलाईटिस आदि में बड़े लाभ से व्यवहार करते हैं। बैयेस कम्पनी का बनाया है।

प्रोण्टोसील रुब्रम

इसकी ७॥ ग्रेन की गोलियां १ से ३ टिकिया उपरोक्त लाभ के लिये व्यवहार करते हैं।

प्रोण्टोसील सोल्यूशन

इसको तरल पानी में १० से २५ सी०सी० मात्रा का व्यवहार के लिये बना लेते हैं। इसकी ५ प्रतिशत शक्ति का २४ घण्टों में इन्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन दिया जाता है।

पाइरीडियम

यह मूत्राशय के विषछूत सम्बन्धी रोगों में ३ ग्रेन की मात्रा में मुख से सैप्टिक विषछूत नाशक गुण के लिये व्यवहार होता है।

सालीर्गन

इसको मार्सोलील भी कहते हैं, यह मर्क्यूरी की मिली जुली उत्तम मूत्र वाहक औषधि है। यह हृदय तथा गुर्दों के विकार की ऐडीमा तरल भरी सूजन, ऐसाइटिस (जलोदर) तथा ओबेसिटी (चर्बी का मुटापा), सिफेलिस आदि रोगों में लाभ करती है। इसकी ०·५ के २ सी०सी० के ऐम्यूल तैयार मिलते हैं। इसका इण्ट्राविनस अथवा इण्ट्रामस्क्यूलर प्रति दूसरे दिन इंजेक्शन करते हैं। इसको सालवर्शन में मिलाकर भी इंजेक्शन देते हैं।

सैनोक्राइसीन

यह औरी सोडयम थियोसल्फेट है। इसको गोल्ड सोडियम थियोसलफेट भी कहते हैं। यह इंजेक्शन द्वारा व्यवहार होता

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

है। अन्य रूप इसके नोवाक्राइसीन इण्ट्राविनस इंजेक्शन में व्यवहार करते हैं तथा न्योनोवाक्राइसीन का इन्टरमस्क्यूलर इञ्जेक्शन होता है।

सैकोनैल

यह सोडियम प्रोपिल कार्बनील बार्बीटयूरेट है। यह बार्बी-ट्यूरेट की तरह व्यवहार होता है। इसकी मात्रा १/२ से १॥ ग्रैन तक कैप्श्यूल में मिलती है।

सैडोब्रौल

इसमें वनस्पति तत्व में १७ ग्रेन सोडियम ब्रोमाइड मिलकर गोली रूप में बना लेते हैं, इसको गर्म जल में घ.लकर खाना चाहिए। यह शान्ति कारक है।

सोल्गानाल

यह सोने का मिश्रण है। त्तई, कोढ़, विष कीटाणुओं की आर्थोइटिस जोड़ों की सूजन में इण्ट्राविनस इंजेक्शन करते हैं। इसका दूसरा रूप सोल्गानाल बी० ओलिओजम इण्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन होता है।

सोनाल्जोन

यह सोनेरील तथा फैनासीटीन को मिलाकर बनाते हैं। यह निद्राकारक तथा ऐनालजेसिक वेदना नाशक है।

सोनेरिल

यह बार्बीट्यूरेटस में से बनता है। यह शान्तिदायक तथा निन्द्राकारक है। १½ से ४½ ग्रेन गोलियाँ तथा पानी में घोलकर व्यवहार में होता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

स्टोवार्सोल

यह एसिडार्सोन भी कहलाता है। यह संखिया में मिश्रण रूप से बनता है। यह ऐमिबा की डिसैण्टैरी, मैलेरिया, गर्भ की बच्चों की सिफलिस गर्मी, आंखों की वैराटाइटिस सूजन में लाभ करता है। खाने की टैबिलेट भी मिलती हैं। ½ से ४ ग्रेन तक है।

सक्सीना सल्फाथियाजोल बी०पी०

यह बैसीलैरी डिसेण्टरी (पेचिस) में टेबिलेट से मुख द्वारा खाई जाती है। आंतों की चीर फाड़ सर्जरी में तथा रोग रोकने की प्रोफीलेक्टीक गुण में व्यवहार होती है। मात्रा १० ग्राम तक तीन मात्रा में प्रति दिन दें। इसी प्रकार के अन्य रूप (शार्प डोहन कम्पनी) का तथा कोलीस्टैटीन (हर्टस फार्मश्यूटीक्लस का बना है) सल्फाऐसिटामाइड का ऐल्ब्यूसीड दूसरा नाम है। इसका विवरण पीछे लिखा जा चुका है।

सल्फागुआनाडिन बी०पी०

यह सल्फानामाइड में से निकाला गया है। जो बैसीलैरी डिसेण्टरी (पेचिश) में लाभ करता है।

सल्फानिलैमाइड

इसके दूसरे नाम प्रोसैप्टासाइन तथा सल्फापाइरीडिन है। यह बड़ी अधिकता से न्यूमोनिया तथा दिमागी मैनिग्गोकोकस इंफेक्शन (विषछूत) को नष्ट करता है। रोग की भयानकता में बच्चों में इसको १ ग्राम तक २४ घंटे में प्रति ५ पाउण्ड शरीर के वजन के हिसाब से देते हैं। इसको ६ भागों में बाँट कर दें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पूरे आदमी में १ ग्रेन २० पाउण्ड शरीर के वजन के हिसाब से देना चाहिए।

मे-बेकर का बना सोल्यूशन सल्फापाइराडीन (नम्बर ६९३) इन्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन करते हैं। परन्तु खाने की मात्रा से इंजेक्शन की मात्रा आधी होनी चाहिए।

टॉनाफ़ैक्स

यह जलने के घावों पर ड्रेसिंग व्यवहार की औषधि है जो एसिड टैनिक जैली रूप में बनी है।

टैनाफ्लैविन

यह टैनिक एसिड और ऐक्राफ्लैवीन का मिश्रण का उत्तम रूप है जो जलने के घाव तथा उठे हुये खुरण्ट की चिकित्सा में काम आती है।

थियोग्रा

यह फेना वार्वेटोन ½ ग्रेन और थियोब्रोमाइड ५ ग्रेन मिलाकर बनाया जाता है।

थियोमिनाल

यह ल्यूमीनॉल और थियोब्रोमिन को मिलाकर बनता है यह ब्लड प्रेशर की अधिकता, रक्त नाड़ियों का सूखना (स्क्लैरोसिस) ऐंजाइना पैक्टोटिस में लाभ करता है। एक एक टेबिलैट में ½ ग्रेन ल्यूमीनाल और ५ ग्रेन थियोब्रोमिन है। ऐसी तीन टेबिलेट पानी के साथ तीन बार दिन भर में खायी जाती है। इसी प्रकार बी० पी० की टैबिलेट थियब्रोमिन एट फिनोवार्व बनती है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

वैगानिन

इसमें एसिड एसिटिल सैलिसिलेटिस .२५ ग्राम, फैनासीटीन '२५ ग्रेन और कोडिन फास्फेट '०१ ग्राम मिलाकर एक गोली की एक मात्रा बनती है। यह हर प्रकार के दर्द को दूर करके शान्ति उत्पन्न करती है।

वैरामोन

यह बार्बेटोन को, पैरामिडोन में मिलाकर ६ ग्रेन मात्रा में बना लेते हैं। इसको दर्द दूर करने को व्यवहार करते हैं।

यह घुला मिला बार्बेटोन है। उत्तम निद्राकारक तथा शान्ति दायक है। इसकी मात्रा ५ से ७ा। ग्रेन की गोलियाँ होती हैं।

याट्रेन

यह पीले चूर्ण के रूप में है जो वैसीलैर तथा ऐमिबा की डिसेण्टैरी (पेचिश) में व्यवहार होता है। मात्रा १५ ग्रेन तीन बार दिन में इसका २ प्रतिशत शक्ति का सोल्यूशन २०० सी०सी० पानी में बनाकर गुदा मार्ग से पहुंचाने पर पेचिश में बड़ा लाभ करता है। यह बेयर्स कम्पनी का बना है।

याट्रेनकेज़ीन

यह बिना किसी विष दोष की मूच्र्छा में लाभ से व्यवहार होती है। यह दो प्रकार की मात्राओं में (१) हल्की (२) तीव्र शक्ति में इन्टरमस्क्यूलर इन्जेक्शन में तैयार मिलती है। यह माँस सम्बन्धी तीव्र तथा पुराने रोगों की चिकित्सा तथा जोड़ों के रोगों सैप्टिक विषय छूत के विकारों तथा आँखों की सूजन आदि में व्यवहार होती है।

(औषधि ज्ञान संग्रह से)

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नवीन औषधियाँ

एसिट मैण्डैलिक

इसका उपनाम फिनील ग्लाइकोलिक एसिड (बी० पी०) का यह स्वेत प्रायः निर्मल बिना रंगत की गन्द रहित कण है। यह प्रोपाइटरी नयी औषधि है। सात गुने जल में मिल जाती है और एल्कोहोल के बराबर वजन में मिल जाती है। (गुण) मूत्रेन्दियों के विष कीटाणुओं को नष्ट करती है (मात्रा) $\frac{1}{2}$ से ड्राम तरल की हैं। इसके उत्तम रूप (१) ऐसीगान (२) कैल्सीयम मैण्डैलेट (३) कैदयूरैक्स (४) न्योकेट है।

ऐमीथोकेन हाइड्रोक्लोराइड

इसको टैट्रिकेन (बी० पी०) कहते हैं। (परिचय) यह स्वेत कणदार चूर्ण है। गन्दरहित, स्वाद थोड़ा कडुआ होता है। सात गुने जल में मिलता है। (गुण) स्थानिक सुन्न स्पर्श ज्ञान नष्ट करने वाला है। इसको १ प्रतिशत से १० प्रतिशत कोकीन के साथ मिलाकर स्पाइनैल इन्जेक्शन करते हैं। (मात्रा) $\frac{1}{4}$ से $\frac{1}{2}$ ग्रेन हैं। इसका उत्तमरूप (१) ऐनीथैलि (२) डैसीकेन हैं।

ऐम नाक्राइन हाइड्रोक्लोराईड

इसको ऐमिनोऐकीडाइन भी कहते हैं। (बी० पी०) की है। (परिचय) पीली भूरी कण का गंध रहित पाउडर है, स्वाद कडुआ होता है। इसके १ भाग को १००० भाग जल में मिलाकर व्यवहार में लाते हैं। (गुण) उत्तम ऐण्टीसैप्टिक विष छूत

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाशक कम विषैला है। इससे दाग नहीं पड़ता है। इसके उत्तम रूप (१) ऐक्रामाइन (२) उर्माक्राइन हैं।

ऐमिनो फाइलईन

यह बी० पी० की थियोफ्राइलाइन ऐथिल लेने डायामाइन मिलनी है। (परिचय) स्वेत अथवा पीलेस्वेत ग्रेन्यूल्स गोल दाने होते हैं। स्वाद कडुवा होता है। दस गुने जल में मिल जाता है (गुण) दमा स्वांस रोग हृदय तथा गुर्दों की तरल भरी ऐडिमा। सूजन में व्यवहार होता है। मात्रा १॥ से ५ ग्रैन है। इसी की सपोजिटरी बनती है। इसके उत्तम रूप (१) कार्डोफाइलीन (२) एम्फीलीन (३) जिनोफाइलीन बनते हैं।

एम्फेटामाईन सल्फेट

यह ऐमिनोप्रेफीलैने बेञ्जोन है। (परिचय) स्वेत, गन्धरहित पाऊडर है पानी में मिलने वाली है। (गुण) इसको ऐड्रीनेलीन, ऐफीड्रीन की तरह प्रयोग करते हैं। यह थकान को दूर करता है तथा दिमागी मध्य केन्द्र के भाग को उत्तेजित करता है। मात्रा $\frac{1}{4}$ से $\frac{1}{2}$ ग्रेन है इसके उत्तम रूप (१) बैञ्जीड्रीन टैबिलैट (२) इएहेलर सूंघने की औषधि बनती है।

ऐमालेल हाईड्रेट

यह टर्शीयरी ऐमिल एल्कोहल है। (परिचय) यह बेरंग का वालैटाइल द्रव कपूर की तरह की हलकी गन्ध का होता है।

ऐमिलो बार्वेटोन सोल्यूबिल (बी० पी०)

यह ऐमिल ऐथिल बार्वेटियूरिक एसिड है। (परिचय) स्वेत, वेगन्ध कण चूर्ण है। कुछ कडुवी होती है जल में और आल्कु-

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

हाल में मिलने वाली है। (गुण) शान्तिदायक तथा निद्राकारक है (मात्रा) १॥ ग्रेन से ५ ग्रेन है। इसके उत्तम रूप (१) ऐमीटाल (२) सोल्यूबिल है।

ऐन्यूरीन हाइड्रोक्लोर

यह विटामिन "बी" थियामाइन हाइड्रोक्लोराइड को मिलाकर बनती है (बी० पी०) यह यीस्ट या चावलों को शोष-कर निकाली जाती है। (परिचय) बेरंग के पतले छिलकेदार पत्रे (प्लेट) होते हैं। (मात्रा) प्रतिदिन प्रोफिलैक्टिक रोग रोकने के गुण को १।२०० से १।१०० अर्थात् १००—२०० यूनिट तक रोग दशा में २०० से ४०० यूनिट तक देते हैं।

विस्मथ सोडियम टार्टेट

यह न्यूट्रल कम्पाउण्ड है। इसमें विस्मथ की मात्रा २५ से ४२ प्रतिशत की शक्ति है। (परिचय) यह स्वेत चूर्ण कुछ २ पीलापन लिये छिलके से होते हैं (मात्रा) १—३ ग्रेन है, यह सिफलिस रोग में इन्टरमस्क्यूलर इन्जैक्शन में दी जाती है।

ब्रोमैथोल

यह ट्राइब्रो मैथिल एल्कोहल है। इसको ६६·७ प्रतिशत एेल्कोहोल ३३·३ ऐमिल हाइड्रेट मिलाकर बनाते हैं। इसको शरीर के आधे भाग को सुन्न करने के लिये गुदा मार्ग की पिचकारी द्वारा व्यवहार में लाते हैं। इसका उत्तम रूप १ ऐयर्टीन है। इसको ऐवहर्नि भी कहते हैं।

कैल्सीयाई ग्ल्यूकोनेट

यह ग्ल्यूकोनिक एसिड का केल्सीयम लवण है। (परिचय) निर्मल स्वेतसा, स्वाद रहित, कणदार गोल गोल दाने अथवा

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पाउडर रूप में मिलता है, यह न्यूर्टल है । (मात्रा) ३०—६० ग्रेन है । टैबिलैट तथा इन्जेक्शन के तौर पर भी व्यवहार किया जाता है ।

कार्बाकौल

यह बेरंग का लम्बे लम्बे-चमकीले कण के रूप में अथवा कण मिले चूर्ण रूप में होता है । (परिचय) यह नर्म वायु के लगते ही सीलकर पानी सा हो जाता है । (मात्रा) १/२४—१/१२ ग्रेन मुख द्वारा १/५०—१/१० ग्रेन इन्टरमस्क्यूलर इन्जेक्शन में देते हैं । इसके उपनाम पुराना डोरिल और आजकल का मौरिल है ।

क्लोरोक्रिजोल

यह (बी० पी०) का पैराक्लोरोमेटा क्रिजोल है । (परिचय) बेरंग के कण २५० गुने जल में मिलने वाले, अल्कुहाल में तत्काल मिलने वाला है । गुण-उत्तम विष कीटाणु नाशक और कम विषैला है ।

सिनकोकेन हाइड्रोक्लोराइड (बी०पी०)

(परिचय) बेरंग के कण बहुत बारीक कुछ स्वेत से पानी के २ भाग में मिलने वाले स्थानिक सुन्न करते हैं । (गुण) इसका गुण ठीक कोकीन की तरह का है । म्यूकस मैम्बीन पर इसका गुण प्रोकेन की तरह का होता है । इंजेक्शन करते हैं, इसका गुण प्रभाव बहुत समय तक सुन्न रखता है । [मात्रा] १/१२ से १/६ ग्रेन है, इसके उत्तम रूप (१) न्यूफ्कैंन (२) न्यूपर्कैनाल (३) १ प्रतिशत का मरहम है ।

डिकाउमैरौल (बी०पी०)

[बी० पी०] डिकाउमेरीन भी कहते हैं । (परिचय) स्वेत चिकनाईदार बहुत महीन कणदार चूर्ण, जल में कम मिलने

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

वाला, जमे क्लाट, थ्रम्बस को घोल देने वाला है। इसके उत्तम रूप (१) काउमारीन (२) डिकाउमारीन (३) टैम्परीन है।

डियोडोन (बी० पी०)

यह आयोडिन कम्पाउण्ड का आर्गेनिक है। (परिचय) स्वच्छ, बेरंग, बेगंध, तरल है। यह रैडियो ग्राफी में इट्रावीनस इंजेक्शन के काम आता है। इसके उत्तम रूप (१) परऐब्राडिल (२) पाइलोसिल (३) पाइलुब्री यूरियास्टीन।

हैपारीन (बी० पी०)

यह लिवर ऐक्सट्रैक्ट है। यह रक्त को जमने से रोकता है। जब रक्त को ट्रान्सफ्यूजन करने को संग्रह करते हैं तो इसको रक्त देने वाले में इंजेक्शन करने से उसका रक्त न जमने वाला हो जाता है। (परिचय) यह भूरा चूर्ण के रूप में होता है जल में घुलने वाला है।

हैक्सो बार्बीटोन

इसको हैक्सा वार्बीटाल, हैक्साना स्टेब मुख से व्यवहार करने का भी कहते हैं [परिचय] स्वेत चूर्ण पानी तथा एल्कोहाल में तत्काल मिलने वाला है। इसको मासांतर्गत इण्ट्राविनस अथवा गुदा मार्ग से रैक्टल इंजेक्शन में काम लेते हैं। इसका पुराना नाम ऐवीपान सोडियम है।

आयोडौक्सील

इसमें ५० प्रतिशत से अधिक प्रायः ५३ प्रतिशत आयडिन होता है। [परिचय] बेरंग का, बेगन्ध का स्वेत पाउडर है जो दुगने जल में तत्काल मिल जाता है। इसकी मात्रा १५० से २२५ यूनिट तक इन्ट्राविनस इंजेक्शन द्वारा व्यवहार होती है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इसका पुराना नाम यूरोसिलैक्टान है। पाइलैक्टान यूरोपाक, इयूरब्रोन भी कहते हैं।

लेप्टाजोल

यह पेण्टा मैथिलेनेटेट्राजोल है (परिचय) बेगन्ध, बेरंग कण अथवा स्वेत से कण चूर्ण है। मात्रा ¾ से १ ग्रेन हैं। इसको प्रारम्भ में कार्डीयाजोल कहते थे, अन्य उपनाम, पूरम्ब्रीन भी कहते हैं।

मैग्नेशियम ट्राईसिलीकेट

यह हाइड्रेटिड [नहाने वाला पानी] मैगनेशियम सिलीकेट है (परिचय) यह स्वेत बारीक पाउडर है। यह जल में नहीं घुलता है। यह एसिड को नष्ट करता है और शरीर पर लेप करने से सूख जाता है। मात्रा) ५-२० ग्रेन है। इसके उपनाम (१) ग्रैस्टो-मैग (२) मैगसोर्बेण्ट (३) नोवासोर्ष हैं।

मैपाक्राइन हाइड्रोक्लोराइड (ब्री० पी०)

[परिचय] बेगंध चमकीली पीले चूर्ण के रूप में अथवा कण तिगुने जल में घुल जाते हैं। (मात्रा) ¾ से १॥ ग्रेन मुख द्वारा है। इसका पुराना नाम ऐटेब्रीन, ऐण्टी मैलेरियल है।

मैपाक्राइनमैथेन सल्फ (ब्री० पी०)

ये बेगन्ध, चमकीले पीले कणदार होते हैं जो तिगुने जल में घुल जाते हैं। (मात्रा इन्टरमस्क्यूलर इंजेक्शन की ¾ से १॥ है। पहिले इसको ऐटैब्रिन म्यूसीनेट कहते थे।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मर्सैलीन

यह बी० पी० का हाइड्रोआक्सी मर्क्यूरी सैलीसिमाइड का सोडियम लवण है।

(परिचय) स्वेत, चिकना, पाउडर, स्वाद कडुआ होता है। बराबर जल में घुल जाता है। तीनगुणें अलकुहाल में घुलता है। उत्तम तीव्र मूत्र वाहक डायोरेटिक है इसका उत्तम व्यवहार इन्जेक्शन में किया जाता है। इसके अन्य उत्तम रूप (१) डिल्यूर्जन (२) सालीर्गान (३) इसीड्रीन है।

निकेथामाइड

यह डीऐथीलामाइड पाइरीडीन (बी) कार्बोक्सैलिक एसिड है। (परिचय) बेरंग का सा हलका पीला द्रव रूप अथवा सूखे कण के रूप में मिलता है। जल में घुल जाता है (मात्रा) ३—८ ग्रेन मुख से और ८—२० ग्रेन इन्ट्राविनस इन्जेक्शन उत्तेजना में व्यवहार करते हैं। इसके प्रारम्भिक नाम (१) कौरामाइन (२) ऐनाकार्डोन (३) कोर्बोटोन (४) निकैमाइड हैं।

आमोवेन (बी० पी०)

यह स्ट्रोफेन्थीन है (परिचय) छोटे-छोटे बेरंग के कण, गन्ध रहित, स्वाद में कडुआ होता है। यह स्ट्रोफेन्थस के बीज में से निकाला जाता है। (गुण) इन्ट्राविनस इंजेक्शन द्वारा हृदय फेल होने के समय इसकी दुगनी शक्ति के कारण स्ट्रौफिन्थस के स्थान पर व्यवहार करते हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पामाक्विक (बी० पी०)

यह ऐण्टी मैलेरियल का गुण रखती है। क्विनाइन के साथ-साथ इसको व्यवहार करते हैं, (परिचय) स्वेत सी निर्मल बेरंग की बेस्वाद का कणदार पाउडर है। जो ऐसिटोन में मिल सकती है, जल में नहीं मिलता है। (मात्रा) ⅔ से ⅚ ग्रेन मुख मार्ग से दें। इसका प्रारम्भ का नाम प्लाजामोक्विन है। प्रिक्वि भी कहते हैं।

पेप्टोबार्बटोन सोल्यूबिल (बी० पी०)

यह मैथिल ब्यूटैल बार्बाल्यूरिक एसिड में से निकालकर सोडियम मिश्रित होता है। (परिचय) स्वेत, गन्ध बार्बेटोन सम्बन्धी निद्राकारक गुण तत्काल करता है। इंसोम्निया (अनिद्रा) रोग में व्यवहार करते हैं। (मात्रा) १॥ से ३ ग्रेन है। कैप्स्यूल में भर कर खाना चाहिए। ७॥ ग्रेन का ५ प्रतिशत साल्यूशन बनाकर इन्ट्राविनस (वेन नाड़ी में) इंजेक्शन भी करते हैं। ३॥ ग्रेन की सपोजिटरी गुदा में चढ़ाते हैं। इसका उत्तम रूप नेम्ब्यूटाल है।

मैथीडाइन हाईड्रो क्लोराइड (बी० पी०)

यह मैंथिल, फिनील, पिपेरैडाइन कार्वोक्सीलिक एसिड ऐथिल ईस्ट है। (परिचय) जल में तत्काल मिल जाता है और अलकुहाल में नहीं मिलता है। यह मार्फिया की तरह सब प्रकार की वेदना दर्द को दूर करता है। इसको अफीम छुड़ाने के लिये व्यवहार करते हैं। (मात्रा) ½ से १॥ ग्रेन है। मुख मार्ग तथा इन्टरमस्क्यूलर दिया जाता है। इसके उत्तम रूप (१) डोलाप्टाल (२) डोलांटीन (३) डेमैरौल हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

फैमीटोन

यह बी० पी० का मैथिल फैनो बार्बेटोन है।

(परिचय) बेगन्ध बेस्वाद श्वेत कणदार चूर्ण है। जल में नहीं मिलता। (मात्रा) ½ से ६ ग्रेन है। इसका पुराना प्रारम्भिक नाम प्रोमीनाल है।

फेंनीओडोल

यह फैमील हाइड्रोक्सी डीयोडोफिनील है। (परिचय) इसमें ५०.४ प्रतिशत आयोडिन मिली होती है। इसके दाने अथवा चूर्ण भोजन पदार्थों में मुख मार्ग से ३ ग्रास मात्रा में दिये जाते हैं। इसको प्रारम्भ में (बिलीसैक्टान) भी कहते थे।

फेनीटोइन

यह घुली हुई फैनीटौइन है। यह बी० पी० की सोडियम डिफैनील हाइडाएटोइन है। (परिचय) श्वेत, गन्धरहित कण चूर्ण है। जल में तत्काल घुल जाती है।

यह मृगी के दौरे, कम्प, कनवल्शन को दूर करती है (मात्रा) १॥ से ३ ग्रेन है। कैप्श्यूल में भरकर खाऍं। इसके उत्तम रूप (१) डिलाएटीन सोडियम (२) इपान्यूटीन (३) इपाटोइन (४) हाइडाएटाल (५) सोलाएटोइन है।

प्रोफ्लेविनसल्फेट

यह ऐक्राफ्लेविन के स्थान पर व्यवहार होती है। यूफ्लेविन के साथ लिखा जा चुका है। (परिचय) नारंगी सी लाल भूरी गन्ध रहित कणदार पाउडर है। स्वाद में खटास पानी और ग्लिसरीन में घुल जाती है। यह उत्तम ऐण्टी सेप्टिक है। इसका १ प्रतिशत शक्ति का घोल सोडियम क्लोराइड के साथ

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

बनाता है। उनका नाम "पिगमेण्ट वायोली क्रिस्टील" है १ ग्रेन ट्रोपेलडाई ½ ग्रेन प्रोफ्लेयिन १ आउन्स में मिलाकर बनाते हैं।

प्रोजेंस्टीरोन

इसको "प्रोजेस्टीन" भी कहते हैं। कार्पस इन्टीयम हौर्मोन है। (परिचय) स्वेत गन्धरहित, स्वादरहित, कलमी कणदार चूर्ण, जल में तत्काल मिलने वाला आल्कुहाल, ओलिव आइल ५० गुणो में मिलने वाला मुख द्वारा खाने से अच्छा गुण नही करता है। इसको गर्भाशय के रक्तश्राव रोकने और बार बार गर्भपात होने को रोकने में व्यवहार करते हैं। मात्रा १।१० से १।६ ग्रेन इन्ट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन द्वारा दें। इसके उत्तम रूप यह हैं। (१) लिपोल्यूटीन (२) ल्यूटियोस्टेव (३) ल्यूटी साइक्लीन (४) ल्यूटीजिल (५) प्रोजोस्टीराल (६) प्रोल्यूटीन (सी) (७) ईथीस्टिरोन। इनमें से ईथीस्टिरोन को गोली रूप में मुखमार्ग से व्यवहार करते हैं। (८) ओरैलोटोन आदि हैं।

सोडियाई मोरूह्वेट (बी० पी० सी०)

(परिचय) हलकी भूरे रंग का पाउडर मछली की तरह का स्वाद गर्म पानी में घुलने वाला है। (गुण) यह वैरीकोसील चिकित्सा की नई उत्पन्न की हुई औषधि है। इंजेक्शन द्वारा व्यवहार में लाते हैं। इसके उपनाम (१) वैरीकैन (२) न्योवैरीकेन (३) यह ईथानो लामाइन ओलियेट हैं।

स्टिबोफैन

इसम १५.६ से १६ प्रतिशत ट्रिवैलेण्ट ऐण्टीमनी मिला होता है [परिचय] बेगन्ध बेरंग का कणदार पाउडर है। जल में

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलता है। मात्रा १॥ से ५ ग्रेन है, इसका पूर्वनाम फाउ-आडीन है।

स्टिलबैस्ट्रोन

[परिचय] बेरंग के कण अथवा चूर्ण रूप में होता है। जल में कम मिलता है। ६५ प्रतिशत अल्कुहाल में मिल जाता है। इसका गुण ओवेरियन डार्मोन्स की तरह मुखमार्ग से खाने पर डिस्मिनोरिया तथा मोनौपोल रोगों में लाभ करता है। मात्रा ६।२० से १।१० ग्रेन है। गोली रूप में खायी जाती है। इसके उत्तम रूप [१] क्लोइस्ट्रौल [२] ओवेण्डोसिन [३] सिण्टैस्ट्रीन फोर्ट है।

सल्फाएसिटामाइड

यह ऐमिनोवेंजेनेसल्फोना एसिटा माइड है।

[परिचय] गन्ध रहित, स्वेत चिकनाई लिए कण पाउडर है। १-१५० गुने जल में घुलती है। (गुण) यह आँखों के रोग तथा चट में बाहर लगाने के काम आती है। १० प्रतिशत शक्ति का लोशन कई बार आँख पर (आफ्थैलमीयाँ न्यूनाटोरम) में पट्टी बाँधते हैं। इस के उत्तम रूप (१) ऐल्यूसिड (२) स्टेरा-माइड हैं।

सल्फाडिमौथिल पाइरीमिडाइन (बी० पी०)

[परिचय] स्वेत चूर्ण प्रायः गन्ध रहित, स्वाद रहित अल्कुहाल पानी में अच्छी तरह घुल जाने वाली है। गुण इसका सल्फा पाइरीडिन तथा सल्फाडियाजाइन की तरह लोबर न्यूमोनियां में बिना वमन प्रभाव के व्यवहार होता है।

(मात्रा) ८-१० ग्रेन तक है। गोली में खाई जाती है। इसकी पाउडर रूप छिड़कने तथा घृत चिकनाई में मिलाकर वाह्य लेप करतें हैं। इसका उत्तम रूप सल्फा मैजाथाइन बनता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

थियोपैंण्टोन साल्यूबिल (बी० पी०)

यह ऐथिल, मैन्थिलब्यूटिल तथा थियोबार्बेटोन को सोडियमा में योग देकर बनाते हैं।

(परिचय) पीली, स्वेय चूर्ण, स्वाद कडुआ, तिगुने पानी में घुलने वाली, इसको सील बन्द ट्यूब में नाइट्रोजन वायु मंडल में रखना चाहिये। यह बार्बेटोन बड़ी शीघ्रता से प्रभाव करता है। मात्रा १॥ से ५ ग्रेन है। इन्ट्राविनस इंजेक्शन करते हैं। इसके उत्तम रूप (१) पेण्टोथैल (२) इण्ट्रावाल (३) केमीथाल हैं।

थियोयूराडिल (बी० पी०)

यह मर्वैप्टो और हाइड्रोक्सी पाइरीमिडाइन मिलाकर बनत है। (परिचय) बेरंग, बेगंध कण पाउडर है। स्वाद कडुआ, जल में तत्काल मिलने वाली है। यह थाइराइड के विष की चिकित्सा में व्यवहार होता है। (मात्रा) ¾ से ३ ग्रेन है।

ट्रिपार्सामाइड (बी० पी०)

(परिचय) यह बेरंग की कणदार चूर्ण है गन्ध रहित जल में मिलने वाली है। यह नर्वस की न्यूरो सिफलिस के विकार में व्यवहार में होती है। इण्ट्राविनस इंजेक्शन करते हैं।

अनयूएब्टम एल्कुहोलीयम लैनो (बी० पी०)

यह रुई की चर्बी (बुलफैट) एल्कुहल में मिली होती है। इसका उत्तम मर्हम निम्न प्रकार बनता है।

बुल अल्कोहल	६ भाग	इन सब को मिलाकर इस मर्हम में इसके बराबर पानी का भाग फेंठकर मिलालें तो यह पानी मिला (हाड्रस) मर्हम सा बन जाता है।
हार्ड पैराफिन	२४ भाग	
सफेद या पीली वैसलीन	१० भाग	
लक्विड पैंराफिन	६० भाग	

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इसी को अन्य मर्हमों के बनाने का आधार माना गया है। (१) ऐमोनियेटिडमर्करी (२) एसिड सैलिसिलिक (३) सल्फर (गन्धक) (४) जिंक ऑक्साइड (५) जिंकओलीऐट में इसको साधारण चिकनाई के रूप आधार के तौर पर मिला कर ये भिन्न-भिन्न मर्हम बनाये जाते हैं।

यूरेथेन

यह ऐथिल कार्बोनेट है।

(परिचय) बेरंग, बेगंध के कण, स्वाद में नमकीन कुनने पानी में मिल जाने वाले हैं यह वैरीकोजवेन की इंजेक्शन चिकित्सा की नई औषधि है।

इसका क्विनाइन यूरेथेन इजेक्शन, क्विनाइन का शुद्ध साल्यूशन १२'५ प्रतिशत शक्ति और यूरेथेन '२५ प्रतिशत शक्ति से क्लोरीक्रिजीज तथा ताजा डिस्टिल्ड वाहर में बनाकर दोनों को मिलाकर बना लेते हैं। मात्रा ८ से ७५ बून्द तक है। इसको सुखा देने वाला स्क्वोरोजींग इंट्रावीनस इंजेक्शन कहते हैं। इसका उपभाग वैरीक्सोल है।

ले०—डा० राधावल्लभ पाठक
मथुरा

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

प्रसिद्ध नवीन औषधियाँ

द्वितीय महायुद्ध में जिस प्रकार वैज्ञानिक जगत में नये-नये परिवर्तन हुए हैं उसी प्रकार चिकित्सकों ने भी नये-नये परीक्षण किये। इस परीक्षण में उन्हें कई प्रकार की नई औषधियाँ मिली। आज साधारणतः सैप्टिक अर्थात् मवाद एवं रक्त विकार में (Sulpha drugs) का प्रयोग किया जाता है। यह सल्फा ड्रग युद्धकाल में ही ज्ञात हो चुकी थी। हम इस प्रकरण में सल्फा ड्रग पर कुछ संक्षेप में बतायेंगे।

Sulphanilamide (सल्फानेलेमाइड)

इस औषधि को कई कारखानों ने बनाया है और अपने पृथक-पृथक नाम रख लिये हैं। गलैक्सो लेवोरेट्री ने इस दवा का नाम सैप्टीनीलस रक्खा है। यह औषधि कीटाणुनाशक है। स्ट्रैप्टोकोकस, स्टेफीलोकोक्स, गोनोकोक्स एवं मैनिंजोकोक्स आदि कीटाणुओं का प्रभाव तत्काल नष्ट कर देती है। आजकल इसको प्रसूत आदि स्वर, फोड़े, फुन्सी, आदि में प्रयोग किया जाता है।

इस औषधि को कई रूप से प्रयोग में लाया जाता है। पाउडर, गोली और मरहम। गोली का तथा पाउडर का प्रयोग खाने में किया जाता है। पाउडर को जख्म तथा घाव पर छिड़कते हैं जिससे घाव का पीव शीघ्र सूख जाय। पाउडर से लोशन तथा मरहम भी बनाया जाता है। सल्फानेलेमाइड लोशन घाव धोने के काम में आता है। रोगी को साधारणतः दो टिकियों से लेकर आठ टिकियाँ प्रतिदिन देनी चाहियें। रोग की तीव्र दशमें अधिक से अधिक १६टिकियाँ प्रतिदिन दी जा सकती हैं। टिकियोंके

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ऊपर पानी अधिक मात्रा में देना चाहिये। प्रायः एक टिकिया में ७$\frac{1}{2}$ ग्रेन पाउडर रहता है।

इसके प्रयोग से कभी-कभी रोगी को कै, चक्कर, धड़कन इत्यादि विकार पैदा हो जाते हैं। इसलिये इसके साथ सोडा-बाईकार्ब मिश्रित करके देने से इन विकारों के कम पैदा होने की सम्भावना रहती है। यदि इसके विषैले प्रभाव उत्पन्न हो जायें। तो औषधि बन्द कर देनी चाहिये तथा साधारण जल अथवा ग्लुकोज मिश्रित जल रोगी को काफी मात्रा में पिलाना चाहिये। इसके अतिरिक्त रोगी को आराम से लिटाना चाहिये।

Sulphadiagine (सल्फाडायजीन)

यह औषधि सल्फानिलेमाइड के समान कई रोगों में लाभ करती है। यह औषधि कीटाणुओं का नाश करती है। परन्तु अधिक मात्रा में घातक भी है। इस दवा को न्यूमोकोकस, मैंजिजोकोकस, गोनोकोकस तथा बीकोलाई द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों में प्रयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त निमोनिया, गेंग्रीन, फोड़े, सुजाक आदि रोगों में भी प्रयोग की जाती है।

सल्फा ग्रुप की लगभग सभी औषधियों के प्रयोग में मितली, चक्कर आना बेचैनी, खुश्की, शिथिलता, मूत्र का रुक जाना अथवा कम हो जाना अथवा चकत्ते पड़ जाना आदि दोष पैदा हो जाते हैं इस श्रेणी की औषधियों के साथ में यदि सोडा बाई कार्ब दिया जाय तथा जल अधिक मात्रा में प्रयोग किया जाय तो इसके यह विषैले दोष होने की सम्भावना कम रहती है। इसके विषैले प्रभाव प्रकट होते ही औषधि का प्रयोग बन्द कर देना चाहिये तथा जल का प्रयोग अधिक मात्रा में कर देना चाहिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

यह औषधि भी पाउडर-टिकिया तथा इन्जेक्शन के रूप में मिलती है। आंख के रोगों में इसका मरहम लगाया जाता है।

Sulphaguanidine (सल्फाग्वानीडीन)

यह औषधि Sulpha Drug की विशेष औषधि है। वैसे तो इसका प्रयोग पेचिस (Bacillary Dysentery में होता है किन्तु हैजे के रोगियों को भी दी जाती है।

इसकी टिकियों को नवीन रोगों में इस प्रकार देना चाहिये।

६ गोली दिन में ३ या ४ बार ३ दिन तक।

६ ,, ,, २ बार ४ दिन तक।

इसके पश्चात् गोलियों की संख्या कम कर देनी चाहिये चौदह दिन के पश्चात् तो इसका बिल्कुल ही प्रयोग न करना चाहिये। बाजार में २५, १००, ५०० और १००० गोलियों के पैकिंग सील बन्द मिलते हैं।

नोटः—यदि इसके सात दिन के प्रयोग से रोग में लाभ प्रतीत न हो तो समझना चाहिये कि ये इस रोग में काम न करेगी।

Sulphameragine (सल्फामेराजीन)

इस औषधि का प्रयोग भी सल्फाडायजीन के समान ही होता है। मात्रा तथा प्रयोग भी उसी प्रकार होता है। तीव्र रोगों में इसकी मात्रा छः से आठ टिकियों की होती है। यह केवल टिकियों के रूप में हीं आती है।

Sulphatriad (सल्फाट्राइड)

इस औषधि का निर्माण May and Beker नामक प्रसिद्ध औषधि निर्माण कम्पनी ने किया है। इसके अन्दर सल्फ-

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

थायोजोल सल्फाडयोजीन, तथा सल्फामेरेजीन तीनों दवा का मिश्रण होता है। जहां पर उपरोक्त तीनों दवा का प्रयोग होता है वहीं पर इसका भी प्रयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त यह बैसलरी पेचिस में भीं लाभकारी प्रमाणित हुई है। तीव्र रोग में इस औषधि की १२ टिकिया प्रतिदिन तथा साधारण अवस्था में ६ से ८ टिकिया प्रतिदिन देनी चाहिये। इसके प्रयोग के समय सोडा बाईकार्ब तथा अधिक पानी पीना चाहिये।

Sulphamezathine (सल्फामेजेथाइन)

इस औषधि का निर्माण (Sulphanilamide) औषधि से किया जाता है। इसका प्रयोग न्यूमोनिया तथा मूत्ररोग आदि में किया जाता है। परन्तु सूजाक में इसका प्रयोग विशेष गुणकारी सिद्ध नहीं हुआ है। यह दवा गोली, पाउडर, मरहम तथा इंजेक्शन रूप में मिल जाती है। एक युवक के लिये तीव्र रोग में प्रारम्भिक मात्रा ८ गोलियों की देनी चाहिये। उनके पश्चात् छः घण्टे के अन्तर से तीन चार टिकियाँ देनी चाहिये। बालकों के लिये ३ से १० वर्ष की आयु के लिये २ से ३ टिकिया प्रतिदिन देनी चाहिये। बारह से १८ वर्ष की आयु के लिये ३—६ टिकियाँ प्रतिदिन देनी चाहिये। इसके इंजेक्शन भी छोटे बड़े दो प्रकार के आते हैं तथा Intravenous और (Intramuscular) लगाये जाते हैं।

Cibazol (सिबाजोल)

इस प्रसिद्ध औषधि का सम्बन्ध भी सल्फानिलेमाइड श्रेणी से है। इसका वास्तविक नाम सल्फाथायजोल है। इसे सींबा कम्पनी ने बनाया है। अतः इसका नाम बदल दिया है। यह औषधि तीव्र कीटाणु नाशक है। न्यूमोनिया, सूजाक, पेचिस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(बैसीलरी), मस्तिष्कावरण प्रदाह तथा अन्य प्रकार के प्रदाह के लिए रामबाण प्रतीत हुई है। कुछ व्यक्ति इसको चेचक, मियादी बुखार, प्लेग के लिए भी लाभकारी समझते हैं। प्रत्येक रोग के लिये इसकी मात्रा पृथक हैं।

निमोनियाँ.—प्रारम्भ में पहली मात्रा में ४ टिकिया दें इसके बाद २ टिकिया ४-४ घण्टे के अन्तर से दें। एक दिन की मात्रा ८-१६ टिकिया हैं। इसका एककोर्स ३० से ६० टिकियाँ का होता है

सूजाक:—प्रारम्भ में २-३ दिन तक १० से १५ गोली प्रतिदिन अथवा प्रथम और द्वितीय दिन ७-७ टिकिया फिर तीसरे व चौथे दिन ६-६ टिकिया, पाँचवे दिन ५ टिकिया दें। चर्म तथा विषैले रोगों के लिये एक दिन में ४ से १० टिकिया।

पेचिश:— दिन भर में आठ टिकियाँ।

नोट:—प्लेग के रोगी को प्रारम्भ में १२ से १४ गोलियाँ देनी चाहिये। इससे रोगी के स्वस्थ होने की अधिक सम्भावना रहती है।

टिकियाँ:—इसकी ७½ ग्रेन की टिकिया २०, १००, २५० के पेकिंग में बाजार में मिलती है।

मरहम:— साधारणत: घाव पर लगाने के लिये ५% का ट्यूब आता है। इसमें चालीस ग्राम मरहम होता है।

आँख की मरहम:—यह १०% का होता तथा इसकी ट्यूब ५ ग्राम की होती है।

डसटिंग पाउडर:—२० Gram, १०० Gram, & ५०० Gram का पैकिंग होता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इंजेक्शन:—यह १ ग्राम के ५ सी०सी० वाले ऐम्पुल्स में आता है तथा इसका डिब्बा ५ तथा २० ऐम्पुल्स का होता है।

Thiazamide (थायजेमाइड)

जिस प्रकार सल्फाथायजोल (Sulphathiazole) का नाम सिबा कम्पनी ने सीबाजोल रख लिया है। उसी प्रकार मे और बेकर कम्पनी ने इसका नाम थायजेमाइड रख लिया है। वास्तव में सीबजोल तथा थायजेमाइड एक ही औषधि है और दो नामों से बाजार में बिकती हैं।

यह भी सीबाजोल के समान तीव्र कीटाणुनाशक है तथा उसी के समान लाभदायक है। यह भी निमोनिया, सुजाक, कर्णप्रदाह, प्रसूत, ज्वर, गर्दन तोड़ ज्वर, बेसिलरी डिसेन्टरी, प्लेग, विसर्प आदि रोगों में प्रयोग होती है।

इसके विषैले प्रभाव भी सल्फा श्रेणी की औषधियों के समान ही होते हैं, तथा उसका उपचार भी उसी के अनुसार है साधारणतः इस औषधि का प्रयोग रोगी की आयु वजन तथा उसकी दशा के मुताबिक करना चाहिये।

निमोनिया तथा स्टेफीलोकोकस वाले रोगों में प्रथम दिन २-४ टिकियाँ ४-४ घण्टे के अन्तर से, फिर दूसरे दिन २-३ टिकियाँ ४-४ घंटे के अन्तर से। इसके पश्चात् १-२ टिकियाँ ४-४ घंटे के अन्तर से जब तक ज्वर नार्मल न हो जाये देना चाहिये। ज्वर शान्त हो जाने पर १ टिकिया ३ बार देवें। अन्य विकारों में इस औषधि की साधारणतः मात्रा १—२ गोली ३-४ बार प्रतिदिन है।

इसकी टिकियाँ.—२५, १००, ५०० टिकियों के पैकिंग में आती हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

आँख की मरहम:—१० प्रतिशत की ५ ग्राम की ट्यूब आती है।

पेस्ट:—५ प्रतिशत के १० औंस तथा १ पौंड के पैकिंग में आते हैं।

पाउडर:—यह तीन प्रकार का होता है। (१) पाउडर। स्ट्रीलाइजड (२) पाउडर एक्रेफ्लेवीन मिश्रित (३) पाउडर ऐमीनोआ क्राइडीन मिश्रित १५ ग्राम का पैकिंग।

इंजेक्शन:—२५ तथा ६ एम्पुल का डिब्बा आता है।

एम० बी० ६९३ M. B. 693

एम० बी० ६९३ सल्फा श्रेणी की सर्व प्रथम औषधि है। सल्फा पाइरीडीन तथा डेगेनिन भी इसके दो अन्य नाम हैं। इसके निर्माणदाता को 'नौबिल प्राइज' भी मिल चुका है।

साधारणत: इस औषधि का प्रयोग गर्दन तोड़ ज्वर, फोड़े घाव प्रसूत ज्वर, कर्ण प्रदाह, सैप्टीसीमिया, पायमिया आदि विकारों में अत्यन्त गुणकारी होता है! परन्तु निमोनिया तथा सूजाक में इसका प्रयोग विशेष लाभकारी होता है।

तीव्र (नवीन) रोगों में २-४ टिकियों की ३-४ मात्राएं पहिले दिन देनी चाहिये। फिर बाद में कम कर देनी चाहिये। नवीन सूजाक में प्रथम दिन ८ टिकियां फिर बाद में ४-६ टिकियाँ प्रतिदिन देना चाहिये। इसका कोर्स ३२ से ५० टिकियों का होता है। स्त्रियों को ४-६ टिकियां प्रतिदिन एक सप्ताह तक देना चाहिये। यदि आवश्यकता हो तो कुछ समय बाद फिर शुरू करें!

बच्चों की ½ से दो टिकियाँ उनकी आयु के अनुसार दें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इसके २५, १००, ५०० टिकियाँ ०.५० ग्राम तथा ०.१२५ ग्राम की २५ टिकियों के पैकिंग आते हैं। इसके स्ट्रीलाइज पाउडर १२ तथा १५ ग्राम के तथा अनस्ट्रीलाइजड पाउडर २५ तथा १०० ग्राम के डब्बों में आता है। इसके १ ग्राम के ६ एम्पुल का बक्सा आता है।

Paludrine (पैलूड्रीन)

पैलूड्रीन मलेरिया ज्वर के लिये नवीनतम औषधि है। इस महान औषधि का आविष्कार सन् १९४४ में डाक्टर डेवी ने किया था। इसी रोग के लिये मैपाक्रीन नाम की औषधि बनी थी किन्तु वह पीली थी। रोगी के ऊपर उसके रंग का प्रभाव होता था। मल और मूत्र में भी पीलापन आजाता था। इस औषधि (Paludrine) में यह बात नहीं है। इसका सफेद रंग है और शरीर पर किसी प्रकार का प्रभाव नही होता है।

इस औषधि को मलेरिया ज्वर की प्रत्येक अवस्था में प्रयोग किया जा सकता है। गर्भिणी स्त्री के लिए भी यह हानिकारक नहीं है। दिन में केवल १ बार १ गोली ही ज्वर को रोकने में समर्थ होती है।

Penicillin (पैनीसिलीन)

पैनीसीलीन वर्तमान युग का एक प्रसिद्ध आविष्कार है। इस युग के सभी आविष्कारों में इसकी महानता सब से अधिक है। अब तक इसके समान लाभदायक तथा गुणकारी औषधि का निर्माण नहीं हुआ। वैसे तो इसका प्रयोग बहुत से रोगों में होता है पर जिन रोगो में यह विशेष गुणकारी होती है उसकी नामावली निम्न है :—

१. सूजाक तथा उसके विकार **Gonorrhoea & it's Complications**

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

२. मस्तिष्कावरण प्रदाह	Meningitis
३. सैप्टी सिमिया	Septicaemia
४. पायमिया	*P*yaemia
५. एम्पाइमिया	Impyaemia
६. मज्जा प्रदाह	Orteomyelitis
७. शर्करार्बुद	Carbuncle
८. अग्निदग्ध, घाव	Burns, Ulcers etc
९. सैल्लुलाइटिस	Cellulites
१०. कर्ण प्रदाह	Otitis Media
११. प्रसूत ज्वर तथा दूसरे विकार	Puerperal Infections
१२. निमोनिया	Pneumonia
१३. आतशक (उपदंश)	Syphilis
१४. गैसगैंग्रीन	Gesgangrene
१५. ऐन्थ्रेक्स	Anthrex
१६. चूहे काटे का ज्वर	Ratbite fever

इस दवा का मरहम, पाउडर, टिकियाँ, आँख का मरहम तथा चूसने की टिकियाँ तथा इंजेक्शन आते हैं। किन्तु अधिकांश इंजेक्शन ही प्रयोग होता है! इसका इंजेक्शन (Intramuscular & Intravenous) अर्थात मांस में तथा नाड़ी में लगाते हैं। कुछ डाक्टर ४-४ घण्टे के अन्तर से लगाते हैं और कुछ डाक्टर इकट्ठा इंजेक्शन १ लाख अथवा अधिक का दिन में एक बार या दो बार लगाते हैं।

यह औषधि शीशी में पाउडर के रूप में होती है। पहिले उसके अन्दर नार्मल सैलाइन डाल कर घोल बनाया जाता है। और उसीं घोल का इंजेक्शन लगाया जाता है। इसका घोल

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Radistilled water में भी बना लेते हैं और उपयोग करते हैं। आँखों तथा अन्य चर्मरोग का बना बनाया मरहम आता है। खाने के लिये जो टिकियाँ होती हैं उन्हें पैनीसीलीन लाजैंजेज कहते हैं तथा चूसते हैं। इंजेक्शन की मात्रा रोग की अवस्था तथा रोग की तीव्रता पर निर्भर होती है। पैनिसीलीन आयल और वेक्स के रूप में भी मिल जाती है। इसका इंजेक्शन कई दिन तक काफी होता है। कारण कि वह धीरे-धीरे शरीर में घुलती है।

साधारणतः पैनिसीली को बर्फ में रखना पड़ता है परन्तु क्रस्टिलाइज़्ड पैनीसीलीन सोडियम अथवा पोटेशियम को बर्फ में रखने की आवश्यकता नहीं होती है। इसके घोल को अवश्य बर्फ में रखना चाहिये।

इसके इंजेक्शन के एम्पुल १ लाख, २ लाख, ५ लाख तथा १० लाख यूनिट्स के आते हैं।

Streptomycin Hydrochloride
स्ट्रेप्टोमाइसीन हाइड्रोक्लोराइड

वैसे तो यह औषधि पैनिसीलीन की भाँति बहुत रोग में काम आती है। किन्तु इसका विशेष प्रयोग क्षय रोग में होता है। यह औषधि भी खुश्क पाउडर के रूप में आती है। प्रयोग से पहिले इसमें भी नार्मल सैलाइन का पानी अथवा पाइरोजिन रहित डिस्ट्रील्डवाटर डाल कर इसका घोल बनाया जाता है। इसका इंजेक्शन Intramuscular लगाया जाता है। इस औषधि के इंजेक्शन को दिन में दो या चार बार करके भी लगाते हैं। प्रत्येक दिन में १ ग्राम से अधिक औषधि न देनी चाहिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Chloromycetin क्लोरोमाईसेटीन

इस औषधी का आविष्कार अमेरिकन कम्पनी पी० डी० ने किया है। यह दवा बहुत मंहगी आती है। इस कारण इसका उपयोग सर्व साधारण की शक्ति से परे होता है। यदि यह दवा सस्ते मूल्य में मिलने लगती है तब इसका प्रयोग सर्व साधारण के लिये सुलभ हो जाता। यह औषधि मियादी बुखार (Typhoid) में विशेष उपयोगी प्रमाणित हुई है। इसके कारण ज्वर कुछ दिन में उत्तर जाता है। पुरुषों के सूजाक रोग में भी यह औषधि विशेष लाभदायक प्रमाणित हुई है। इसके अतिरिक्त कीटाणुजन्य मूत्ररोग, निमोनिया, टाइफ़स तथा रौकी माउण्टेन ज्वर आदि में भी लाभदायक सिद्ध हुई है। इसकी साधारण मात्रा '२५ ग्राम प्रति तीन, चार, छः आठ अथवा बारह घंटे के अन्तर से रोग की तीव्रता के अनुसार देना चाहिये।

Terramycin टैरामाईसीन

इस औषधी का आविष्कार Pfizer Company ने किया है। यह भी कैप्सूलस के रूप में आती है। इस औषधी की एक दिन की मात्रा आठ से १२ कैप्सूलस है। इसे छः घन्टे के अन्तर से देना चाहिये। वैसे तो यह औषधि निमोनिया, टौन्सिलाइटिस, सोरथ्रोट, सूजाक आदि में काम आती है। परन्तु जिन रोगों में पैनिसिलीन तथा स्टैप्टोमाईसीन असफल हो जाती है वहाँ पर यह लाभदायक होती है। पहली मात्रा में ही लाभ दिखाई देने लगता है। किन्तु यदि प्रथम मात्रा से कुछ प्रभाव प्रमाणित न हो तब २-२ कैप्स्यूलस की ३-४ मात्रा ६-६ घन्टे के अन्तर से देनी चाहिये। इसकी कम से कम मात्रा १

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ग्राम तथा अधिक से अधिक मात्रा ३ ग्राम है तथा दैनिक मात्रा १ से २ ग्राम याने ४ से ८ कैप्सूल है। एक कैप्सूल में २५० मिली ग्राम औषधि होती है।

Aureomycin औरिओमाईसीन

इस दवा का आविष्कार भी अमेरिकन कम्पनी 'लैडरली' ने किया है। इस दवा के भी कैप्सूलस आते हैं और क्लोरोमाई सेटीन की भांति बहुत ही मंहगी है। इसका उपयोग सर्व साधारण व्यक्ति नहीं कर सकता। यह औषधि खसरा, रिलेपसिंग फीवर, सोजाक, काली खांसी, निमोनिया, टाइफस, इन्फ्लुएंजा, टाइफाइड, स्कार्लेट ज्वर, टुलारीमिया, मूत्र यंत्र के कीटाणु जन्म रोग आदि में तथा ऐसे रोगों में जो न्यूमोकोकाई, स्ट्रेप्टोकोकाई और स्टैफिलोकोकाई से पैदा होते हैं लाभकारी है।

इसके २५० मि० ग्राम के आठ कैप्सूल आते हैं। जवान व्यक्तियों को २ कैप्सूलस ६-६ घन्टे के अन्तर से देना चाहिये। ज्वर उतर जाने पर १-२ दिन बाद तक कम मात्रा में प्रयोग करना चाहिये।

सम्पादक द्वारा लिखित

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

प्रसिद्ध व्यवहारिक नुसखे

इस प्रकरण में हम कुछ डाक्टरी नुसखों को पाठकों के लाभार्थ दे रहे है। आज एलौपैथिक डाक्टर जिसे Modern system of Medicine भी कहते हैं। एक प्रभाव शाली चिकित्सा है कुछ डाक्टर अपने औषधालय में पूर्व से हीं औषधिलयाँ तैयार करके रखते हैं और उसमें रोगी की अवस्था-नुसार दवा घटाते-बढाते हैं। हमने इस अध्याय में जो नुस्खे लिये हैं वह अपने तथा अनुभवी डाक्डरों एवं पुस्तकों के आधार पर दिये हैं। इसके साथ इतना लिखना आवश्यक है कि रोगी के लक्षण के साथ रोग का निदान होता है। डाक्टरी नियम में २+२-चार नहीं होते कहीं २+१-चार होते है कहीं कुछ। अतः पुस्तक की दवाओं का प्रयोग खूब सोच समझ कर करना चाहिए।

सम्पादक

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

डाक्टरी नुसखे

Abortion एबौरशन (गर्भपात)

(१)

टिकचर एकोनाइटी	१	ड्राम
टिंकचर बैलाडोना	१	ड्राम
गुलाब जल	२	औंस

मिलाले। कमर या पेडू पर दो ड्राम मलें।

(२)

एक्सट्रैक्ट वाइबरनम प्रूनिफ	३	औंस
टिंकचर ओपिआई	३	ड्राम
एक्वासैंथ	एड ४	औंस

चार-चार या छै-छै घंटे बाद एक छोटा चम्मच भरके पिलावें।

Acidity एसिडीटी (अम्ल)

(१)

हाइड्रारजिर कम क्रीटी	८	ग्रेन
बिस्मथ सबनाइट्रेट	१५	ग्रेन
पल्व मिरिस्टिसी	३	ग्रेन

सब को मिला कर पांच पुडिया बनावे। एक पुड़िया रात को एक पुड़िया प्रातः काल बच्चों के लिये।

(२)

मैगनीशियम कार्ब पौण्ड	१०	ग्रेन
पैपेन	२	ग्रेन
पल्व ओपिआई	१/२	ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलाकर एक पुड़िया बनावे। एक पुड़िया दिन में तीन बार भोजन के बाद दें।

(३)

सीरिआई औक्जैलेट	१५ ग्रेन
बिसमथ सब कारबोनेट	३० ग्रेन
कैल्साइण्ड मैगनीशिआ	१ औंस

मिलाले। खाने के एक या दो घण्टे बाद एक छोटा चम्मच भर कर दें।

Acne एकनी (मुहासे)

ऐसिड बोरिक	२० ग्रेन
आयल यूकैलिप्टाई	५ मिनिट
लैनोलिनाई	२ ड्राम
बिस्मिथ सबनाइट्रेट	१ ड्राम
अंग जिन्क	१ ड्राम

सब को मिलाकर लगावें।

(२)

लैनोलिन	१० भाग
पानी	२० भाग
गुलाब जल	५ भाग
इकथोल	५ भाग

सब को मिलाले। एल्कोहोलसे मुहांसो को धोकर लगावें।

Albuminuria एलब्यूमिन्यूरिया

टिंकचर फैराई परल्कोराइड	३ ड्राम
लायकर एमोनाई ऐसीटाट	३ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एसिड एसेटिक	१५ मिनिम
ओइल गुलथीरीई	५ मिनिम
सिरप औरनशिआई	१ औंस

सब मिलालें। दिन में तीन बार एक ड्राम से लेकर दो ड्राम तक गर्भवती स्त्री के लिये दें।

(२)

एसिड गैलिक	१ ड्राम
एसिड सलफ्यूरिक डिल	½ ड्राक
टिंकचर ल्यूपूलाई	१ ड्राम
इन्फ्यूजन ल्यूपूलाई	६ औंस

मिलाले। एक चम्मच दिन में तीन बार एलबूमेन (Albumen) के निकलने को रोकता है। विशेषकर नये रोग में जब कि मूत्र की रंगत धुंधली होती है।

Alopoecia एलोपिशिया (गंजापन)

टिंकचर कैन्थेराईडिस	½ औंस
ओलियम रिसीनी	४ औंस

दोनों को मिलाले। बालों की जड़ों में रात को और प्रातः काल अच्छी प्रकार मलें।

(२)

कैन्थेराइडिन	१ ग्रेन
ईथर एसेटिक	६ ड्राम
स्पिरिट रैक्टीफाइड	३ औंस
ओलियम रिसीन	१ औंस
ओलियम लैवेण्डुली	१५ मिनिम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। बालों की जड़ों में मलें। मलने से पहले मिक्सचर के बराबर रैक्टीफाइड स्पिरिट मिलालें।

(३)

एसिड सैलीसिलाइसी	३ ड्राम
एसिड कारबोलिक	१ ड्राम
ओलिआई रिसीनी	२ ड्राम
एलकोहोल	६ औंस

मिलालें। दिन में एक या दो बार खोपड़ी पर अच्छी तरह मिलालें।

Amenorrhoea एमिनोरिआ
मासिक धर्म का न होना

एसिड आरसीनी ओसाई	१ ग्रेन
फैराई सल्फ	½ ड्राम
पल्व पिपरन्जिग	१ ड्राम
पिल एलोज एट मर	२ ड्राम
ओलियम सैबिन	½ ड्राम

मिलालें। साठ गोली बनालें। भोजन के बाद एक गोली खिलावें।

(२)

हाईड्रारजिर क्लोराइड	१ ग्रेन
सोडिआई अरसिनीसाई	१ ग्रेन
स्ट्रिकनीन सल्फ	१ ग्रेन
पुटास कार्ब	३० ग्रेन
फैरी सल्फ	३० ग्रेन

मिलाकर ६० गोली बनावें भोजन के पहले १ गोली खावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(३)

लायकर बिस्मथ साइट्रेट	४ ड्राम
सोडाबाइ कार्ब	२ ड्राम
स्पिरिट एमोन एरोमेटिक	३ ड्राम
टिंकचर नक्सवोमिका	२ ड्राम
इन्फ्यूजन कोलम्बी	एड८ औंस

भोजन से एक घण्टे पहिले दिन में दो बार दो बड़े चम्मच भरके पिलावे। पाचन शक्ति बढ़ाने के लिये।

Anaemia (ऐनीमिया) रक्त हीनता

(१)

वाइनम फैराई	७॥ औंस
टिंकचर न्यूसिसवौम	४ औंस
लिकर अरसिनीकेलिस	२ ड्राम

मिलालें। भोजन के वाद एक ग्लास पानी में एक बड़ा चम्मच भर के डाल कर पिलावें।

(२)

टिंकचर फैराई परक्लोर	२ ड्राम
एसिड एसेटिक डिल	३ ड्राम
लिकर एमोन एसेट	२॥ औंस
एलिकजर एरोमेटिक	२॥ औंस
ग्लिसरीन	१॥ औंस
पानी (एक्वा)	एड १२॥ औंस

एक या दो छोटा चम्मच भरके दिन में तीन बार।

Angina Pectoris एनजिना पैक्टोरिस दिल धड़कना

(१)

टिंकचर डिजीटेलिस	१ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंकचर बैलाडोना	१ ड्राम
टिंकचर वैलीरियन	१ ड्राम
स्पिरिट ईथर कम्पाउण्ड	१ ड्राम

मिलालें। दौरा होने पर दस से बीस बूँद तक पिलावें।

(२)

लिकर नाइट्रो ग्लिसरीनाई	१० मिनम
स्पिरिट क्लोरोफौर्म	१ ड्राम
टिंकचर कैपसींसी	१ ड्राम
एक्वा मैन्थ	एड १ औंस

दौरा होते ही एक छोटा चम्मच भर के पिलावें। चार चार घण्टा बाद यही मात्रा पिलावें।

(Fissure of Anus फिशर ऑफ एनस)
गुदा में घाव

(१)

एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	२ ग्रेन
प्लम्बाई एसेट	२ ग्रेन
एसिड टैनिक	४ ग्रेन
ऑइल थिओब्रोम	यथावश्यक

मिलाकर सलाई (सपौजिटरी) बनावें, सोते समय गुदा में रख दें।

(२)

कोकेन हाइड्रोक्लोर	१ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	१ ग्रेन
इकथिओल	१॥ ग्रेन

मिलालें। यदि ऑपरेशन करने में असुविधा हो तो इसे लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Apoplexy एपोप्लेक्सी)

(१)

स्ट्रिकनीन सल्फ १ ग्रेन
सैकेरीन लौकरिस यथावस्यक
एलकोहॉलिस यथावश्यक

मिलाकर तीस गोली बनावें। एक गोली दिन में तीन बार खिलावें। धीरे-धीरे बढ़ाकर रोजाना ४-५ बार तक खिलावें।

(२)

एमोनियम क्लोर ३ ड्राम
पोटासियम नाइट्रेट २ ड्राम
स्पिरिट वाइनी ६ औंस
पानी १ पाइण्ट।

मिलालें। मलमल के पतले टुकड़ों में लगाकर सिर पर लगावें।

Apoplexy एपोप्लेक्सी

(१)

स्ट्रिकनीन सल्फ १ ग्रेन
सैकेरीन लैकटिस यथावश्यक
एल को होलिस यथावश्यक

मिलाकर ३० गोली बनावें। एक गोली दिन में तीन बार खिलावें। धीरे २ बढ़ाकर रोजाना ४-५ बार तक खिलावें।

(२)

एमोनियम क्लोर ३ ड्राम
पोटासियम नाइट्रेट २ ड्राम
स्पिरिट वाइनी ६ औंस
पानी १ पाइण्ट

मिलालें। मलमल के पतले टुकड़ों में लगाकार सिर पर लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Asthma एज़मा, (दमा)

(१)

पुटासा आयोडाइड	१ ड्राम
एक्सट्रैक्ट वैलाडोना लिक्विड	१ ड्राम
एक्सट्रैक्ट लोबेल लिक्विड	२ ड्राम
एक्सट्रैक्ट ग्रिण्डल लिक्विड	४ ड्राम
ग्लिसरीन	१॥ औंस
पानी	१॥ औंस

सबको मिलालें। दो या चार घण्टे बाद एक चम्मच।

(२)

टिंकचर डिजीटेलिस	२ ड्राम
पुटास आयोडाइड	३ ड्राम
क्लोरोडाइन	२ ड्राम
टिंकच लोबेल	५ ड्राम
सिरप सिली	१ औंस
एलिकजर सिरप	४ औंस

सबको मिलाकर तीन-तीन घण्टे बाद एक छोटा चम्मच भर कर पिलावें।

(३)

सोडा आयोडाइड	२ ग्रेन
सोडा ब्रोमाइड	२ ग्रेन
टिंकचर लोबेली ईथर	३ मिनिम
एक्सट्रैक्ट यूफोरबाई लिक्विड	३ मिनिम
नाइट्रो ग्लिसरीन	$\frac{१}{१००}$ ग्रेन
पानी	१ औंस

मिलालें। एक खुराक के वास्ते। यदि आवश्यक हो तो घण्टे भर बाद फिर पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

हृदय के रोग के कारण दमे की बीमारी में

क्लोरल	४ ड्राम
एमोन क्लोराइड	२½ ड्राम
मौरफी म्यूर	३ ग्रेन
एण्टीमोन एट पुटास टार्ट	२½ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट ग्रिनडैल रौब लिक्वेड	१½ औंस
सिरप ग्लिसराइजा	एड ४ औंस

सबको मिलालें। तीन तीन या छै-छै घण्टे बाद एक छोटा चम्मच भरकर पिलावें।

(२)

पल्व स्टैमोनाई सेम	२ ड्राम
स्टैमोनाई फोल	२ ड्राम
कैनेबिस इण्डिका	२ ड्राम
पुटास नाइट्रेट	२ औंस
ओइल यूकैलिप्टाई	½ ड्राम

मिलालें। एक थाली में सफेद कागज पर एक छोटा चम्मच भरकर रखदें और लेटने के कमरे में जलावें।

(Bed Sores बैड सोर्स) पड़े रहने से जब घाव हो जावें।

एल्यूमिनिस। (फिटकरी)	१ औंस
एलकोहोल	८ औंस
पानी	१६ औंस

मिलालें। पानी से स्नान करने के बाद स्पंज के द्वारा दिन में दो या तीन बार लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

अंगुऐटम जिंकाई	१ औंस
ओलियम रिसिनी	यथावश्यक

जिससे कि पतली लेही सी बनजावे । जहां खाल छिल गई हो वहां घाव को अच्छी तरह साफ़ करके व एण्टीसैपटिक सैल्यूशन से धोकर उस पर आयोडो फार्म लगावें । ऊपर से मलहम की लेही लगावें ।

(Beri-Beri बेरी-बेरी) एक प्रकार का ज्वर ।

(१)

टिंकचर फैराई	१० मिनिम
पौटास एसिटेट	१० ग्रेन
टिंकचर सिली	१० मिनिम
टिंकचर डिजीटेलिस	१० मिनिम
पानी	१ औंस

मिलालें । एक खुराक के लिये । दिन में तीन बार पिलावें ।

(२)

टिंकचर डिजीटेलिस	१० मिनिम
स्पिरिट ईथर कम्पांउड	२० मिनिम
टिंकचर बैलाडोना	१० मिनिम
एमोन कारबोनेट	१० ग्रेन
पानी	१ औंस

मिलालें । चार-चार घण्टे बाद एक औंस पिलावें । यदी सूजन शुरू में ही मालूम हो जावे तो यह दवा बहुत फायदा करती है ।

(Billiousness बिलिअसनैस) पित्त विकार

एसिड नाइट्रो हाइड्रोक्लोर डिल	४ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सकसाई ट्रैक्सेसाई	२ औंस
टिंकचर नक्सवोमिका	५ ड्राम
एक्सटैक्ट सिनकोनी लिक्विड	३½ ड्राम
इन्फ्यूज़न चिरायता	१२ औंस

मिलालें। एक गिलास पानी में एक बड़ा चम्मच भरकर भोजन से पहले पीवें।

(Boils बौइल्स) फोड़े।

इकथियोल	१ ड्राम
ईथेरिस	१ ड्राम
एलकोहोल	२ ड्राम

मिलाकर दिन में तीन बार लगावें।

(२)

आयोडोफौर्म	४ ग्रेन
मैन्थोल	२ ग्रेन
वैसलीन	१ ड्राम

मिलालें। कपड़े पर लगाकर कान के फोड़े में लगावे। दिन में दो बार।

(Bright's Disease) ब्राइटस डिजीज़।

(१)

लिकर एमोन ऐसेट	३ ड्राम
स्पिरिट ईथेरिस नाईट्रोसाई	२० मिनिम
सिरप टोलू टैनी	२७ मिनिम
टिंकचर टोलू टैनी	३ मिनिम
पानी	१ औंस

मिलालें। २४ घण्टे के अन्दर पिला दें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

सोल नाइट्रो ग्लिसरीन	१ मिनिम
टिंकचर स्ट्रोफैन्थाई	५ मिनिम
सिरप सिली	½ ड्राम
सिरप टोलू	½ ड्राम
पानी	१ औंस

मिलालें। एक खुराक तीन या चार घंटे बाद पिलावें।

(Bronchitis ब्रौनकाइटिस) खांसी।

(१)

सिरप एपोमौर्फी	१ ड्राम
पुटास ब्रोमाइड	१० ग्रेन
एक्वा कैम्फोर	१ औंस

मिलालें। एक खुराक के वास्ते। चार चार घंटे के बाद पिलावें।

(२)

औक्साइमल सिली	३० मिनिम
एसिड हाइड्रोसाइनिक डिल	२ मिनिम
मौर्फी एसीटाट	½ ग्रेन
सिरप	१ ड्राम

एक खुराक के वास्ते। चार-चार घंटे बाद पिलावें। खाँसी सूखी के लिये।

(३)

एमोन म्यूरिएट	१ ड्राम
लिकर एमोन ऐसेटे	२½ ड्राम
टिंकचर कैम्फर कम्पाउण्ड	३ ड्राम
टिंकचर हायोसाइमी	३ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सिरप प्रूनी वर्जिआई	२ औंस

एक छोटा चम्मच भरके तीन बार पिलावें ।

(४)

सिरप टोलू टैनाई	३ ड्राम
सिरप प्रूनी वर्जिआई	३ ड्राम
टिंकचर हायोसायामाई	३ ड्राम
स्पिरिट ईथर कम्पाउण्ड	३ ड्राम
एक्वा डिस्टिलेटा	२ औंस

मिलालें। तीन-तीन घंटे बाद एक छोटा चम्मच भरके पिलावें ।

(५)

कोपेवी	२ ड्राम
टिंकचर क्लोरोफोर्म	२० मिनिम
म्यूसिस एकैशिआ	६ ड्राम
लिकर पुटास	१ ड्राम
एक्वा सिनैमोमाई	८ औंस

मिलालें। चार-चार घंटे बाद दो बड़े चम्मच भरके।

(Burns and Scalds बर्नस एण्ड स्कैलडस्)

(१)

क्लोरल हाइड्रेट	३ ड्राम
कैरन आइल	६ औंस

जब जलन बहुत ज्यादा हो तो मिलाकर लगावें ।

(२)

विस्मथ सबनाइट्रेट	२ ड्राम
एसिड बोरिसाई	१ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

थाईमौल ४५ ग्रेन
बोरिक ऐसिड १॥ ड्राम
औथौ फौर्म १॥ ड्राम
पैट्रोलेटम २ औंस

Cancer (कैन्सर) ज़हरबाद

वैसलीन १ औंस
क्लोरोफौर्म ३ ड्राम
मौरफिया ४ ग्रेन
मिलाकर मरहम बनालो । इसके लगाते शीघ्र लाभ होता है ।

(Carbuncle कारबन्कल)

(१)

रिसौरसिन २॥ ड्राम
लैनीलिनाई १ औंस
मिलालें । फोड़े में दो समानान्तर नश्तर लगाकर लगादें ।

(२)

सैलीसिलिक एसिड ½ ड्राम
बोरिक एसिड १॥ ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर १ क्वार्ट
सोल्यूशन बनाकर जालीदार कपड़े (गौज) की आठ तह करके फोड़े पर लगा दो ।

Catarrh (nasal) कटार जुक़ाम

(१)

पाइनोल २ ड्राम
कैम्फर ४ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

लिकर एमोन फोर्ट	१ ड्राम
स्पिरिट रैकटीफाइड	१ औंस

मिलालें। बोतल में रख कर सूँघे।

(२)

लिकर ऐट्रोपीन	१॥ मिनिम
क्वीनीन सल्फ	१॥ ग्रेन
लिकर अरसेनीकेलिस	१ मिनिम
एक्सट्रैक्ट जैनशियन	यथावश्यक

मिलाकर एक गोली बनावें। तीन बार, चार चार या छैः छैः घन्टे के अन्तर से एक गोली दें।

(३)

क्विनीन सल्फ	१ ग्रेन
कैम्फर	५ ग्रेन
पल्व डोवराई	२ ग्रेन

मिलाकर १ गोली बनावें। तीन घन्टे के अन्तर से एक गोली दें।

(४)

कोकेन	१ ड्राम
कैम्फर	२ ड्राम
बिस्मथ सबनाइट्रेट	१६ ड्राम

मिलालें। गरमी की ऋतु में सुँघनी की तरह व्यवहार में लावें।

Chapped hands चैप्ड हैण्डस (हाथ फटना)

(१)

इमाले किलीट	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

जिंक ऑक्साइड	१ ड्राम
लैनोलिन	४ ड्राम
वैसलीन	४ ड्राम
ग्लिसरीन प्लम्ब एसीटेट	यथावश्यक

मिलाकर लगावें।

Chilblains and Frost bite
(चिलब्लेन एण्ड फ्रैस्ट बाईट)
सरदी से उँगली सूजना।

(१)

एसिड कार्बोलिक	१ ड्राम
टिंकचर आयोडीन	२ ड्राम
टैनिक एसिड	२ ड्राम
सि म्पल सीरेट	४ऑसं

सरहम बनावें और सूजे हुये स्थान पर लगाये।

(२)

इकथियोल	१ ड्राम
रिसोरसिन	१ ड्राम
ऐसिड टैनिक	१ ड्राम
पानी	५ ड्राम

मिलकर दिन में एक या दो बार लगावें।

(३)

एक्सट्रैक्ट सिनकोनी	४५ ग्रेन
एक्सटैक्ट जैनशियन	४५ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट राही	४५ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

फैरम टार्ट	१५ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट नक्सवोमिका	१२ ग्रेन
ओलियम एनिसी	५ मिनिम
ग्लिसरीन	यथावश्यक

मिलाकर १०० गोली बनावें। भोजन से पहले दो गोली खावें।

(Chlorosis क्लरोसिस) रक्तहीनता

फैराई सल्फ	२४ ग्रेन
सोडा बाईकार्ब	२ ड्राम
सोडा सल्फ	६ ड्राम
टिंकचर जिंजीबेरिस	२ ड्राम
स्पिरिट क्लोरोफौरमाई	१ ड्राम
इन्फूजन क्वाशियाई	८ औंस

मिलालें १।६ भाग दिन में दो बार पहले ग्यारह बजे और फिर ६ बजे शाम।

(Cholera कौलरा) हैजा

(१)

टैनेलबिन	२ ड्राम
कैम्फर	१० ग्रेन
ऐरोमेटिक पाऊडर	२० ग्रेन
शुगर	२० ग्रेन

मिलाकर २४ पुड़िया बनाले। एक वर्ष के बच्चे को दो से चार घंटे के अन्तर से एक पुड़िया खिलावें।

(२)

क्रिओजोटाई	१२ मिनिम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंकचर कैम्फर	६ ड्राम
स्पिरिट ईथर क्लोर	४ ड्राम
सिरप रिहोडिस	२ ड्राम

मिलालें। आधे गिलास पानी में एक छोटा चम्मच डाल कर घंटे-घंटे बाद पिलावें।

(३)

टिंकचर ओपिआई	१ औंस
टिंकचर कैपसिकाई	१ औंस
स्पिरिट कैम्फर	१ औंस
क्लोरोफौरमाई	३ ड्राम
एलकोहोल	५ औंस

मिलाले। पानी में डाल कर बीस से चालीस बूँद तक पिलावें

(४)

एसिड सलफ्यूरिक एरोमेटिक	२४ मिनिम
ओइल कैरोफिलाई	८ मिनिम
टिंचर ओपिआई कैम्फर	१ ड्राम
स्पिरिट क्लोरोफौरमाई	४७ मिनिम
सिरप जिंजीबेरिस	३ औंस

मिलाले। एक बर्ष के बच्चे को दो घन्टे बाद एक चम्मच हिलावें।

(Chorea कोरिया) एच्छिक पेशियों का उन्माद रोग।

(१)

लिकर आरसेनीकेलिस	२ मिनिम
पुटाश बाई कार्ब	३ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पुटास आयोडाइड	२ ग्रेन
एक्वा कैम्फर	१।२ औंस

मिलाकर एक खुराक बनावें। पाँच साल के बच्चे को दिन में तीन बार दें।

(२)

टिंकचर बैलाडोना	१ ड्राम
सोल पुटाशियम आरसिनाइट	२ ड्राम
कौम्प० सिरप आफ हाइपो फोसफाइट	३ औंस

एक छोटा चम्मच भर के दिन में तीन बार।

(३)

फौराई साईट्रेट	२ ड्राम
सिरप सिम्पल	४ ड्राम
एक्वा औरेन्शा ईल्फोर	१½ औंस

रक्त हीनता की दशा में दिया जाता है। भोजन से पहिल या बाद में एक छोटा चम्मच पिलावें

(Chyluria काइलूरिआ)

(१)

एक्सट्रैक्ट अरगट लिक्डि	½ औंस
टिंकचर जैलसेमिन	३ ड्राम
टिंकचर नक्सवोमिका	३ ड्राम
स्ट्रिकनीन सल्फ	१ ग्रेन
ओलियम मैन्थापिप	२ मिनिम
एक्सट्रैट जैनशिअन लिक्विड	४ औंस

मिलावें। छोटा चम्मच भरकर दिन में तीन बार।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

एसिड गैलिस	२० ग्रेन
थाइमोल	५ ग्रेन

मिलालें। एक खुराक के लिये दिन में तीन बार।

(Colic, biliary कोलिक- बिलिअरी)

(१)

स्प्रिरिट ईथर	१।२ ड्राम
लिकर मौरफिआ	१५ मिनिम
एक्वा मैन्था	१ औंस

मिलालें। एक खुराक के लिये दौरा होने पर पिलावें। यदि आवश्यकता हो तो घण्टे घण्टे बाद पिलवें।

(२)

क्लोरोफ़ोरमाई	१॥ ड्राम
टिंकचर ओपिआई डिडोरेट	१ ड्राम
कैम्फर	१५ ग्रेन
ओलियम कैजूपुट	१ ड्राम
पानी	२ औंस

मिलालें। घण्टे या दो घण्टे के अन्तर से एक छोटा चम्मच भर कर पिलावें।

(३)

ओलियम रिसीनी	६ ड्राम
टिंकचर रिही	२ ड्राम
टिंकचर ओपिआई	३० मिनिम
एक्वा सिनेमोमाई	२ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। सब एक साथ पिलादें। यदि साथ में कब्ज की भी शिकायत हो।

(४)

मैगनीशियम कारबोनेट	५ ग्राम
टिंकचर एसाफिटीडा	७॥ सी. सी.
टिंकचर ओपियम	२ सी. सी.
शुगर	१० ग्राम
डिसटिल्ड वाटर	१०० सी. सी.

मिलाकर अच्छी तरह से हिलावें। एक वर्ष के बच्चे को एक छोटा चम्मच दें।

(Constipation कानस्टीपेशन) कब्ज

(१)

एलोइन	½ ग्रेन
फैरी सल्फ	½ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट बैलाडोना	½ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट नक्सवोमिक	½ ग्रेन
पल्व इपीकाक	½ ग्रेन
सैपोडिल	½ ग्रेन

मिलालें। एक गोली सोते समय।

(२)

सल्फर सबलाइम	२ ड्राम
पुटास एसिड टारटरेट	४ ड्राम
सिरप लिमोनिस	३ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सैकैर एल्ब — ३ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भरके दिन में दो या तीन बार।

(३)

मैनी — १ ड्राम
मैगनीशियम कारबोनेट — १ ड्राम
एक्सट्रैक्ट सैनी लिक्विड — ३ ड्राम
सिरप जिन्जीबेरिस — १ औंस
पानी — ३ औंस

मिलालें। दो वर्ष के बचे को एक या दो छोटा चम्मच भरके दिन में तीन बार पिलावें।

(४)

एलोइन — ३/४ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट कैसकैरा सैगरेडा — १/२ ग्रेन
स्ट्रिकनीन — १/६० ग्रेन
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना — १/३६ ग्रेन
ओलिओ रेजिन कैपसीसी — १/३६ ग्रेन

मिलाकर १ गोली बनाले। एक गोली रात को या एक प्रातः काल और एक रात को खिलावें।

Convulsions (कन्वल्शन)

टिंकचर मोशाई — ३० मिनिम
टिंकचर कैस्टर — ३० मिनिम
ईथर सल्फ्यूरिक — ३० मिनिम
टिंकचर कैम्फर को० — ८ मिनिम

मिलालें। छः बूँद एक छोटा चम्मच भरके शकर मिले हुए दूध या पानी में डालकर बच्चों को पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

एमोन ब्रोमाइड	४० ग्रेन
स्प्रीरिट ईथर नाइट्रोसाई	१ ड्राम
क्लोरल हाइड्रेट	६ ग्रेन
सिरप औरन्शाई फ्लोर	½ औंस
एक्वा क्लोरोफौर्म	३ औंस

मिलालें। हर दो घन्टे बाद एक छोटा चम्मच भरके एक साल के बच्चे को पिलावें।

(३)

ओइल टैरेबिन्थ	१ मिनिम
ओइल रिसीनी	३ मिनिम
ग्लिसरीन	५ मिनिम
म्यूसीलेज ट्रागाकान्थ	५ मिनिम
एक्वा मैन्था पिप	१ ड्राम

मिलालें। गोद के बच्चे को दिन में चार बार दें।

(४)

सतापा	३० ग्रेन
सुहागा	३० ग्रेन
सोंठ	२ ड्राम
काली मिर्च	१ ड्राम

१५ से २५ ग्रेन तक हिचकी, मृगी, पेट में विकार होने पर दिया जाता है।

(Corn कौर्न-Warts वार्ट) मस्सा व छोटे दाने

(१)

एसिड सैलीसिलिक	१ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक्स. कैनेबिज इंडिका — १० ड्राम
कौलोड फ्लैक्सिस — १ औंस

मिलालें। रोज कौर्न पर लगावें।

(Cough कफ़) खांसी

मौरफिया हाइड्रोक्लोर — १ ग्रेन
एसिड हाइड्रोक्लोर डिल — ५ मिनिम
एसिड हाइड्रोसायेनिक डिल — ३० मिनिम
सिरप सिल्ली — १ औंस
पानी — १ औंस

मिलालें। पानी में एक छोटा चम्मच भरके डाल कर दिन में तीन बार पिलावें।

(२)

एसीटोनाई — १ ड्राम
टिंकचर कैम्फर को० — १ औंस
वाइन एन्टोमोनिएलिस — १ औंस
वाइन वाइसिस — २ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भरके पिलावें।

(३)

वाइन एण्टीमौन — २ ड्राम
एमोन कार्ब — १८ ग्रेन
लिकर मौरफिमा — १ ड्राम
एक्वा लौरोसिरेसाई — ४ ड्राम
सिरिप सिम्प (सादा) — १॥ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भरके पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Croup क्रूप) काली खाँसी

(१)

पुटास ब्रोमाइड़	४० ग्रेन
क्लोरल हाइड्रेट	४० ग्रेन
सिरप एकेशिया	२ औंस

मिला लें। रोगी की अवस्था के अनुसार एक छोटा चम्मच भरके या कम पिलावें।

(२)

वाइनम एन्टीमोन	४ ड्राम
वाइनम इपीकाक	४ ड्राम
सिरप सिली	४ ड्राम
एक्वा डिस्टिलेटा	३ औंस

मिलालें। हर पन्द्रह मिनिट बाद एक छोटा चम्मच भरकर पिलावें। जब कै हो जावे तो दो या तीन घन्टे के अन्तर से पिलावैं। एक वर्ष के बच्चे के लिये।

(३)

वाइनम एएटीमोनिएलिस	२॥ मिनिम
वाइनम इपीकाक	३ मिनिम
लिकर एमोनियम साइट्रेट	१५ मिनिम

मिलालें। दो वर्ष के बच्चे के हर तीन घन्टे बाद। जब खांसी का दौरा कम हो जावे तो टिंकचर कैम्फर की कुछ बूँदें मिलाकर दे सकते हैं।

(४)

टिंकचर वैलाडोना	४ मिनिम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंकचर ओपिआई कैम्फर — १ मिनिम
पल्व एल्यूमिनिम — ६ ग्रेन
सिरप एकेशिआ — ½ औंस
पानी — १॥ औंस

मिलालें। छै महीने के बच्चे को हर दो या तीन घन्टे बाद एक छोटा चम्मच भरकर पिलावें।

(५)

पुटास क्लोरेट — १ ड्राम
एमोन क्लोराइड — ४० ग्रेन
सिरप — १ औंस
पानी — २ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भरके हर बीस या तीस मिनट बाद पिलावें। यदि अधिक कष्ट न हो तो हर दो घन्टे बाद पिलावें। यह दवा दिन रात तब तक पिलानी चाहिये जब तक कि खांसी कम न हो जावे। यदि यह ज्ञात हो कि कुछ लाभ नहीं होता तब दवा देना बन्द कर देना चाहिये।

(Cystitis सिसटाइटिस) मसाने की सूजन

(१)

एक्सट्रैक्ट अर्गट लिक्विड — ४ ड्राम
एक्सट्रैक्ट हयोसाइमी लिक्विड — २ ड्राम
पुटाश बाई कार्ब — ४ ड्राम
सिरप सिम्प (सादा) — २ औंस
पानी — ६ औंस

मिलालें। हर दो या चार घन्टे बाद बड़ा चम्मच भर के पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

पुटास साईट्राट	४ ड्राम
स्प्रिरिट क्लोरोफोर्म	२॥ ड्राम
टिंकचर डिजीटेलिस	८० मिनिम
इनफ्यूजन ब्यूक्	८ औंस

मिलालें। दिन में तीन या चार बार दो बड़े चम्मच भर कर पिलावें।

(३)

लिकर पुटास	२ डाम
म्यूसिल एकेशित्रा	१ औंस
टिंकचर हायोसाइमस	४ औंस

मिलालें। हर चार घन्टे बाद पानी में एक छोटा चम्मच भर कर पिलावें।

(Dandruff डेनड्रफ) सिर का रूखापन

(१)

रिसोरसिन	४ ड्राम
टैनोफोर्म	५ ड्राम
एलकोहौल	८ औंस
पानी	८ औंस
ओइल लैवेएडर	२ ड्राम

मिलालें। दिन में दो वार लगावें। यह बीमारी छूत की है, इसलिये जिस ब्रुश से एक आदमी यह दवा लगावे वह ब्रुश दूसरे आदमी को काम में न लाना चाहिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Deliriums Tremens डिलीरिश्रस ट्रीमेन्स) शराब पीने के बाद की बेहोशी ।

(१)

एएटीमोन टार्ट	४ ग्रेन
टिंकचर ओपिश्राई	२ डाम
एक्वा कैम्फर	८ औंस

मिलालें। हर दो घन्टे बाद एक छोटा चम्मच भर कर पिलावें,

(२)

मौरफिनी सल्फेटिस	२॥ ग्रेन
क्लोरल हाइड्रेटिस	½ औंस
पुटासी ब्रोमाइड	१ औंस
सिरप कौर्ट औरनशाई	१ औंस
पानी	४ औंस

दो छोटे चम्मच भरके प्रति दिन तीन घन्टे बाद।

(३)

पुटास ब्रोमाइड	१५ ग्रेन
सोडाई ब्रोमाइड	१५ ग्रेन
क्लोरल हाइड्रेट	१० ग्रेन
टिंकचर जिंजीबेरिस	१० मिनिम
टिंकचर कैपसीकाई	५ मिनिम
स्प्रिरिट एमोन ऐरोमेटिक	१ ड्राम
पानी	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। खुराक—एक बड़ा चम्मच (डैजर्ट स्पून फुल) भर के।

(Diabetes डाइबिटीज) मधुमेह

(१)

कोडीन	½ ग्रेन
यूरेनाई नाइट्रेट	२ ग्रेन
एलोन	२ ग्रेन

मिलालें। एक गोली दिन में तीनबार

(२)

बेन्जो सोलिस	४८ ग्रेन
सोडाई बैंजो एटिस	½ औंस
एसिड आरसिनोसाई	१ ग्रेन
सोडाई सैलीसिलेटिस	४८ ग्रेन

मिलाकर २४८ कैपसूल बनालें। एक कैपसूल भोजन के एक घण्टे बाद और रात को खिलावें।

(३)

स्ट्रिकनीन	१ ग्रेन
अरगोटीन	७४ ग्रेन
एलिकजर जिंक बैलेरिआन	३ औंस

मिलालें। भोजन के बाद एक छोटा चम्मच भरके।

(Diarrhoea डाइरिया) दस्त होना

टिंकचर कैटेचू	४ ड्राम
टिंकचर काइनो	४ ड्राम
टिंकचर ओपिआई	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

स्पिरिट कैम्फर	३ ड्राम
मिक्सचर क्रीट	६ औंस

मिलाकर मिक्सचर बनालें। हर चार घन्टे बाद दो छोटे छोटे चम्मच भरके पिलावें।

(२)

टिंकचर ओपिआई	१॥ ड्राम
टिंकचर सिनैमोनाई	३ ड्राम
टिंकचर काइनो	४ ड्राम
मिक्सचर क्रीट	८ औंस

मिलालें। हर घन्टे बाद एक बड़ा चम्मच भर के पिलावें। तीन खुराक देने के बाद जब तक दस्त बन्द न हों तब तक हर चार घन्टे बाद एक खुराक पिलावें।

(३)

टिंकचर कैम्फर को	२ औंस
एक्सट्रैक्ट हैमेमेलिस लिक्विड	१ औंस
एसिड कारबोलिक	१० बूँद
एक्सट्रैक्ट काइनो लिक्विड	१ ड्राम
टिंक्चर जैन्जीबेरिस	१ ड्राम
कैलसिस प्रैसीप	१ औंस
सिरप सिम्पसी (सादा)	८ औंस

मिलालें। व्यवहार करने से पहिले अच्छी प्रकार हिलालें। प्रति दिन तीन घन्टे बाद एक छोटा चम्मच भरकर पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Diphtheria (डिफथीरिया)

गले में एक प्रकार की झिल्ली पड़ जाना

(१)

पैपेन — २ ड्राम
हाइड्रोनैपथौल — ३ ग्रेन
एसिड हाइड्रोक्लोर डिल — १५ मिनिम
एक्वा डिस्टिलड — ४ औंस

मिलालें। स्प्रे करें यानी रोग के स्थान पर छिड़क दें।

(२)

हाइड्रो पर औक्साइड — ४ ड्राम
सोडियम बोरेट — ८ ग्रेन
ग्लिसरीन — ८ ग्रेन
गुलाबजल यथावश्यक — २ ड्राम

हर दो या तीन घन्टे बाद लगावें।

(३)

हाइड्रो पर औक्साइड — ४ ड्राम
सोडियम बोरेट — २ ड्राम
ग्लिसरीन — १ औंस
गुलबजल यथावश्यक — ४ औंस

हर दो या तीन घन्टे बाद नाक में चम्मच से डालें।

(Dysentery डिसैंटरी) पैचिस।

(१)

वाइन इपीकाक — १ ड्राम
टिंकचर ओपिआई — १ ड्राम
ओइल रिसीनी — २½ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पल्व एकेशिआ	यथावश्यक
सिरप सिम्पिल (सादा)	यथावश्यक
एक्वा सिनैमोनी	६ औंस

मिलालें। हर दो घन्टे बाद एक बड़ा चम्मच भर कर पिलावें।

(२)

एसिड कारवोलिक	१० मिनिम
सिरप रिही एरोमेटिक	१ औंस
ओलआई लिपोनिस	५ मिनिम
ओलआई सैसाफास	५ मिनिम

मिलालें। हर दो या तीन घन्टे बाद एक छोटा चम्मच भर के पिलावें।

(१)

क्लोरल हाइड्रेट	२० से ३० ग्रेन
लिक ओपिआई सेड	२० मिनिम
पानी	१ ड्राम
सिरप ऑरनशाई	२ ड्राम

(२)

पल्व इपीकाक	२० से ३० ग्रेन तक
एक्वा क्लोरोफार्म	१ औंस
म्यूसीलेज ट्रागाकान्थ	यथावश्यक

पहले नं० १ की खुराक पिलावें। इसका असर १० या १५ मिनिट में होता है। जब रोगी को झपकी आने लगे तो नं० २ की दवा को अच्छी प्रकार हिलाकर पिलावें। इससे रोगी को नींद आ जायेगी। जगने पर उसे कोई कष्ट न होगा।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(४)

ओइल रिसीनी	½ ड्राम
पल्व एकेशिया	यथावश्यक
टिंकचर ओपिआई	१० मिनिम
एक्वा मैन्थापिप	१½ औंस

मिलालें। पुरानी पेचिश में एक से दो ड्राम तक दिन में तीन या चार बार पिलावें।

(५)

ओइल टैरेबिन्थनी	१ ड्राम
ओइल एमिगडैल	½ औंस
टिंकचर ओपिआई	२ ड्राम
म्यूसीलेज एकेशिया	५ ड्राम
एक्वा औरोन सिसाई	½ औंस

मिलालें। हर तीन या छः घन्टे बाद एक छोटा चम्मच भर के पिलावें। पुरानी पेचिसमें लाभकारी है।

(६)

टिंकचर ओपिआई डिओड	३ ड्राम
बिस्मथ सब नाईट्रेट	६ ड्राम
सैलोलाई	१ ड्राम
पानी	८ औंस

मिलालें। अच्छी प्रकार हिलायें। हर चार घंटे बाद एक बड़ा चम्मच भर कर पिलावें। दस्त, दरद व खून जाना बन्द हो जाते हैं।

(७)

पल्व बेल फ्रक्ट	१ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पल्व मैगनीफर इंड फ्रक्ट	२ औंस
पल्व स्पोगोल सीड	४ ड्राम
पल्व एकेशिश्रा	४ ड्राम
पल्व जिन्जी बैरिस	२० ग्रेन

मिलाकर कुल तोल की आधी शक्कर डाले। हर चार घंटे बाद एक ड्राम दें।

(Dysmenorrhoea डिसमिनोरिश्रा)

मासिक धर्म में दर्द होना।

टिंकचर पाइसाइडी एरीथीन	६ ड्राम
टिंकचर वाइबरनी कनफोल	६ ड्राम
टिंकचर एसाफिटीडी	३ ड्राम
लिकर एमोन एसीटास	४ औंस
टिंकचर वैलेरिश्रन	६ ड्राम

मिलाकर मिक्सचर बनालें। एक ग्लास पानी में एक छोटा चम्मच भर के डालकर हर घन्टे बाद पिलावें, जब तक कि कष्ट दूर न हो।

(२)

टिंकचर वैलेरिश्रन	१½ औंस
टिंकचर पाइ साइडी	१½ औंस
टिंकचर पल्सैटिली	३ ड्राम
लिकर एमोन एसीटास	४ औंस

मिलाकर मिक्सचर बनालें। आधे ग्लास मीठे पानी में एक छोटा चम्मच भर के डाल कर घन्टे बाद पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(३)

एसाफिटीडा	१ ड्राम
वाइन ओपिआई	१५ मिनिम
एक्सट्रैक्ट वैलेरिअन	½ ड्राम
डिकॉक्ट एल्थी	३½ औंस
वाइटल ओवाई	५ ड्राम

मिलालें। यदि हिस्टीरिआ की बीमारी हो तो इसका ऐनीमा दें।

(४)

एक्सट्रैक्ट अरगट लिक्विड	७ ड्राम
टिंकचर गैलसेमिन	१ ड्राम
टिंकचर एकोनाइटी	१६ ड्राम

मिलालें। हर तीन घन्टे बाद एक छोटा चम्मच भर के पिलावें।

(Dyspepsia डिस्पैपसिआ) अजीर्ण।

(१)

पैपेन	६ ग्रेन
एसिड लैकटिक	२४ ग्रेन
टिंकचर वैनीली	१० मिनिम
सिरपी सिम्प (सादा)	१० ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर	५ औंस

मिलालें। बच्चों को दूध पिलाने के बाद एक छोटा चम्मच भर कर पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

पैंपेन	½ ग्रेन
लिकर एमोन एसिटास	२ औंस
क्रिओजोटाई	५ मिनिस
ग्लिसरीन	२ औंस

मिलालें । भोजन के दो या एक घन्टे बाद दो छोटे चम्मच भर के पिलावें । जब कब्ज हो और खट्टी डकार आती हो ।

(३)

रिसौरसिन	½ ड्राम
एसिड हाइड्रोक्लोर	½ ड्राम
सिरप औरेनशाई	५ ड्राम
एक्वा डिस्टिलड	६ औंस

मिलालें । हर दो घन्टे बाद एक बड़ा चम्मच भर कर पिलायें ।

(४)

ग्लिसरीन पैपसीन एसिड	१ औंस
टिंकचर नक्स वोमिका	½ ड्राम
एसिड नाइट्रो म्यूरिएटिक डिल	१ ड्राम
मिस्चूरा जैनशिअन को	८ औंस

मिलालें । भोजन के बाद आधे ग्लास पानी में एक बड़ा चम्मच भर के डालकर पिलावें ।

(५)

पैपसीन क्रिस्टल	१ ड्राम
एसिड हाइड्रोक्लोर डिल	½ ड्राम
ग्लिसरीन	१ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

वाइनाई जरीसाई ६ औंस

मिलालें। भोजन के बाद एक बड़ा चम्मच भर के पिलावें।

(Eczema एकज़ीमा) छाजन।

(१)

ऐसिड सैलीसिलिक १४ ग्रेन
स्पिरिट वाइनाई रैक्ट यथावश्यक
ग्लिसरीन यथावश्यक
पैट्रोलेटाई ७ ड्राम

मिलालें। मरहम की तरह व्यवहार करें।

(२)

नैफथौल १० ग्रेन
कैम्फर १० ग्रेन
रिसौरसिन १० ग्रेन
सल्फ़र १ ड्राम
वैसलीन १ औंस

मिलालें। लगाने से लाभ होता है।

(३)

हाइड्रारजिर एमोनक्लोराइड १० ग्रेम
लिकर कारबोनिस डिटर्ज १ ड्राम
अंगु लैनोलिनाई १ औंस

मिलाकर मरहम बनावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Emphysema of the Lung एमफाइसीमा औफ दी लंग) एजमा (दमा) भी देखो ।

एसिड आरसिनओसाई	१ ग्रेन
स्ट्रिकनीन सल्फ	१ ग्रेन
फ़ैरी रिडक्ट	२४ ग्रेन
एक्स ट्रैक्ट क्वाशिया	२४ ग्रेन

मिलाकर २४ गोली बनालें । भोजन के बाद एक गोली दिन में दो बार दें ।

(Endocarditis एन्डो कारडाइटिस)

एक प्रकार का हृदय रोग ।

(१)

पोटास आयोडाइड	२४ ग्रेन
टिंकचर डिजीटेलिस	१ ड्राम
टिंकचर नक्सवोमिका	½ ड्राम
स्पिरिट एमोन एरोमेटिक	१ ड्राम
पानी	६ औंस

मिलालें । दो बड़े चम्मच भर कर दिन में तीन बार ।

(Endometritis एण्डोमेट्राइटिस)

(ल्यूकोरिया भी देखो) गर्भाशय सम्बन्धी रोग ।

(१)

लिकर एमोन एसिटेड	१½ औंस
एसिड ऐसेटिक डिल	४ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंकचर फैराई	२ ड्राम
सिरप	१½ औंस
पानी	६ औंस

मिलालें। भोजन के बाद एक बड़ा चम्मच भर कर दिन में तीन बार दें।

(२)

एकसट्रैक्ट अरगट लिक्विड	४ ड्राम
पोटास ब्रोमाइड	½ ड्राम
टिंकचर सिनकोनी को	½ औंस
स्प्रिट क्लोरोफौरमाई को	२ ड्राम
सिरप औरेन्शाई	१½ औंस
पानी	६ औंस

मिलालें। एक बड़ा चम्मच भरके दिनमें तीन बार पिलावें।

(Epilepsy एपीलेपसी) मृगी।

(१)

स्ट्रिकनीन	१ ग्रेन
एसिड एसेटिक	२० मिनिम
एलकोहल	२ ड्राम
एक्वा डिस्टिलड	६ ड्राम

मिलालें। पानी में दस बूंद डाल कर दिन में तीन बार पिलावें।

(२)

पोटास आयोडाइड	२ ड्राम
पोटास ब्रोमाइड	१ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एमोन ब्रोमाइड	३ ड्राम
पोटास बाइकार्ब	१ ड्राम
टिंकचर कोलम्बो	१ औंस
एक्वा डिस्टिल	६ औंस

मिलालें। भोजन से पहले एक छोटा चम्मच भर कर दिन में तीन बार और तीन छोटे चम्मच भरकर सोते समय पानी में डाल कर पिलावें।

(३)

पोटाशियम ब्रोमाइड	१० ग्रेन
सोडियम ब्रोमाइड	१० ग्रेन
एमोनियस ब्रोमाइड	५ ग्रेन
फाऊलर्ज सौलूशन	१ मिनिम
सोडियम बाईकार्ब	२ ग्रेन
पानी यथावश्यक	१ ड्राम

खुराकः—एक छोटा चम्मच भरके।

(४)

पोटाश ब्रोमाइड	१५ ग्रेन
एटापाइन सल्फ	१/६० ग्रेन
पानी	यथावश्यक

मिलालें। पानी में एक छोटा चम्मच भरके डाल कर पिलावें। भोजन के बाद।

(५)

रूबीडिआई एट एमोनाई ब्रोमाइड	२ ड्राम
सीरप एकेशिया	२ औंस
पानी	६ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। भोजन के बाद पानी में एक छोटा चम्मच भर के डाल कर पिलावें।

(Epistacsis सपिसटैकसिस)

नकसीर फूटना।

(१)

एसिड सलफ्यूरिक एरोमेटिक	२ ड्राम
एक्सट्रैक्ट हैमोमेलिस लिक्विड	२ औंस
एक्सट्रैक्ट अरगट लिक्विड	२ औंस

मिलालें। हर दो या तीन घंटे बाद पानी में दो छोटे चम्मच भर के डाल कर पिलावें। जब फेफड़े, आमाशय तथा गर्भाशय से रुधिर स्राव होता हो तब भी यह औषधि लाभदायक होती है।

(२)

ऐसिड बेनजोइक	½ ड्राम
ऐसिड टैनिक	½ ड्राम
ऐसिड कारबोलिक	½ ड्राम
कौलोडाई	१० ड्राम

मिलालें। नाक के अन्दर लगावें।

(Erysepelas इरिसिपिलास) विसर्ग।

(१)

मैस्टिची (रूमी मस्तंगी)	½ ड्राम
व्हाइटलैड (सफेदा कशगारी)	½ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ओलिव ओइल	१ ड्राम

मिलाकर लगावें।

(२)

ग्वायाकौल	½ ड्राम
मैन्थौल	१५ ग्रेन
लिनिमेण्ट कैम्फर	२ औंस

मिलालें। हर दो घंटे बाद लगावें।

(३)

टिंक्चर फैराई परक्लोर	½ ड्राम
ऐसिड ऐसिटिक डिल	½ ड्राम
लिकर एमोन एसेटेट	१ ड्राम
सीरप	½ औंस
पानी	३ औंस

मिलालें। एक मास बच्चे को हर तीन घण्टे बाद एक छोटा चम्मच भर के पिलावें।

(Fever) फीवर ज्वर

(१)

क्विनीन सल्फ	८० ग्रेन
ऐसिड सल्फ डिल	यथावश्यक
स्पिरिट ईथर नाइट्रोसाई	५ ड्राम
सीरप टोलू	२ औंस
पानी	२ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के रोजाना तीन या चार बार पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

लिकर एमोन एसिटेट	२ औंस
स्पिरिट ईथर नाईट्रोसाई	२ ड्राम
पोटासाई साइट्रेटिस	५ ड्राम
एक्वा कैम्फर	८ औंस

मिलालें। दिन में तीन या चार बार एक छोटा चम्मच भर के पिलावें साधारण ज्वर में।

(३)

ऐण्टी फैबरिन	१ ड्राम
स्पिरिटवाईनाई गैलीसाई	४ ड्राम
एलिकजिर सिम्पल	२ औंस

मिलालें। हर चार घंटे बाद एक छोटा चम्मच भर कर पिलावें। जुकाम के कारण ज्वर में।

(४)

पोटास क्लोरेट	३० ग्रेन
ऐसिड हाईड्रोक्लोर	४० मिनिम
क्विनीन सल्फ	२४ ग्रेन
सिरप औरेनशाई	१ औंस
पानी	१२ औंस

बारह औंस की बोतल में क्लोरेट और हाईड्रोक्लोरिक एसिड डाल दो। डाट से बोतल का मुँह अच्छी प्रकार बन्द कर दो। अधे घंटे तक मुँह बन्द रहने दो। इसके बाद थोड़ा जल डाल दोऔर बोतल में फिर डाट लगा दो जब पानी में क्लोरीन गैस अच्छी तरह मिल जावे तो फिर धीरे धीरे और पानी डाल दो और क्विनीन तथा सिरप भी डाल दो।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(५)

टिंक्चर डिजीटेलिस	½ ड्राम
लिकर एमोन एसिटेट	१½ औंस
स्पिरिट ईथर नाईट्रोआई	२ ड्राम
सिरप टोलू	४ ड्राम
एक्वा कैरूई	३ औंस

मिलालें। छै: या आठ वर्ष के बच्चों को हर दो घंटे बाद एक छोटा चम्मच भर के पिलावें। लाल बुखार में।

(६)

स्पिरिट क्लोरोफौर्म	२० मिनिम
टिंक्चर ओपीआई	२० मिनिम
व्हिस्की	२ औंस

एक खुराक जाड़ा दूर करने के लिये।

(७)

एसिड सल्फूरिक डिल	१० मिनिम
क्विनीन सल्फ	२ ग्रेन
फैरी एट एमोन साइट्रेट	४ ग्रेन
लिकर आरसेनीकेलिस	४ मिनिम
पानी	१ औंस

मिलालें। भोजन के बाद दिन में दो बार पिलावें। पुराने मैलेरिया बुखार में जब कि तिल्ली भी बढ़ गई हो।

(८)

पल्व डिजीटेलिस	१ ग्रेन
क्विनीन सल्फ	१ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ओपिआई	¼ ग्रेन
पल्व इपीकाक	¼ ग्रेन

मिलाकर एक गोली बनावे। थाइसिस के बुखार में एक गोली दिन में तीन बार खिलावें।

(६)

टिंकचर विरैट्राई विर्ड	१६ मिनिम
वाइन एण्टीमोन	१ ड्राम
टिंकचर ओपिआई डिओड	२० मिनिम
लिकर एमोन एसिटेड	४ औंस

मिलाले। हर दो घंटे बाद पानी में दो छोटे चम्मच भर के डाल कर पिलावें। न्यूमोनिओं और प्लूरिसी के बुखार की प्रारम्भिक दशा में यह दवा पिलावें।

(Fistula in Ano फिस्टुला इन एनो)

गुदा में नासूर।

(१)

जिंकाई सल्फेटिस	१५ ग्रेन
कूपराई सल्फेटिस	१५ ग्रेन
लिक्विड प्लम्बाई सब एसिट	½ ड्राम
एसिड एसेटिक डिटरजेन्स	३½ ड्रम

मिलाकर इंजेक्शन दें।

(२)

आयोडो फौरमाई	२ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	१ ग्रेन
कूराइरी कोकेचा	यथावश्यक

मिलालें। एक बत्ती बनालें। गुदा में लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Flatulence (फ्लैटूलैन्स) मंदाग्नि

Acidity और Dyspepsia भी देखो

ओइल कैजूपुटाई	½ ड्राम
स्पिरिट लैवेण्डुली को	४ ड्राम
सिरप जिंजी बैरिस	२ ड्राम
म्यूसीलेज एकेशिया	२ औंस

मिलालें। आवश्यकतानुसार एक बड़ा चम्मच (डैजर्टस्पून) दें।

(Freckles फ्रैकिल्स)

धूप से हाथ और मुंह पर पड़ने वाले दाग।

(१)

पुटाश कारबोनेट	३ ड्राम
सोडाई क्लोरे	२ ड्राम
एक्वा औरेन्शाई फ्लोर	२ औंस
गुलाब जल	८ औंस

मिलालें। प्रातःकाल तथा रात में व्यवहार करें।

(२)

मरकरी बाईक्लोराइड	६ ग्रेन
डाइल्यूट एसेटिक एसिड	२ ड्राम
सोडियम बोरेट	४० ग्रेन
गुलाब जल	४ औंस

प्रातःकाल तथा रात को लगावें। पहले धीरे-धीरे बाद को अच्छी तरह।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Gallstone गैल्स्टोन) पित्त की पथरी ।

(१)

स्पिरिट ईथर कैम्प	१ ड्राम
ओलिआई ओलिवी	८ औंस

एक खुराक के लिये । दवा देने के बाद रोगी को दाहिनी करबट एक घंटे के लिये लिटावें । कमर को तीन या चार इंच ऊंची रक्खें । इसके बाद बांई करबट लिटावें कमर को दस या १२ इंच ऊंची रक्खें । रीढ की हड्डी बिल्कुल सीधी रहनी चाहिये । डेढ़ घंटे तक इसी प्रकार लिटायें रक्खें । तीन या चार घंटे तक ।

(२)

मौरफिआई सल्फ	६ ग्रेन
एट्रोपीन सल्प	$\frac{1}{6}$ ग्रेन
एक्वा डिस्टिल	२ ड्राम

मिलालें । दस मिनिम का इंजैक्शन दें ।

(३)

क्लोरोफोरमाई	४ ड्राम
ओलियम एमिगडैली	१ ड्राम
सिरप एकेशिआ	१$\frac{1}{2}$ ड्राम

मिलालें । हर पाव या आध घंटे बाद एक बड़ा चम्मच दें ।

(Gastralgia गैस्ट्रैलजिआ)

आमाशय का दर्द ।

सोडाई आरसेनीटेटिस	$\frac{1}{2}$ ग्रेन
एक्सटैक्ट कैनेबिस इण्डिका	३ ग्रेन

मिलालें । बीस गोली बनावें । एक गोली दिन में तीन बार ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Gastric ulcer गैस ट्रिक अलसर

आमाशय का फोड़ा

(१)

बिस्मथाई का कारबोनेटिस	२ ड्राम
एसिड हाइड्रोसानिक डिल	½ ड्राम
म्यूसीलेज रिसेपिटस	६ ड्राम
लिकर मौर्फ हाइड्रोक्लोर	१ ड्राम
एक्वा क्लोसे फौरमाई	२ औंस

मिलालें। हर तीन घंटे बाद भोजन के पीछे एक छोटा चम्मच पिलावें।

(२)

फैराई लैकटेटिस	४५ ग्रेन
एसिडाई टारटरइसाई	२ ड्राम
सोडाई बाइ कारबोनेटिस	२ ड्राम

मिलालें। एक चौड़े मुंह की बोतल में अच्छी तरह डाट लगा कर रखें। एक छोटे ग्लास पानी में एक छोटा चम्मच भर के डालकर दिन में दो या तीन बार पिलावें।

(३)

एसिड हाइड्रोसाइनिक डिल	१ ड्राम
लिकर मौरफी	२½ ड्राम
लिकर बिस्मथाई	१½ औंस
वाइन पेपसिन	४ औंस

मिलालें। भोजन के बाद एक बड़ा चम्मच भर के पिलावें।

Vaidyaraj Zinda Bhatji
National Ayurvedic Library
Punjabi Bagh, New Delhi-26
Call No............
Book No. 001292

(Goiter गोइटर)

थाइराइड गांठ का बढ़ जाना

आयोडोफोर्म	१ भाग

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ईथर ५ भाग
ओलिव ओइल ६ भाग

मिलालें। इन्जैक्शन दें। पहले १५ मिनिम दें, फिर मात्रा आवश्यकतानुसार बढ़ा दें। हर पांच या आठ दिन बाद एक इन्जैक्शन दें। पांच से दस इन्जैक्शन एक रोग दूर करने को काफी है।

(२)

जिंक सल्फेट २ ड्राम
सैलीसिलिक एसिड २ ड्राम
आयोडोफौर्म २ ड्राम
बोरिक एसिड ३ ड्राम
ओलिइक एसिड ८ औंस

मिलकर कई घण्टे तक उबलने दो। इसके बाद ऊपर से पनीला पदार्थ निकाल दो और ठंडा करके बोतल में भर लो। बढ़ी हुई गिल्टी पर धीरे-धीरे रगड़ो। दिन में रोज दो बार लगाओ। जब गिल्टी कम हो जावे तो दिन में केवल एक बार लगाओ। जब तक गिल्टी बिल्कुल कम न हो जावे दवा लगाते रहो।

(Gonorrhoea गोनोरिआ) सुजाक।

(१)

इसमें मूत्रेन्द्रिय से जलन के साथ पेशाब तथा पीव आता है।

आयोडोफोरमाई ५ ग्रेन
ओइल यूकैलिपटाई १० मिनिम
ओइल थियोब्रोम ३५ ग्रेन

चार इंच लम्बी सलाई बनाओ। मसाने को खाली करके सलाई को यूकैलिपटस और कैस्टर ओईल या कारबोलिक ओइल

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

के मिक्सचर में डुबोकर मूत्रनली में एक इंच तक डालना चाहिये। मवाद निकलने पर रुई या लिण्ट पर ले लेना चाहिये।

(२)

एरोल	२ ड्राम
वाइनाई ओपिआई	२ ड्राम
ग्लिसरीन	१ औंस
डिस्टिल्ड वाटर	२ औंस

मिलालें। मूत्र विसर्जन के पश्चत् दिन में तीन बार दवा को अच्छी प्रकार हिलाकर इंजैक्शन दें। रोग की प्रारम्भिक दशा में।

(३)

एक्सटैक्ट एड्रीनल	२ ड्राम
क्रोसोल	५ मिनिम
एक्वा एट ग्लिसरीन	१ औंस

मिलालें। हर तीन चार घण्टे बाद एक ड्राम दवा का इंजैक्शन दें।

(४)

मिथीलीन ब्लू	२ ग्रेन
ओइल सैनटैल	३ मिनिम
ओइल कोपाइबा	३ ग्रेन
ओइल सिनैमम	१ मिनिम

मिलाकर एक कैपसूल बनावें। एक कैपसूल दिन में तीन बार। नया रोग चार या पांच दिन दूर में हो जाता है।

(५)

मोरफिआ सलफेटिस	४ ग्रेन
जिंकाई सल्फोकारबोल	४० ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

हाइड्रोजन परऑक्साइड	४½ ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर	४ औंस

मिलाकर इंजैक्शन दें। एक पिचकारी दिन में तीन वार मूत्र विर्सजन के बाद दें।

(६)

पुटासाई ब्रोमाइड	१ ड्राम
एसिड बोरिक	४८ ग्रेन
टिंकचर एकोनाइट	४ मिनिम
टिंकचर वैलाडोना	१२ मिनिम
स्पिरिट ईथरिस नाइट्रोसाई	३ ड्राम
मिस्ट पुटास साइट्रेट	६ औंस

मिलालें। पाँच वर्ष के बच्चे को हर दो घण्टे बाद पानी में बड़ा चम्मच (डैजर्ट स्पून फुल) को भर कर पिलावें।

(७)

अंगु आयोडीन	२ ड्राम
एक्सटैक्ट वैलाडोना	२० ग्रेन
एडिपिस	२ ड्राम

मिलालें। रोजाना दो बार लगावें।

(८)

जिंक क्लोराइड	½ ग्रेन
जिंक आयोडाइड	१ ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर	१ औंस

(Gout गाउट) गठिया

(१)

वाइनाई कोलचिसाई	½ औंस
पुटास आयोडाइड	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

लिकर पुटासी	२ औंस
टिंकचर ज़िनजीबेरिस	१½ औंस

मिलालें। गरम पानी में एक छोटी चम्मच भरके पिलवें।

(२)

ओइल गुलथेरी	२ ड्राम
ओइल ओलिव	२ ड्राम
लिन सैपोनिस	२ ड्राम
टिंकचर एकोनाइटी	२ ड्राम

मिलालें। अच्छी तरह लगावें और ऊपर से रुई से ढ़क दें।

(३)

टिंकचर कौलचिसाई	२ ड्राम
टिंकचर एकोनाइटी	½ ड्राम
टिंककर ग्वाइसाई	२ ड्राम
टिंकचर क्विनिन	२ ड्राम

मिलालें। पानी में तीस बूंद डाल कर दिन में तीन बार पिलावें।

(४)

एट्रोपीन सल्फ	३ ग्रेन
मौरफीन हाइड्रोक्लोर	१५ ग्रेन
एसिड औलीक	१ औंस

मिलालें ऊँटके बाल के बने हुए ब्रुश से दर्द वाले जोड़ो पर लगावें और ऊपर रुई (कौटन बूल) से ढ़क दें।

(Hoemoptysis हीमौपटिसिस)

फेफड़े से रक्त आना।

(१)

टिंकचर डिजीटेलिस	१½ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ओइल टैरेबिन्थ	३ ड्राम
ओइल मैन्थपिप	२० मिनिम
एसिड सल्फ्यूरिक एरोम	३ ड्राम
स्पिरिट वाइनाई रैक्टी फाइड	१६ ड्राम

मिलालें। शकर में चालीस से लेकर साठ बूँद तक अच्छी प्रकार मिला दो। ऊपर से एक बड़ा चम्मच भर के या अधिक पानी डाल दे। हर दो, तीन या चार घण्टे बाद दें।

(२)

गैलिक एसिड	२ ड्राम
एरोम सल्फ्यूरिक एसिड	१ ड्राम
मौरफीन सल्फ	१ ग्रेन
कम्प टिंकचर कारडैमम	१ औंस
गुलाब जल	२ औंस

हर एक या दो घंटे बाद पानी में एक छोटा चम्मच पिलावें।

(३)

एम्बालिक माहरोबै लान पिपर	१ भाग
शुगर	२ भाग
आइरन प्रिपेअर्ड	४ भाग

सब को मिलाकर बारीक चूर्ण बनालें। मात्रा छै: से बारह ग्रेन तक।

(Hoemorrhage हेमरेज) रक्त स्राव

(१)

फ्लूइड एक्सट्रैक्ट अरगोटी	१ औंस
फ्लूइड एक्सट्रैक्ट हाइड्रैसटिस	१ औंस
फ्लूइड एक्ट्रैक्ट हैमेमैलिस	१ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के हर तीन या चार घण्टे बाद पिलावें। गर्भाशय के रक्त-स्राव में।

खूनी बवासीर

(१)

क्लोरीटिनाई	२४ ग्रेन
लैनो लिन	३ ½ ड्राम
ओलिव ओइल	३ ड्राम
एक्ट्रैक्ट हैमेमैलिस लिक्वड	१ औंस

मिलाकर लगावें।

(२)

एसिड आरसीनिओसाई	२ ग्रेन
मौरफीन सल्फ	२ ग्रेन
हाइड्राजिर क्लोराईड माइटिस	१६ ग्रेन
पल्व एकेशिआ	६६ ग्रेन

मिलालें। लगाने के लिये।

(३)

स्टोवेन	१ ग्रेन
औरथोफोर्म	१ ½ ग्रेन
एड्रनेलिन सौलुशन (१०० में १)	४ बूँद
एक्स्ट्रैक्ट बैलाडोना	¼ ग्रेन
कोका बटर	४५ ग्रेन

सलाई बनालें। लगाने के लिए।

(४)

क्राइसैरोबिन	८ ग्रेन
आयोडोफौर्म	३ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	६ ग्रेन
वैसलीन	१५० ग्रेन

मिलाकर मरहम बनावें। मस्सों पर लगावें।

(५)

क्राइसैरोबिन	१¼ ग्रेन
आयडोफौर्म	१ २/० ग्र
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	१/३ ग्रेन
ओइल थिओब्रोम	३० ग्रेन

मिलाकर सलाई बनावें। रोज लगावें। यदि रक्त स्रा अधिक हो तो टैनिन भी ऊपर की दवा में मिलालें। इस दवा के लगाने से तीन चार महीने में मस्से सूख जाते हैं।

एलमसल फेट
कैम्फर
ओपिआई
अँगुएएटम सिम्पल
मिलालें। खूनी बवासीर में बाहर लगावें।

(Hay Fever हे फीवर)

(१)

हीरोइन	१ ग्रेन
एट्रोपीन सल्फेट	१/२८ ग्रेन
कैफीन साइट्रेट	१५ ग्रेन
सैलोफिन	७५ ग्रेन

मिलालें। १५ कैपसूल बनावें। एक कैपसूल दिन में चार बार दें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

कोकेन हाइड्रोक्लोरेट
कारबोलिक एसिड
मेन्थोल
ओइल आफ स्वीट आमण्ड (मीठे बादम का तेल)
जिन्क ओइण्टमेन्ट

मिलालें। रुई के फाए में लगाकर नथनों में लगावें।

(Headache हैडेक) शिर दर्द

माइग्रेन भी देखो।

(१)

एक्सट्रैक्ट कैनेबिस इण्डिका	६ ग्रेन
पिल आसाफिटीडा को	४८ ग्रेन
क्विनीन	२४ ग्रेन
एसिड कारबोलिक	६ ग्रेन
ओइल कैजूपुट	१२ मिनिम

मिलाकर २४ गोली बनावें। एक गोली रात को और एक प्रातःकाल खिलावें।

(२)

एण्टीपाइरीन	४ ग्रेन
कैफीन साइट्रेट	$\frac{1}{2}$ ग्रेन
कोकेन	$\frac{1}{6}$ ग्रेन
ओपिआई	$\frac{1}{6}$ ग्रेन

मिलाकर एक गोली बनावें। हर दो या तीन घण्टे बाद

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक गोली खिलावें ।

(३)

कैम्फर	२० ग्रेन
औइल आफ पिपरमेण्ट	१ ड्राम
वौलेटाइल औइल आफ मस्टर्ड	१२ मिनिम
ईथर	२ ड्राम
एलकोहौल	६ ड्राम

लगाने के लिये ।

(Heart disease हार्ट डिसीज)

दिल की बीमारी

टिंकचर डिजीटेलिस	२ ड्राम
टिंकचर बैलाडोना	१ ड्राम
टिंकचर कारडेमम कौम्प	२ औंस
एलिकजिर सिम्पलसिस	१ औंस

मिलालें । एक छोटा चम्मच भर के पानी में डालकर भोजन के बाद पिलावें ।

(२)

स्पिरिट ईथर	१ औंस
टिंकचर बैलाडोना	२ ड्राम
स्पिरिट एमोन एरोम	१ औंस
टिंकचर जिन्जीबैरिस	६ ड्राम

मिलालें । एक छोटा चम्मच भर के पानी में डाल कर पिलावें ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(३)

सोडाई आयोडाइड	१ ड्राम
स्पारटीन सल्फ	१५ ग्रेन
पल्व ग्लिसराइजी	यथावश्यक

मिलालें। साठ गोली बनावें। दो गोली दिन में दो या तीन बार दें।

(४)

जिंक वैलेरिअन	१/६ ग्रेन
स्पारटीन सल्फ	१/६ ग्रेन
डिजीटेबिन	१/१०० ग्रेन
कैकटिना	१/१०० ग्रेन
स्ट्रिकनीन सल्फ	१/१०० ग्रेन
ग्लोनोइन	१/२०० ग्रेन
स्ट्रोफैनथीन	१/१००० ग्रेन

मिलाकर एक गोली बनावें। एक गोली हर १५ या ३० मिनिट बाद खिलावें। जब लाभ होने लगे तो एक से चार घण्टे तक के अन्तर से दिन में उसे ६ गोली तक खिलावें।

(Herpes हरपीज)

आतशक के से लक्षण वाला कठिन रोग।

स्किन डिजीज भी देखो।

(१)

कैलेमाइन ग्रेप	१ ड्राम
लिकर प्लम्बाई फोर्ट	१/२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

अँगु जिंक — १½ औंस

मिलाकर मरहम बनावें। कपड़े के टुकड़े पर मरहम लगा कर रोग स्थान पर लगावें। ऊपर से मुलायम ऊनी कपड़े के टुकड़े से ढक दें।

(२)

कोकेन हाइड्रोक्लोरेट — १२ ग्रेन
मैन्थोल — १ ग्रेन
लैनोलिन — ४ ड्राम

मिलाकर मरहम बनावें।

(३)

रिसोरसिन — ३० ग्रेन
कोकेन — १० ग्रेन
टैनिक एसिड — १½ ड्राम
एलकोहौल — ३ औंस

मिलालें। रोग की प्रारम्भिक दशा में लगावें।

(Hysteria हिसटीरिया)

जिंक वैलेरिअन — १ ग्रेन
क्विनीन वैलेरिअन — १ ग्रेन
फैराई वैलेरीअन — १ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट एलोज एक्वा — ½ ग्रेन

मिलाकर एक गोली बनावें। भोजन के बाद एक गोली दिन में तीन बार।

(२)

एसिड आरसीनिओसाई — ⅙ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

फैरी सल्फ एकसिक	
एक्सट्रैक्ट सुम्बल	२० ग्रेन
आसाफिटीडा	२० ग्रेन
	४० ग्रेन

मिलाकर २० गोली बनावें। भोजन के बाद एक गोली खिलावें।

(३)

स्पिरिट ईथर को	
टिंकचर वैलरिअन	१ ड्राम
टिंकचर कैस्टोराई	५ ड्राम
एक्वा फीनी क्यूलाई	१० ड्राम
	१२½ ड्राम

मिलालें। एक बड़ा चम्मच भर के हर तीन या चार घण्टे बाद पिलावें।

(५)

सोडाई ब्रोमाइड	
पुटास ब्रोमाइड	२½ ड्राम
एमोनियम ब्रोमाइड	२½ ड्राम
पानी	२½ ड्राम
	८ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के रात को और प्रातःकाल पिलावें।

(Impotence इम्पोटेंन्स) नपुंसकता।

एकसट्रैक्ट डैमिआना लिक्विड	२½ औंस
टिंकचर नक्स वीमिका	६ ड्राम
सैनमेटो	४ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। एक बड़ा चम्मच भर के भोजन के बाद दिन में तीन बार।

(२)

क्विनीन	४० ग्रेन
फैरी सल्फ	४० ग्रेन
जिंक फौसफाइड	२ ग्रेन
एसिड आरसीनि ओसाई	१½ ग्रेन
स्ट्रिकनिआ	⅔ ग्रेन

मिलालें। चालीस गोली बनावें। एक या दो गोली खिलावें।

(३)

स्ट्रिकनीन सलफेटिस	१ ग्रेन
फौस्फोराई	½ ग्रेन
एट्रोपीन सलफेटिस	½ ग्रेन
रैजिनी कैनेविस इण्डिका	२ ग्रेन

मिलाकर १०० गोली बनावें। एक या दो गोली दिन में तीन से छः बार तक खिलावें। जब दवा का असर होने लगे तो कम दी जावे।

(४)

फैरी एट क्विनीन साइट्रेट	२ ड्राम
टिंकचर कैन्थेराइडिस	३० मिनिम
टिंकचर वैरबेरिस एक्वीफोल	१६ औंस

मिलालें। भोजन के १५ मिनिट बाद दो बड़े चम्मच भर के दें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Incontinence of Urine
इन्कोनटिनेन्स ग्राफ यूरीन]

पेशाब निकल जाना।

स्ट्रिकनीन	१ ग्रेन
पल्व कैन्थराइडिस	२ ग्रेन
मौरफिआ सल्फ	१½ ग्रेन
पल्व फैरी	२० ग्रेन

मिलाकर चालीस गोली बनावें। दस वर्ष के बच्चे को दिन में तीन बार गोली खिलावें।

(२)

टिंकचर फैरीक्लोराइड	२ ड्राम
फलूइड एक्सट्रैक्ट अरगट	५ ड्राम
स्पिरिट क्लोरोफौर्म	२ ड्राम
टिंकचर क्वाशिआ	४ औंस

एक ग्लास पानी में एक छोटा चम्मच भर के डालकर दिन में तीन बार पिलावें। बच्चों के वास्ते।

(३)

लिकर स्ट्रिकनिआ	१० मिनिम
टिंकचर बैलाडोना	२० मिनिम
इनफ्यूजन कैसकैरिल	२ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें। तीन वर्ष के बच्चे के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Influenza इनफ्लूएँजा)

(१)

सोडाई बेन्जोएट	१ ड्राम
एमोन एसीटेट	२ ड्राम
स्पिरिट ईथर कौम्प	३० मिनिम
सिरप ओरेन्शाई फ्लोर	१ औंस
कोडीन	४ ग्रेन
पानी	५ औंस

मिलालें। रोजाना तीन या चार बड़े चम्मच भर के पिलावें। यदि सूखी खाँसी आती हो तो इस दवा के पिलाने से खखार निकलने लगती है।

(२)

फिनैसीटिन	१ ड्राम
पल्व डोवराई	१२ ग्रेन
क्विनीन सल्फ	२४ ग्रेन

मिलालें। १२ पुड़ियां बनावें। हर तीन या चार घण्टे बाद एक पुड़िया खिलावें।

(Insomnia इनसोम्नियां)

नीद न आना

एक्सट्रैक्ट ह्यूमूलाई	१ औंस
एलिकजिर एमोन वैलेरिअन	½ औंस
ग्लिसरीन	½ औंस
सिरप लैक्टूकैशई	½ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। एक बड़ा चम्मच भर के (डैजर्ट स्पून फुल) सोते समय पिलावें। गर्भाशय की खराबी से जब नींद न आती हो तब यह दवा देनी चाहिये।

(२)

एण्टीमोन एट पुटास टारटरेट	१ ग्रेन
मौरफी सल्फ	१½ ग्रेन
एक्वा लौरोसिरेसाई	१ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के हर दो, तीन, चार घण्टे बाद पिलावें। ज्वर के कारण जब नींद न आती हो तब यह दवा पिलावें।

(३)

क्लोरैमिड	२० ग्रेन
लिकर एमोन एसिट	४ ड्राम
सिरप एकेशिआ	६ ड्राम
पानी	२ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भरके हर चार घण्टे बाद पिलावें। तीन वर्ष के बच्चे के लिये।

पुटास आयोडाइड	२ ग्राम
मौरफीन हाइड्रोक्लोराइड	१/२० ग्राम
सिरप औरेनशाई	१५० सी० सी०

मिलालें। रात को एक या दो बड़ा चम्मच भर के (डैजर्ट स्पून फुल) पिलावें। वृद्ध रोगियों को ब्रोमाइड नहीं देनी चाहिये।

(५)

डायोनीन	२ ग्रेन
सोडाई ब्रोमइड	४ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

डिस्टिल्ड वाटर	३ औंस

मिलालें। सोते समय एक बड़ा चम्मच भर के पिलावें।

(६)

एक्सट्रैक्ट कैनेबिस इंडिका लिक्विड	६ मिनिम
कोडीन	½ ग्रेन
सिरप सिम्पल	½ औंस

मिलालें। वृद्ध रोगियों के लिये।

इस दवा के साथ टिंकचर आफ एकोनाइट या टिंकचर आफ विरेड्रम विरिडी की तीन मिनिम की मात्रा दिन में तीन बार देने से कैनेबिस का असर बढ़ जाता है।

(Jaundice जौनडिस) पीलिया।

(१)

यूनीमिन	१ ग्रेन
आइरीडिन	१ ग्रेन
पोडोफाइलिन	¼ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट टैरेक्सकाई	३ ग्रेन

मिलाकर १ गोली बनावें। एक गोली तीन बार दिन में खिलावें।

(२)

एलोज सोकोड्रिन	१५ ग्रेन
गैम्बोगी	१५ ग्रेन
हाइड्रारजिर क्लोर माइटिस	१५ ग्रेन
सिरप	यथावश्यक

मिलालें। दस गोली बनावें। सप्ताह में एक या दो गोली खिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एमोनियम आयोडाइड	१ ड्राम
लिकर पुटास आरसे नाइटिस	½ ड्राम
टिंकचर कोलम्बी	½ ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर	१½ औंस

मिलालें। भोजन के पहले एक छोटा चम्मच भर के दिन तीन बार पिलावें।

(Laryngitis लेरिंजाइटिस)

गले के भीतर की सूजन।

कोकेन हाइड्रोक्लोर	१० ग्रेन
ग्लिसरीन एसिड कारबोबिक	२½ ड्राम
एक्वा रोजी (गुलाब)	१० औंस

मिलालें। जब तक तकलीफ़ रहे कुल्ली करें।

(२)

लिक्विड वैसलीन	३ औंस
आइल टैराबिन्थ	१ ड्राम
यूकैलिपटोल	१½ ड्राम

मिलालें। गले स्प्रे (Spray) द्वारा छिड़क दें।

(३)

मेन्थोल	२५ ग्रेन
ओइल ओलिव	१ औंस

मिलालें। लगाने के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Leprosy लिप्रोसी) कोढ़ ।

(स्किन डिजीज Skin Diseases) भी देखो ।

चालमूगराओइल	३ भाग
गाइनो कारडिक एसिड	१·२० भाग
सल्फेट आफ स्ट्रिकनिआ	·०१ भाग
कैलसाइण्ड मैगनीशिअम	·२० भाग
गम एरोबिक	६·० भाग

२४ गोली बनावें । भोजन के साथ चार से छै गोली तक खिलावें । धीरे-धीरे बढ़ाते हुए रोजाना २४ गोली तक खिलावें ।

(Leuchorshoea ल्यूकोरिआ) प्रदर

एक्सट्रैक्ट बैलाडोना फोल एल्क	२४ ग्रेन
एसिड टैनिक	१½ ड्राम
ओइल थिओब्रोम	यथावश्यक

मिलालें । २४ सलाई बनावें । रोजाना तीन या चार सलाई लगावें ।

(२)

ग्लिसरीन एसिड कारबोलिक	१ ड्राम
ग्लिसरीन एसिड टैनिक	४ ड्राम

मिलालें । रुई के फाये को दवा से अच्छी तरह भिगोकर लगावें ।

(३)

आयोडोफोर्म	१ ड्राम
एसिड टैनिक	३ औंस

मिलालें । गर्माशय के मुँह पर सूखा लगावें ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Liver Disease लिवर डिजीज)

यकृत विकार ।

टिंकचर डिजीटेलिस	१० मिनिम
पल्व एक्सट्रैक्ट स्किल्स	४ मिनिम
पुटासियम एसीटेट	२० ग्रेक
पुटासियम आयोडाइड	५ ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर	१ औंस

दिन में चार बार पिलावें।

(२)

हाइड्रारजिर वाइ क्लोराइड	१ ग्रेन
एमोन म्यूरिएट	२ ड्राम
सिरप औरेन्शाई	१ औंस
पानी	३ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के पानी में डाल कर दिन में तीन बार पिलावें।

(३)

सोडाई सल्फ	६ ड्राम
सोडाई बाइ कार्व	६ ड्राम
सोडाई फैसफेट	४ ड्राम
सोडाई बेनजोएट	३ ड्राम

मिलालें। आधे गरम पानी में एक ड्राम डालकर रोजाना पिलावें।

(४)

एसिड नाइट्रोहाइड डिल	½ औंस
एक्सट्रैक्ट टैरैक्सैकाई लिक्विड	२ औंस
टिंकचर नक्सवांमिका	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक्सट्रैक्ट सिनकोना लिक्वड	३½ औंस
इन्फ्यूजन चिरायता	१२ औंस

मिलालें । एक ग्लास पानी में एक छोटा चम्मच भर के डाल दिन में चार बार भोजन से पहिले पिलावें ।

(५)

कैलोमेल	२ ग्रेन
पल्व रिही	१ ग्रेन
पल्व इपीकाक	½ ग्रेन

मिलाकर एक गोली बनावें । सोते समय खिलावें ।

(६)

फल बोवाइन प्यूरिफाइड	१ ड्राम
एक्सट्रैक्ट नकस वोमिका	१ ग्रेन
एलोइन	१ ग्रेन
ओइल सिनेमम	१ मिनिम

मिलाकर २० कैपसूल बनावें । दो कैपसूल भोजन करके कुछ देर बाद खिलावें ।

(Locomotor Ataia
लोकोमोटर एटैकसिया)

(१)

स्ट्रिकनीन सल्फे	$\frac{1}{6}$ ग्रेन
सिरप हाइपो फौस्फाइट	½ औंस

एक छोटा चम्मच भर के पानी में डाल कर दिन में तीन बार पिलावें ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

कैफीन सैलीसिलेट १ ग्रेन
सैलोल ५ ग्रेन
फिनोसिटन १० ग्रेन

एक पुड़िया बनावें। हर दो घण्टे बाद दें जब तक कि दर्द बन्द न हो।

(३)

हाइड्रारजिर परक्लोराइड ३ ग्रेन
सोडाई क्लोराइड ३ ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर ३०० मिनिम

मिलालें। रोगी की जाँघ में तीस बूँद इन्जैक्शन द्वारा दें।

(Lumbago लेम्बेगो) कमर का दर्द।

(१)

एट्रोपीन सल्फेट १ ग्रेन
मौरफीन सल्फेट १६ ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर १ औंस

मिलालें। पीठ में ५ मिनिम का इन्जैक्शन करें।

(२)

मैन्थोल २ ड्राम
क्लोरोफौर्म ४ ड्राम
ओइल ओलिव ६ ड्राम

मिलालें। दर्द होने वाले स्थान पर लगावें।

(३)

टिंकचर ओपिआई २ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

लिकर एमोन	१ ड्राम
टिंकचर कैन्थेराइडिस	३ ड्राम
लिन सैपोनिस	१० ड्राम

मिलालें। लगावें और अच्छी तरह रगड़ें।

(४)

एण्टी पाइरीन	३ ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर	१ ड्राम

मिलालें। पुट्ठों में इन्जैक्शन दें।

(Lupus लूपस) एक प्रकार का चर्म रोग।

(१)

एसिड सैलीसिलिक	२ ड्राम
क्रिओजोटाई	२ ड्राम
लैनोलिन	१ औंस

मिलाने। लगाने के लिए।

(२)

हाइड्रारजिर परक्लोराइड	१ औंस
क्रिओजोटाई	३ औंस
स्पिरिट वाइनी रैक्टीफाइडएड	३ औंस

मिलाकर सौल्यूशन बनाले। एक नोंकदार चाकू से गांठ में छेद करके फुरैरी द्वारा दावा लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Malaria मैलेरिया, जूड़ी, बुखार)

(Mania मेनिआ, पागलपन)

(१)

क्लोरल हाइड्रेट	५ ड्राम
पुटास ब्रोमाइड	५ ड्राम
सिरप औरेनशाई	१ औंस
एक्वा सिनैमोमाई एड	४ औंस

हर घन्टे एक छोटा चम्मच भरके जब तक नींद न आवे, पिलावै। चार खुराक से अधिक न पिलावें।

(२)

मौरफीन सलफेट	३ ग्रेन
होयोसीन हाइड्रोब्रोम	$\frac{1}{8}$ ग्रेन
सैकेराई लैकटिस	२० ग्रेन
एलकोहोल	यथावश्यक

पीस कर पिलावें। १२ गोली बनावें। एक गोली खिलावें अथवा हाइपोडरमिक इनजैक्शन दें।

(३)

एक्सट्रेक्ट सिमीसीफ्यूज लिक्विड	१॥ औंस
म्यूसीलेज एकेशिआ	१ औंस
पानी	३॥ औंस

मिलालें। एक बड़ा चम्मच भर के हर तीन घंटे बाद पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Megrin मैग्रिन) शिरदर्द ।

(१)

टिंकचर एकोनाइट	२ ड्राम
टिंकचर ओपिआई डिओड	५ ड्राम

मिलालें। पानी में सात बूँद डाल कर हर दो घंटे बाद पिलावें।

(२)

पुटास ब्रोमाइड	½ औंस
सिरप सिम्पल	½ औंस
पानी	१ औंस

मिलालें। बड़ा चम्मच भर के (डैजर्ट स्पून फुल) पानी में मिलाकर हर घण्टे बाद पिलावें।

(Menorrhagia मिनोरिया)

मासिक धर्म की अधिकता।

एसिड गैलिक
एसिड सलफ डिल
टिंकचर ओपिआई डिओड
इन्फ रोजी को

मिलालें। हर चार घण्टे बाद एक बड़ा चम्मच भर के पिलावें।

(२)

एक्सट्रैक्ट हाइड्रैसटिस कैन	२ औंस
एकसट्रैक्ट हैमेमेलिस विर्ग	४ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक्सट्रैक्ट अरगट लिक्विड	४ ड्राम
टिंकचर ओपिआई	१ ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर	१ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के हर छै घण्टे बाद दर्द होने से पहले, दर्द होते समय और बाद में कई दिन तक पिलावें।

(३)

एक्सट्रैक्ट गासीपाई लिक्विड	१ औंस
सिरप सिम्पल	१ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के हर चार घंटे बाद पिलावें।

(Migraine माइग्रेन) शिर दर्द।

हैडेक और न्यूरेलजिआ भी देखो।

(१)

फिनेजोनाई	१½ ड्राम
पुटास ब्रोमाइड	४ ड्राम
स्पिरिट क्लोरोफोर्म	२ ड्राम
एक्वा कैम्फर	८ औंस

मिलालें। जब शिर दर्द प्रारम्भ हो तो एक बड़ा चम्मच भर के पिलावें। फिर प्रातःकाल और सांयकाल एक डैजर्ट स्पून फुल पिलावें।

(२)

पुटास ब्रोमाइड	१० ग्रेन
फिनैसिटिन	५ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। एक पुड़िया बनावें। दर्द आरम्भ होने पर खिलावें।

(३)

कैफीन साइट्रेट	१½ ग्रेन
फिनेसिटिन	२ ग्रेन
सैकेर लैक्टेट	४ ग्रेन

मिलाकर एक पुड़िया बनावें। यदि आवश्यकता हो तो दो घंटे बाद फिर खिलावें।

(Miscarricge मिसकैरेज) गर्भपात। देखो (Abortion एबोरशन) (Mumps मम्पस) कर्ण भूल।

(१)

टिंक्चर एकोनाइटी	१६ मिनिम
लिक़र एमोन एसीटेट	१ औंस
सिरप क्रोसाई	४ औंस
एक्वा कैम्फर	२ औंस

मिलालें हर दो घण्टे बाद एक छोटा चम्मच भर के पिलावें।

(२)

इकथियोल	४५ ग्रेन
प्लम्बाई आयोडाइड	४५ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एमोनियम क्लोराइड — ३० ग्रेन
वैसलीन — १ औंस

मिलालें। सूजी हुई गिल्टी में दिन में तीन बार लगावें।

(३)

ग्वायाकोलिस — १५ ग्रेन
एडीपिस लेनी — २½ ड्राम
पेट्रोलेटाई — २½ ड्राम

मिलाकर मरहम बनावें। रात को और सवेरे लगावें। रुई (एबसोरबेण्ट कैटन) और गटापार्चा से ढक कर बांध दें।

(Neuralgie न्यरैलजिया) स्नायु का दर्द।

(१)

एमोनियम क्लोराइड — २० ग्रेन
बूटाइल क्लोरल हाइड्रेट — ५ ग्रेन
गिलसरीन — १० मिनिम
एक्वा क्लोरोफौर्म — १ औंस

मिलालें। एक खुराक के लिये। हर दो घंटे बाद पिलावें। कुल तीन खुराक दें।

(२)

कोकेन — २० ग्रेन
ओइल कैरियोफिल — २ ड्राम

मिलालें। लगाने के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(३)

एण्टीपाइरीन	२ ड्राम
एक्सट्रैक्ट कोकी लिक्वड	२ औंस
कोडीन	६ ग्रेन
ग्लिसरीन एड	४ औंस

मिलालें। एक ग्लास पानी में एक छोटा चम्मच भर के डालकर भोजन के बाद दिन में चार बार पिलावें।

(४)

टिंकचर हायोसाइमी	२ ड्राम
एमोनियम ब्रोमाइड	१ ड्राम
सोडाई सैलीसिलेट	१ ड्राम
पानी	४ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के हर आध घण्टे बाद पिलावें। जब दर्द बन्द हो जावे या चार खुराक देदी जावे तब दवा देनी बन्द कर दें।

(५)

टिंकचर एकोनाइटी	१ ड्राम
टिंकचर ओपिआई	४ ड्राम
क्लोरोफोर्म	४ ड्राम
लिन सैपो निस	६ औंस

मिलाकर लगावें।

(६)

मौराफिआ हाइड्रोक्लोर	३ ग्रेन
कोकेन	६ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंकचर बैलाडोना	२ ड्राम
एक्वा एमिगडैल एमर	१ औंस

मिलालें। हर घण्टे बाद दस से पन्द्रह बूंद तक पेट के दर्द में।

(७)

बूटाइल क्लोरल	३ से ५ ग्रेन तक
टिंकचर जैलसिमाई	५ से १० मिनम तक
ग्लिसरीन	३० मिनिम
एक्वा एनीथी	½ औंस

एक खुराक के लिये।

(८)

क्लोरल हाइड्रेट	४ ड्राम
पल्व कैम्फर	४ ड्राम

मिलालें। ऊंट के बाल के ब्रुश से लगावें।

(६)

मेन्थौल	१ औंस
एलकोहोल	१ औंस
औइल सिनैमस	३० मिनिम

मिलालें दर्द होने वाले स्थान पर बालों के ब्रुश से लगावें।

(१०)

बूटाइल क्लोरल हाइड्रेट	१ ड्राम
ग्लिसरीन	१ औंस
सिरप औरेन्शाई	१ औंस

मिलालें। दौरा होने पर एक छोटा चम्मच भर के पानी में डालकर हर घण्टे बाद पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(११)

क्लोरल हाइड्रेट	१ ड्राम
कैम्फर	१ ड्राम
मौर्फ सल्फ	२ ग्रेन
क्लोरोफौर्म	४० मिनिम

मिलाकर लगाने के लिये।

(Night Terrors नाइट) रात को डर जाना।

(१)

एमोनिअम ब्रोमाइड	१ ड्राम
पल्व रिही	४५ ग्रेन
सोडाई बाई कार्ब	१½ ड्राम
सिरप जिंजीबेरिस	६ ड्राम
एक्वा मेन्थपिप	४ औंस

मिलालें। एक बड़ा चम्मच भर के (डैर्जट स्पूनफुल) दिन में तीन बार पिलावें। सात वर्ष के बच्चे के लिये।

(Nipple Sore निपिल सोर)
स्तन-मुख पर घाव होना।

(१)

फीनाइल सैलीसिलेट	१ ड्राम
ईथर	१ ड्राम
कोलोडिअन	१ औंस

मिलाकर मरहम बनावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

इक्थियोल	१ ड्राम
लैनोलिन	१½ औंस
ग्लिसरीन	१½ औंस
ओइल ओलिव	२½ औंस

मिलालें। लगाने के लिये।

(Ophthalmia ओफथैलमिया)

आंख दुखना।

(१)

जिंक सल्फेट	१ ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर	१ औंस

मिलालें। एक बूंद आँख में प्रातःकाल और रात को डालें।

(२)

हाइड्राराजिरा औक्साइड फ्लेवम	५ ग्रेन
जिंक सलफेट	१० ग्रेन
एडिपिस	१ औंस

मिलालें। पलक उलट कर लगावें।

(३)

एसिड सैलीसिलीक	५ ग्रेन
अंगुएण्टम हाइड्रारजिरी औक्साइड	१ ड्राम
अंगुएण्टम एक्वा रोजा	३ ड्राम

लगाने के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(४)

सोल एडरीनेलिन क्लोराइड	१ भाग
सोल हाइड्रारजिर पिरक्लोर (१:२०००)	१० भाग

दुखती आँखों में डालने के लिये।

(५)

हाइड्राराजिर औक्साइड फ्लेवम	३ ग्रेन
जिंक औक्सीइड	१½ ग्रेन
थाइमोल	१½ ग्रेन
कोकेन म्यूरिएट	१½ ग्रेन
कैम्फर	१ ग्रेन
वैसलीन	१ औंस

मिलाकर मरहम बनावें।

(५)

ग्लिसरीराई एसिडाई टैनिक	३ से ६ ड्राम
ग्लिसरीन	१ औंस

मिलालें। पलक उलट कर रोजाना एक बार लगादें।

Opium Habit ओपियम हैबिट।

अफीम खाने की आदत।

(१)

टिंकचर नक्सवोमिका	१२ मिनिम
एसिड फौसफैरिक डिल	२० मिनिम
सिरप प्रूनाई वर्ज	½ औंस

मिलालें। एक खुराक के लिये। दिन में दो बार पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

जब अफीम को दिया जाना बन्द कर दिया जावे तब इस दवा को देना चाहिये।

(Orchitis औरकाइटिस)

मीथइल सेलीसीलेटिस	१ ड्राम
ग्वाईकौल	१ ड्राम
वैसलीन	१ औंस

मिलालें। रोजाना एक या दो बार लगावें।

(२)

इकथिओल	१½ ड्राम
लैनोलिन	१ औंस

मिलालें। लगाने के लिये।

(३)

प्लम्बाई आयोडाइड	५ ड्राम
पुटास आयोडाइड	२ ड्राम
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	२ ड्राम
एक्सट्रैक्ट औपिआई	½ ड्राम
एडिपिस प्रिय	५½ औंस

मिलालें। लगाने के लिये।

(४)

मौरफी सल्फ	१६ ग्रेन
हाइड्रारजिर ओलिएट (१० फीसदी)	२ औंस

मिलालें। दिन में दो बार लगावें।

(५)

टिंकचर	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ग्वायाकोल	१ औंस
ग्लिसरीन	३ औंस

मिलालें। कपड़े को दवा से भिगोकर अंडकोष से लगावें।

(६)

मरकरी ओलिएट	१½ ड्राम
मौरफीन सलफेट	४ ग्रेन
ओइल विण्टर ग्रीन	१ ड्राम
ओइल ओलिव	४ औंस

स्नान करने के बाद अंडकोश पर लगावें। ऊपर से रुई लपेट दें।

(Otitis ओटाइटिस) कान में सूजन

स्टोवेन	३ ग्रेन
रिसोरसिन	२ ग्रेन
ग्लिसरीन	२ औंस

मिलालें। कान में सात या आठ बूंद हर दो घण्टे बाद डालें।

(२)

कोकेन	५ ग्रेन
मौरापिआ	१ ग्रेन
डिस्टल्ड वाटर	४ ड्राम

मिलालें। कान में डालने के लिये।

(३)

एसिड कारबोलिक	७ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट ओपिआई लिक्विड	६ मिनिम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

कोकेन हाइड्रोक्लोर	३ ग्रेन
एट्रोपीन सल्फ	३ ग्रेन
डिस्टल्ड वाटर	१ ड्राम
जिलेटीन	१½ ग्रेन
ग्लिसरीन	२½ ड्राम

मिलालें। १८३ सलाई बनावें। कान में डालें, दर्द दूर करने के लिये।

(Otorrhoea ओटोरिया) कान का बहना।

(१)

आयोडौल	२० ग्रेन
टिंकचर ओपिआई	३० मिनिम
कैम्फोरेटेड सेलोल	४ ड्राम

मिलालें। कान साफ करके कुछ बूंदें डाल दें।

(२)

फौरमैलीन	१ मिनिम
फीनिक एसिड	५ ग्रेन
एलकोहोल	१ औंस
पानी	१ औंस

(३)

एसिड कारोबलिक	१० ग्रेन
जिंक सल्फेट	१० ग्रेन
प्लम्बाई एसीटेट	१० ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर	८ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। दिन में दो बार इन्जैक्शन दें। जब बदबूदार मवाद निकले।

(४)

लिकर हाइड्रोजन पर औक्साइड	४ औंस

पहले एक भाग ऊपर की दवा और दो भाग पानी मिलाकर कान में पिचकारी लगाकर साफ करें। फिर कुछ बूंद इस सौल्यूशन को कान में डाल दें।

(Ozoena ओजीना)

एसिड बोरिक	२ ड्राम
आयोडोफोर्म	२ ड्राम
मोरफी एसीटेट	१ ड्राम
सैक एल्ब	७ ड्राम

मिलालें। सूंघने के लिये।

(२)

बी नैफथोल	१२ ग्रेन
टिंकचर क्विलाई	१½ ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर	१ औंस

मिलालें। रुई के फाए को दवा में अच्छी प्रकार भिगो कर नाक में रखे।

(३)

टिंकचर आयोडीन	४ ड्राम
एसिड कारबोलिक	१ ड्राम

मिलालें। एक स्पंज में लगाकर चौड़े मुँह की बोतल में रख दें और रोगी को सुघावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(४)

टैनिन	१½ ग्रेन
ग्लिसरीन	३० मिनिम
डिस्टल्ड वाटर	४ ड्राम
गुलाब जल	४ ड्राम

मिलालें। नथनों में इन्जैक्शन दें।

(Palpitation दिल की धड़कन)

(हार्ट डिजीज Heart Disease भी देखो)

(१)

स्पिरिट एमोनिअम एरोमेटिक	१ औंस
ईथर सल्फ	२ ड्राम
टिंकचर जिजीबेरिस	३ ड्राम
एसेएसा मेन्थ पिप	३ ड्राम
स्पिरिट कैम्फर	३ ड्राम
टिंकचर कारडेमम को	३ औंस

(२)

सैलोलाई
बिस्मथ सबकार्ब
मैगनेशिआ
पैपसीन (स्केल)

मिलालें। २४ कैचैट (Caehet) बनावें। एक कैचेट भोजन के बाद खिलावें। जब अजीर्ण के कारण दिल धड़कता हो।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Paralysis पैरालिसिस) लकवा ।

टिंकचर हायोसाइमी	१½ औंस
लिकर आरसेनीकेलिस	३ ड्राम
टिंकचर वैलेरिअन	३½ औंस
ग्लिसरीन	५ ड्राम

मिलालें। एक ड्राम दिन में तीन बार भोजन के बाद पिलावें।

(२)

पुटास आयोडाइड	८० ग्रेन
पुटास ब्रोमाइड	१६० ग्रेन
सिरप औरेनशाई	१½ औंस
एक्वा कैम्फर	८ औंस

मिलालें। एक बड़ा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें।

(३)

स्ट्रिकनीन सल्फ	१ ग्रेन
एसिड आरसीनि, ओक्साई	१ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	५ ग्रेन
क्विनीन सल्फ	४० ग्रेन
एक्सट्रैक्ट टैरैकसाई	२ ग्रेन

मिलाकर ६० गोली बनावें। एक गोली दिन में तीन बार दो।

(Pediculi पेडीकुलाई) जूऐ पड़ना ।

(१)

हाइड्रारजिर एमोन क्लोलर	२५ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

आइल पेट्रोल	२½ ड्राम
बालसम पेरू	१ ड्राम
लैनोलिन	१ औंस

मिलालें। बालों की जड़ों में अच्छी तरह मलें।

(२)

हाइड्रारिजिर परक्लोर	३ ग्रेन
एसिड एसेटिक	२ ड्राम
पानी	६ औंस

मिलालें। लीख (जूँए) मारने के लिये सिर धोवें।

(३)

पल्व औक्यूलाई इंडिका
एडिपिस

मिलालें। लगावें और अच्छी तरह मलें।

(Pemphigus पैंमफाइगस)

(देखो Skin Diseases स्किन सिजीजेंज)

Periostitis पैरिओस्टाइटिस)

(१)

टिंकचर एकोनाइट	३० मिनिम
पुटास आयोडाइड	८० ग्रेन
लिकर एमोनिअम एसीटेट	२ औंस
स्पिरिट औरेनशाई	१½ औंस
एक्व कैम्फर	१० औंस

मिलालें। बड़ा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

पुटास आयोडाइड
एमोन आयोडाइड
टिंकचर सिनकोना को

मिलालें भोजन के बाद एक छोटा चम्मच भर के पानी में मिलाकर पिलावें।

(३)

कैडमिआई आयोडाइड	१ ड्राम
एडिपिस प्रिपेरेट	१ औंस
लिनीमेण्ट एकोनाइट	२ ड्राम

मिलालें। लगाने के लिये।

(४)

पुटास आयोडाइड़	१० ड्राम
हाइड्रारजर क्लोर	२ ग्रेन
सिरप सारसापैरीलाको	२ औंस
पानी	२ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के पानी में डालकर भोजन के बाद पिलावें।

(५)

कैडमिआई आयोडाइड	१ ड्राम
इकथियोलाई	४ ड्राम
एडीपिस	२ औंस

मिलालें। नये कपड़े पर फैलाकर रोग स्थान पर लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Peritonitis पैंरीटोनाइटिस)

(१)

मैगनीशियम सल्फेट १½ औंस

१२ पुड़िया बनावें। पिपरमेण्ट के गरम पानी में एक पुड़िया डालकर हर घंटे पिलावें। रोग प्रारम्भ होने पर दें।

(२)

टिंकचर ओपिआई १६ मिनिम
सिरप जिंजीबेरिस १ औंस
पानी २ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के पांच वर्ष के बच्चे को हर दो घंटे बाद पिलावें।

(३)

पल्व ओपिआई १ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना ¼ ग्रेन
बिस्मथ ऑक्साइड १ ग्रेन

मिलालें। एक गोली बनावें। हर चार घंटे बाद एक गोली खिलावें।

(Pertusis परट्यूसिस) खांसी।

(१)

थामौल २० ग्रेन
यूकैलिपटोल २ ड्राम
एसिड कारबोलीन ½ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पाइसिस लिक्विड	२ ड्राम
ओइल सैसाफ़ास	२ ड्राम
स्पिरिट टैरेबिन्थ	२ ड्राम
ईथरिस	१ ड्राम
स्पिरिट वाइन रैक्टीफाइड	३ औंस

मिलालें। एक कपड़ा बच्चे की गरदन से लटका दें और उस पर तीन बूंद डाल दें। हर दो या तीन घंटे बाद फिर तीन बूंद डालें।

(२)

एसिड कारबोलिक	१५ ग्रेन
स्पिरिट क्लोरोफोर्म	१५ मिनिम
टिंकर बैलाडोना	३० मिनिम
टिंचर अयोडाइड	१० मिनिम
सिरप	२ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भरके हर दो घंटे बाद पिलावें। दो वर्ष से बारह वर्ष तक के बच्चों के लिये।

(३)

क्लोरल हाइड्रेट	१६ ग्रेन
टिंकचर बैलाडोना	१२ मिनिम
एक्सट्रेक्ट ग्लिसराइज लिक्वड	½ ड्राम
पानी	२ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के पानी में डालकर हर चार या छः घंटे बाद पिलावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(४)

टपरीन हाइड्रेट	१५ ग्रेन
एण्टीपाइरीन	१५ ग्रेन
सिरप औरेनशाई	२ औंस
म्यूसीलेज एकेशिया	२ औंस

मिलालें। एक या दो छोटा चम्मच भर के दिन में कई बार पिलावें। चार वर्ष से कम के बच्चों के लिये।

(५)

ओइल यूकैलिपटाई	२ औंस
ओइल टैरेबिन्थ	१ औंस
थाइमौल	१ ड्राम
स्पिरिट लैवेण्डुल	६ औंस

मिलालें। कमरे में छिड़क दें।

(६)

एक्सट्रैक्ट कैनेबिस एडिक	७ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट बैलाडोना	३½ ग्रेन
एलकोहोल	१ ड्राम
ग्लिसरीन	१ ड्राम

मिलालें। एक वर्ष के बच्चे को पाँच बूंद पिलावें।

(७)

बूटाइल क्लोरल हाइड्रेट	१५ ग्रेन
ईथेरिस	२० मिनिम
पुटास ब्रोमाइड	१ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंक्चर वैलाडोना	१५ मिनिम
टिंकचर हायोसाइमी	२४ मिनिम
सिरप टोलू	४ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के हर चार घंटे बाद पिलावें। जब लाभ होने लगे तब दिन में तीन बार।

(८)

टिंकचर वैलाडोना	४० मिनिम
टिंकचर कैनेबिस इंडिका	½ ड्राम
एक्सट्रैक्ट क्वैरब्रेको	१ औंस
सिरप टोलू	६ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के हर घण्टे बाद पिलावें।

(९)

थाइमौल	३ ग्रेन
एलिकजिर एरोमेटिक	३ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के पानी में डाल कर दिन में तीन या चार बार पिलावें।

(Pharyngitis फैरिनजाइटिस)

(१)

मेन्थौल	३ ग्रेन
एसिड बोरिक	१ ड्राम
पेट्रीलेटाई	१ औंस

मिलाकर मरहम बनावें। हर तीन या चार घंटे बाद नथनों में थोड़ा सा मरहम डाल दें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

एसिड कारबोलिक	१ ड्राम
कोकेन हाइड्रोक्लोर	८ ग्रेन
ग्लिसरीन बोरेसिक	½ औंस
गुलाब जल	१२ औंस

मिलाकर कुल्ली करें।

(३)

मौरफीन हाइड्रोक्लोर	१½ ग्रेन
पुटास क्लोरेट	४० ग्रेन
ग्लिसरीन	½ औंस
सिरिप औरेन्शनाई	४ औंस

मिलालें एक छोटा चम्मच भर के पिलावें। क्षय के रोगियों के गले की खराबी में यह पिलानी चाहिये।

(४)

टिंकचर ग्वायाकोल	½ ड्राम
टिंकचर आयोडीन	१ ड्राम
बोरो ग्लिसरीन	३ औंस

मिलालें। दिन में छः बार कुल्ली करें। गलफड़ों की सूजन के लिये।

(५)

क्विनीन	४८ ग्रेन
एसिड सल्फ डिल	४८ मिनिम
टिंकचर एकोनाइट	४८ मिनिम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सिरप वाइल्ड शैरी	१ औंस
पानी	३ औंस

मिलालें। पानी में एक ड्राम मिलाकर हर चार या छः घंटे बाद पिलावें।

(Phlegmasia Alba Dolens फ्लेगमेसिश्रा एल्बा डोलेन्स)

(१)

हैजलीन	३० मिनिम
सोडाई सैलीसिलेट	२० ग्रेन
पानी	१ औंस

मिलालें। दिन में तीन बार पिलावें।

(२)

एक्सट्रैक्ट हैमेमेलिस लिक्विड	१ औंस
इलिकजिर	½ औंस
सिरप	½ औंस

मिलालें। एक या दो छोटे चम्मच भर के दिन में तीन या चार बार पिलावें।

(Phthisis थाइसिस) क्षय।

(१)

क्रिओजोट	१ ड्राम
एसिड कारबोलिक	१ ड्राम
टिंकचर आयोडीन को	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एलकोहल	$१\frac{१}{२}$ औंस

मिलालें। दिन में दो या एक बार दस या पन्द्रह मिनट तक सूँघे।

(२)

आयोडोफोर्म	$\frac{३}{४}$ ग्रेन
क्रिओजोट	$\frac{३}{४}$ ग्रेन
बेनजोइन	$\frac{३}{४}$ ग्रेन
बालसम टोलू	$\frac{३}{४}$ ग्रेन

मिलाकर एक गोली बनावें। रोजाना एक गोली से आरम्भ करके चार गोली तक खिलावें।

(३)

आयोडीन	$१\frac{३}{५}$ ग्राम
पुटास अयोडाइड	६ ग्राम
ग्वायाकोल	$२\frac{१}{२}$ ग्राम
डिस्टिल्ड वाटर	५० ग्राम

पहिले १० दिन तक एक सी०सी० रोज इन्जैकशन करें। फिर २ सी. सी का इन्जैक्शन करें।

(४)

क्रिओजोट कारबोनेट	४ ड्राम
ग्लिसरीन	१ औंस
एक्वा मेन्थ	१० औंस

मिलालें। बड़ा चम्मच भर के भोजन के बाद पिलावें।

(५)

काँडलिवर आईल	५०० भाग

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ग्लिसरीन आफ योक आफ एग	१७५ भाग
फौसफौरिक एसिड डिल	३५ भाग
शैरी	यथावश्यक
कोम्प स्पिरिट ऑफ औरेंज	१५ भाग

सब मिलाकर १००० भाग। मात्रा १ से ४ ड्राम तक।

(६)

कौडलिवर औइल	८० मिनिम
डिस्टिल्ड वाटर	३५ मिनिम
सौल्यूबिल पैनक्रिएटीन	५ ग्रेन
सोडा बाइकार्ब	$\frac{१}{३}$ ग्रेन
सैलीसिलिक एसिड	$\frac{१}{४}$ ग्रेन

दो छोटे चम्मच भर के भोजन के बाद पिलावें ! यदि आवश्यक समझें तो दुगना पानी भी मिलालें।

(७)

सोल हाइड्रोजन परऑक्साइड	१$\frac{१}{२}$ औंस
एसिड सलफ्यूरिक डिल	$\frac{१}{२}$ औंस
ग्लिसरीन	$\frac{१}{२}$ औंस
डिस्टिल्ड वाटर	६ औंस

मिलालें। दो बड़े चम्मच भर के पानी में डाल कर सोते समय पिलावें रात के पसीने के लिये।

(८)

क्रिओजोट	१ मिनिम
आयोडोफोर्म	१ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

बूटाइल क्लोरल हाईड्रेट	२ ग्रेन

मिलाकर एक गोली बनलें। भोजन के बाद एक गोली खिलावें।

(६)

मौरफी सल्फ	१ ग्रेन
एसिड म्यूरिएटिस डिल	५ मिनिम
एसिड हाइड्रोसाइनिक डिल	१/२ ड्राम
सिरप सिली	१ औंस
पानी	१ औंस

मिलालें। जब खाँसी की अधिकता हो तब छोटा चम्मच भर के पिलावें।

(१०)

ग्वायाकोल	१/२ ग्रेन
क्विनीन हाइपो फौस्फाइट	१ ग्रेन
कैलसिअम हाइपोफौस्फाइट	१/२ ग्रेन
फेरिक	१/२ ग्रेन
सोडियम	१/२ ग्रेन
पुटासिअम	१/४ ग्रेन
मैनगेनीज	१/४ ग्रेन
स्ट्रिकनीन	१/६४ ग्रेन

मात्रा—एक या दो गोली।

(११)

एसिड कैम्फौरिक	२० ग्रेन

जबान पर सूखा डालें। रात के पसीने के लिये।

(१२)

क्रिओजोट	१५ मिनिम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंकचर जैनशियन	१२ मिनिम
स्पिरिट वाइनाई रेक्टीफाइड	६ ड्राम
वाइनाई जैरीसाई	६ औंस

मिलालें। बड़ा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें।

(१३)

एक्सट्रेक्ट अरगट लिक्वड	४ ड्राम
एसिड गैलिक	१ ड्राम
ग्लिसरीन	४ ड्राम
पानी	२ औंस

मिलालें। दो से चार चम्मच भर तक। फेफड़ों से रक्तस्राव बन्द करने के लिये।

(Plague प्लेग)

(१)

थाईमौल	१० ग्रेन
स्पिरिट लैवेण्डुल	२ औंस
स्पिरिट वाइनाई टैकटिफ	३ औंस
एसिड ऐसटिक डिल	३ औंस
गुलाब जल	१० औंस

मिलाकर लोशन बनावें। जब ज्वर जोर पर हो तो इस सौल्यूशन को स्पञ्ज में लगाकर रोजाना दो तीन बार शरीर में लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

हाफकिन की प्रौफीलेकटिक वैकसीन ४५ से २०५ मिनिम तक हाइपोडरमिक इनजैक्शन दें। चौदह दिन बाद फिर इनजैक्शन दें। जिन आदमियों के यह टीका लगाया जाता है उनको ६ महीने तक इस बीमारी का असर नहीं होता। जिन आदमियों के शरीर में प्लेग के कीड़े पहले ही पहुंच गये हो या बढ़ गये हों या बढ़ रहे हों उनके यह टीका नहीं लगाना चाहिये।

(३)

पल्व मोशाई	१ ग्रेन
म्यूसीलेज एकेशिआ	२ ड्राम
सिरप औन्शाई	२ ड्राम
एक्वा कैम्फर	$\frac{1}{2}$ औंस

मिलालें। हर घन्टे बाद दें। जब दिल कमजोर हो गया हो।

(४)

एमोनिअम कारबोनेट	५ ग्रेन
स्पिरिट क्लोरोफौर्म	२० मिनिम
ईथर सलफ्यूरिक	१५ मिनिम
टिंक्चर डिजीटेलिस	५ मिनिम
टिंक्चर सिनकोनी	१ ड्राम
एक्वा कैम्फर	१ औंस

मिलालें। हर तीन या घन्टे बाद पिलावें।

(Pleurisy प्लूरिसी)

मौरफिआ एसीटेट	$\frac{1}{6}$ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पुटासियम एसीटेट	$\frac{1}{2}$ औंस
टिंक्चर बिरेट्रमविरीडि	२४ मिनिम
सिरप टोलू	$\frac{1}{2}$ औंस
सोल पुटासियम साइट्रेट	.२$\frac{1}{2}$ औंस

बड़ा चम्मच भर के हर तीन घन्टे बाद पिलावें।

(२)

टिंक्चर एकोनाइट	२ ड्राम
टिंक्चर ओपिआई डिओड	६ ड्राम

मिलालें। आठ बूँद पानी में डालकर हर घण्टे या दो घण्टे बाद पिलावें।

(३)

टिंक्चर ओपिआई	२० मिनिम
टिंक्चर डिजीटेलिस	१६ मिनिम
सिप प्रूनाई वर्जे	१ औंस
पानी	१$\frac{1}{2}$ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भरके दो वर्ष के बच्चे को हर तीन घण्टे बाद दें।

(४)

आयोडोफोर्म	१ ड्राम
कौलोडिअन	१ औंस

मिलालें। ब्रुस से रोगस्थान पर लगावें। थोड़ी देर बाद फिर लगावें। इस प्रकार थोड़ी देर बाद कई बार लगावें।

(५)

यूकैलिपटौल	१ औंस
एक्सट्रैक्ट ग्रिनडौल रोब लिक्वड	१ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलाकर बड़ा चम्मच भरके दिन में तीन बार पिलावें ।

(Pneumonia निमोनिया)

(१)

टिंक्चर एकोनाइट	१६ मिनिम
मौरफिया एसीटेट	२ ग्रेन
टिंक्चर डिजोटेलिस	२ ड्राम
ग्लिसरीन	१ औंस
म्यूसिलेज एकेशिआ	१ औंस
पानी	४ औंस

मिलालें । छोटा चम्मच भर के हर दो या तीन घण्टे बाद पिलावें । साथ में हर तीसरे घण्टे एक ग्रेन केफिन भी दें ।

(२)

एमोनिअम आयोडाइड	२ ड्राम
स्पिरिट एमोन एरोम	२ ड्राम
एलिकजिर सिम्प	१ ड्राम
पानी	८ औंस

मिलालें । दो छोटे चम्मच भर के दिन में तीन वार दें।

(३)

सोडाई अयोडाइड	१½ ड्राम
मौरफिआ सल्फेट	½ ग्रेन
एलिकजिर एरोम	२ औंस

मिलालें । छोटा चम्मच भर के दिनमें तीन वार पिलावें ।

(४)

क्विनीन सल्फ	२४ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

स्ट्रिकनीन	½ ग्रेन
एसिड हाइड्रोक्लोर डिल	१५ मिनिम
गिलसरीन	३ ड्राम
लिकर पेपसीन	४ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर कर के पानी में डालकर हर तीन या चार घण्टे बाद पांच वर्ष के बच्चे को पिलावें। यदि सांस बन्द होंने का भय हो तो।

(५)

स्पिरिट ईथर सल्फ	२० मिनिम
लाइकर स्ट्रिकनिआ	३ मिनिम
टिंक्चर वैलाडोना	५ मिनिम
स्पिरिट बाइनाई गैलीसाई	२ ड्राम
टिंक्चर डिजीटेलिस	१ मिनिम
पानी	१ औंस

मिलालें हर घण्टे या दो घण्टे बाद पिलावें। जब कि रोगी इतना निर्बल हो गया हो कि खखार को बाहर न निकाल सकता हो।

(६)

लाइकर आरसेनीकेलिस	½ ड्राम
एमोनिअम आयोडाइड	२ ड्राम
टिंक्चर सिनकोना को	३ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें। पुराने न्यूमोनियां में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Pruritus प्रूराइटिस)

(Skin Diseases स्किन डिजीज़ ज) भी देखो।

(१)

कैम्फर	४ ड्राम
क्लोरल हाइड्रेट	४ ड्राम
एसिड बोरिक	४ ड्राम
अंगुएण्टम सिम्पिल	१ औंस

मिलालें लगाने के लिये।

(२)

एसिड हाइड्रोसाइनिक डिल	२ ड्राम
बोरैक्स	१ ड्राम
गुलाब जल	८ औंस

मिलाकर लोशन बनावें। लगाने के लिये।

(३)

लाइकर प्लबाई सबएसीटेट	४ ड्राम
एसिड हाइड्रो साइनिक डिल	२ ड्राम
पानी	३ औंस

मिलाकर लोशन बनावें। लगाने के लिये।

(४)

कोकेन म्यूरिएट	५ ग्रेन
लैनोलिन	१ औंस

मिलालें। धोने के बाद लगावें।

(५)

एसिड सैलीसीलिक	१ ड्राम
जिंक ऑक्साइड	३ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

ग्लिसरीन एमाइल ३ औंस
मिलाकर मरहम बनावें। लगाने के लिये।

(Puerperal Fever पुरपेरल फीवर) प्रसूति ज्वर।

(१)

लीथाई साइट्रेट ½ औंस
सिरप ओरेन्शाई १ औंस
पानी २ औंस
मिलालें। छोटा चम्मच भर के पानी में डालकर दिन में तीन बार पिलावें। जब मूत्र खट्टा (एसिडिक) हो।

(२)

सोडाई बाईबोरेट २ ड्राम
एक्सट्रैक्ट यूवीउर्सी लिक्विड १ औंस
स्पिरिट ईथर नाइट्रोसाई ¾ औंस
टिंक्चर ओपिआई डिओड ½ औंस
मिलालें। छोटा चम्मच भर के रोजाना तीन बार, छः बार तक।

(३)

एक्सट्रैक्ट स्टिगमेट मेड १ औंस
जिन १ औंस
मिलालें। छोटा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें। जब पथरी हो और मूत्र विसर्जन में कठिनता और पीड़ा होती हो।

(Rheumatism रूमेटिज़म) गठिया।

सोडाई सैलीसिलेट ४ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पुटास बाई कार्ब	६ ड्राम
लिकर मौरफिश्रा	१½ ड्राम
एक्वा कैम्फर	१६ औंस

मिलालें। दो छोटे चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें।

(२)

एसिड सैलीसिलिक	२ ड्राम
फैरी पाइरो फोस्फेट	१ ड्राम
सोडाई फोस्फेट	१ ड्राम
पानी	३ औंस

मिलालें। बड़ा चम्मच भर के हर दो घण्टे बाद पिलावें।

(३)

सोलोल	२० ग्रेन
क्विनीन	२० ग्रेन

मिलाकर आठ कैपसूल बनावें। एक कैपसूल हर तीन या चार घण्टे बाद पिलावें।

(४)

स्पिरिट कैम्फर	½ औंस
टिंक्चर ओपिआई	½ औंस
स्पिरिट एमोन	½ औंस
ओइल ओलिव	१ औंस

मिलालें। रोजाना चार या पांच बार लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Ringwarm रिंगवर्म) दाद ।

(Skin Diseases स्किन डिजीज़ीज

भी देखो)

(१)

सोडाई हाइपोसलफाइट	१ ड्राम
पानी	१ औंस

मिलालें । लगाने के लिये ।

(२)

ओइल क्रोटन	१ ड्राम
सलफर प्रेसिप	२० ग्रेन
एसिड कारबोलिक	१ ड्राम
ओइल एमिगडल	६ ड्राम
लैनोलीन	१० ड्राम

मिलालें । लगावें ।

(३)

एसिड बोरेसिक	१ ड्राम
ईथर सलफ्यूरिक	१ औंस
स्पिरिट वाइनाई रैक्टीफाइड	५ औंस

मिलालें । खोपड़ी पर जब दाद शुरू हो ।

(Scabies स्कैबीज) खाज ।

(१)

सलफर सबलाइम	१ ड्राम
बाल सम पेरू	१ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एडिपिस	१ औंस

मिलाकर मरहम बनावें। लगाने के लिये।

(२)

नैफथोल	८० ग्रेन
सैपोन विर्ड	½ औंस
सलफर सब	१ ग्रेन
एडिपिस	१ औंस

मिलाकर मरहम बनावें।

(३)

बीटानैफथोल	½ औंस
सलफर सब	१ ड्राम
ओइल यूकेलिप्टस	१ ड्राम
अंगुएएटम जिंक	१ औंस

मिलाकर मरहम बनावें। लगाने के लिये।

(Scarlatina स्कारलैटीना) ज्वर।

(१)

टिंक्चर एकोनाइट	२ ड्राम
टिंक्चर कोलचिकाई	२ ड्राम
टिंक्चर बैलाडोना	२ ड्राम

मिलालें। ६ बूंद हर छः घण्टे बाद दें।

(२)

इकथियोल	५० भाग
ग्लिसरीन	२० भाग
डिस्टिल्ड वाटर	३० भाग

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलाले। लगाने के लिये।

(३)

मौरफीन सल्फ	$\frac{1}{2}$ ग्रेन
एट्रोपीन सल्फ	$\frac{1}{25}$ ग्रेन
एक्वा डिस्टिल्ड	२० मिनिम

मिलालें। इन्जैक्शन करें।

(४)

एस्पिरिन	१ ड्राम
फिनेसीटाइनी	१ ग्रेन
क्विनीन सैलीसिलेट	२० ग्रेन
कोडीन सलफेट	२$\frac{1}{2}$ से ५ ग्रेन तक

मिलाकर दस कैपसूल बनावें। हर दो या तीन घण्टे बाद एक कैपसूल दें।

(Scrofula स्क्रौफूला)

(१)

आयोडोफोर्म	१५ ग्रेन
एसेन्स एनीसी	४५ मिनिम
ओइल मैरहुई	८ औंस

मिलालें। भोजन के बाद छोटा सा चम्मच भर के पिलावें।

(२)

आयोडीन	२० ग्रेन
पुटास आयोडाइड	५ ग्रेन
लैनोलिन	१ औंस

मिलालें। लगाने के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(३)

सिरप फैरी आयोडाइड़ १½ ड्राम
मिक्चूरा ओइल मौरहुई ३ औंस

मिलालें। आधा या एक चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें।

(४)

ओइल टैरेबिन्थ ३ ड्राम
एक्सट्रैक्ट डिजीटेलिस लिक्विड़ १ ड्राम
म्यूसीलेज एकेशिआ ४ ड्राम
एक्वा मेन्थ पिप १ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के हर तीन घण्टे बाद पिलावें।

(Sea Sicknessसीसिकनैस)

समुद्र की बीमारी

(१)

क्लोरेलेमिड ३० ग्रेन
पुटास ब्रोमाइड ३० ग्रेन

मिलालें। एक खुराक के लिए।

(२)

पुटास ब्रोमाइड़ १ ड्राम
एनटीपाइरीन १२ ग्रेन

मिलाकर २४ गोली बनावें। एक गोली हर घण्टे में डाल लें। जहाज चलने पर एक या दो दिन यह दवा खिलावें। रोगी आँख बन्द करके लेट जावे।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Skin Diseases स्किन डिजीजैंज) चर्म रोग

(१)

रिसौरसिन	½ ड्राम
कोकेन हाइड्रोक्लोर	१० से ३० ग्रेन
एसिड टैनिक	१½ ड्राम
एलकोहल	३ औंस

मिलालें। लगाने के लिये।

(२)

रिसौरसिन	१ भाग
जिंक औकसाइड	१२ भाग
स्टार्च	१२ भाग
लैनोलिन	१२ भाग
सोफ्ट पैराफीन	१२ भाग

मिलाकर पेस्ट (लेहीसी) बनालें।

३

रिसौरसिन	४० ग्रेन
ग्लिसरीन	१५ मिनिम्
एलकोहल	१ ड्राम
पानी	४ ड्राम

मिलालें। मरहम के साथ लगावें। हाथ के एकज़ीमा के लिये।

(४)

एसिड सैलीसिलिक	४५ ग्रेन
जिंक औकसाइड	३ ड्राम
पल्व एमाइली	५ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। एकज़ीमा में रोगस्थान पर बुरक दें। ऊपर से पट्टी बांध दें।

(५)

पाइरोगैलोल	५ भाग
सैलीसिलिक	५ भाग
इकाथियोल	५ भाग
वैसलीन	८८ भाग

मिलालें सोरिएसिस में।

(६)

लाइकर पुटास	२ ड्राम
हाइड्रोसाइनिक डिल	१ औंस
मिस्चूरा एमिगडैल	८ औंस

मिलालें धोने के लिये।

(७)

अँगुएटम पाइसिस लिक्वड
अँगुएण्म सलफर

मिलालें। रात को लगावें।

(८)

सलफर सबलाइम	१ ड्राम
एसिड सैलीसिलिक	½ ड्राम
ओलिएटाई हाइड्राराजिराई	१ ड्राम
एडिपीस बेनजोएटिस	१ औंस

माकर मरहम बनावें। रोजाना दो बार लगावें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Snake Bite स्नेक बाइट)

साँप का काटना ।

(१)

लाइकर स्ट्रिक्टनीन — १० मिनिम

थोड़ी थोड़ी देर बाद हाइपोडरमिक इनजैक्शन दें ।

(२)

लाइकर एमोन — $\frac{1}{2}$ ड्राम

पानी — २ ड्राम

मिलालें । पैर की वेन (शिरा) में इनजैक्शन दें ।

(Spermatorrha स्परमैटोरिया)

शुक्रमेह ।

(१)

एक्सट्रेक्ट डैमिएना लिक्विड — ४ औंस

टिंकचर नकसवोमिका — २ ड्राम

मिलालें । छोटा चम्मच भर के हर पांच घण्टे बाद पिलावें ।

(२)

टिंकचर जेलसेमिन — १ ड्राम

टिंकचर बैलाडोना — २ ड्राम

मिलालें । सोते समय १५ बूंद दें ।

(३)

सोडाई ब्रोमाइड — ४ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टिंकचर जैलसेमिन	२ ड्राम
एक्सट्रैक्स अरगट लिक्विड	२ ड्राम
टिंकचर बैलाडोना	१½ ड्राम
सिरप जिंजीबेरिस	४ औंस
पानी	८ औंस

मिलालें। दो घंटे बाद बड़ा चम्मच भरके दिन में तीन बार पिलावें।

(Stings स्टिंगस)

बर्र तथा मधुमक्खी के काटने पर।

लाइकर एमोन	½ औंस

बर्र या मधुमक्खी के काटने पर तत्काल लगावें।

(२)

सैसाफ्रास	१ ड्राम
आइल गोलथर	१ ड्राम

मिलालें। शरीर के जो अंग खुले रहते हों उन पर मच्छरों को भगाने के लिये लगावें।

(Stomatitis स्टोमेटाइटिस)

एक प्रकार का मुख रोग।

(१)

पुटास क्लोरेट	½ औंस
टिंकचर फैरी परक्लोर	½ औंस
ग्लिसरीन	१ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक्वा डिस्टिल	१२ औंस

मिलालें। बड़ा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें।

(२)

टिंकचर मर्ह	½ औंस
टिंकचर क्रैमेरी	½ औंस
टिंकचर सिनकोना	½ औंस
टिंकचर कैटेचू	½ औंस
यूडी कलोन	१ औंस

मिलालें। एक चम्मच भर के एक ग्लास पानी डालकर कई बार मुँह धोवें (कुल्ली करें)।

(३)

एसिड बोरेसिक	१० ग्रेन
लिस्टरीन	१½ ड्राम
ग्लिसरीन	६½ ड्राम

मिलालें हर घंटे या दो घंटे बाद कुल्ली करें।

(४)

एसिड सैलीसिलिक	१५ ग्रेन
एसिड बोरेसिक	१५ ग्रेन
पुटास क्लोरेट	२ ड्राम
ग्लिसरीन	१½ औंस
एक्वा औरेन्शाई फ्लोर	१० औंस

मिलाकर कुल्ली करें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Style स्टाइल) गुहेरी ।

(१)

अंगुएएटम हाइड्रारजिरी नाइट्रेटी	४ ड्राम

सूजन पर यह मरहम लगावें ।

(२)

एसिड बोरिक	४० ग्रेन
सोडाई क्लोराइड	१० ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर	४ औंस

मिलालें । अच्छी तरह कई बार धोवें ।

(Sun Stroke सनस्ट्रोक)

क्विनीन सल्फ	१० ग्रेन
एसिड सल्फ.डिल	१० मिनिम
डिस्टिल्ड वाटर	१०० मिनिम

मिलालें । थोड़ी थोड़ी देर बाद तोन इन्जैक्शन दें ।

(Syphilis सिफिलिस) उपदंश (गर्मी)

(१)

हाइड्रार्ज आयोडाइड रूब्रम	१ ग्रेन
पुटास आयोडाइड	४ ड्राम
सिरप सारसापैरील को	२ औंस
पानी	२ औंस

मिलालें । छोटा चम्मच भर के भोजन के बाद तीन बार पिलावें ।

(२)

पुटास आयोडाइड	२ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एमोनिअम कार्ब	½ ड्राम
टिंकचर सिनकोना को	४ ड्राम
सिरप औरेन्शाई	१½ ड्राम
ग्लिसरीन	१ औंस

मिलालें। एक छोटा चम्मच भर के पानी में मिलाकर भोजन के बाद पिलावें।

(३)

एसिड टेनिलिड	१ ड्राम

घाव पर बुरक दें।

(४)

हाइड्रार्ज आयोडाइड रूब्रम	१ ग्रेन
सिरप फैराई आयोडाइड	४ औंस

मिलालें। बीस से तीस बूंद तक दें। शक्ति देने के लिये।

(५)

हाइड्रारजिर बिनआयोडाइड	३ ग्रेन
पुटासिअम् आयोडाइड	१ औंस
टिंकचर आयोडिन	१ ड्राम
सिरप फैरी आयोडिन	१ औंस
पानी	३ औंस

छोटा चम्मच भर के पानी में मिलाकर भोजन के बाद पिलावें।

(६)

हाइड्रार्ज आयोडाइड रूब्रम	५ ग्रेन
पुटास आयोडाइड	२६० ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

डिस्टिल्ड वाटर	६ ड्राम
सिरप	१६ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के भोजन के बाद पिलावें।

(७)

ओइल लैवेण्डुल	२० मिनिम
आयोडोफौर्म	२ ड्राम
लाइकोपोडाई	२ ड्राम

मिलालें। घाव पर लगाकर लिण्ट से ढक दें।

(Tetanus टिटेनस) धनुष टङ्कार।

(१)

मौरफीन म्यूरिएट	½ ग्रेन
क्लोरल हाइड्रेट	१५ ग्रेन
सोडा ब्रोमाइड	२० ग्रेन

मिलालें। सब को पीसकर एक पुड़िया बनावें और मोम के कागज में रखें। रोजाना एक-एक पुड़िया तीन से छः बार तक खिलावें।

(२)

टिंकचर जैलसेमिन	८ मिनिम
सिरप सिम्पिल (सादा)	१ ड्राम
पानी	४ ड्राम

मिलालें। आधा छोटा चम्मच भरके हर दो से चार घण्टे तक पिलवें।

(३)

फोल लोबीलिआ इनफ्लेट	२ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक्वा बूलिएएट	१२ औंस

मिललें। इनफ्यूजन (कांढ़ा) बनावें। एक छोटा चम्मच भरके हर आध घण्टे बाद पिलावें।

Tooth ache (टूथेक दांत का दर्द)

(१)

थाइमौल	१ ग्रेन
एसिड बैनजोइक	१२ ग्रेन
टिंकचर यूकेलिपटस	१ ड्राम
टिंक्चर यूडीकोलोन	१ औंस
ओइल मेन्थ पिप	१० मिनिम
पानी	६ औंस

मिललें। दातों में कीड़ा लगने पर एक ग्लास पानी में यह दवा मिलाकर कुल्ली करें।

(२)

कोलडाई
एसिड कारबोलिक
कोकेन हाईड्रोक्लोर

मिलालें। रुई में लगाकर दाँत की खोखली जगह में लगा दें।

(३)

क्लोरल कम कैमफर
कोकेन हाईड्रोक्लोर

मिलालें। रुई पर थोड़ी बूँदें डाल कर दाँत की खोखली जगह में रखें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Typhoid Fever टाइफाइड फीवर)

मोतीझारा बुखार

(१)

एसिड कारबोलिक	३६ मिनिम
टिंक्चर क्लोरोफोर्म को	२ ड्राम
टिंक्चर कारडेमम को	२ ड्राम
सिरप औरनेशाई	१ ड्राम
एक्वा क्लोरोफोर्म	१२ औंस

मिलालें। एक औंस बरफ के पानी में डाल कर भोजन के हर दूसरे या तीसरे घण्टे बाद पिलावें।

(२)

बोनजोसोल	४० ग्रेन
हाईड्रैं सटिश्रा सल्फ	२ ग्रेन
सैलीसिन	५० ग्रेन

मिलाकर १५ कैप्सूल बनावें। हर चार घण्टे बाद एक कैप्सूल दें।

(३)

ओइल यूकैलिपटाई	१ ड्राम
म्यूसीलेज एकेशिआ	१ औंस
स्पिरिट एमोन एरोमैटिक	½ औंस
ग्लिसरीन	२ ड्राम
स्पिरिट क्लोरोफोर्म	२ ड्राम
एक्वा क्लोरोफोर्म	१२ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

मिलालें। हर तीन या चार घण्टे बाद एक औंस पिलावें।

(४)

लाईकर मोरफिआ	१ ड्राम
सोडा ब्रोमाइड	४५ ग्रेन
सिरप औरेनशाई	३ ड्राम
एक्वा क्लोरोफोर्म	२ औंस

मिलालें। सोते समय आधा पीलें। यदि अवश्यकता हो तो बाकी तीन घण्टे बाद पीवें। यदि टाइफाइड ज्वर में नींद न आती हो।

(५)

ओइल टैरेबिन्थ	१ ड्राम
ओइल ओलिव	१ ड्राम
इमल्शन एसाफिटीडा	८ औंस

मिलालें। गुदा में इन्जैक्शन दें।

(Typhus Fever टाइफ़स फीवर)
म्यादी बुखार

(१)

क्विनीन सल्फ	८० ग्रेन
एसिड सलफ्यूरिक डिल	½ ड्राम
सिरप सिम्पल	½ औंस
पानी	२ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के हर दो घण्टे बाद दें

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(Ulcers अल्सरज) घाव

(१)

इकथियोल	१० मिनिम
टिंक्चर बैनजोइन	१० मिनिम
एसिड बोरेसिक	१ ड्राम
जिंक औकसाइड	½ ड्राम
वैसलीन	१ औंस

मिलालें। टांग के फोड़े में लगावें। लगाने से यदि दर्द हो तो ५ ग्रेन कोकेन और मिलालें।

(Uraemia यूरमिआ)

(१)

पाइलोकारपीन म्यूरिएट	२ ग्रेन
पानी	२ ड्राम

मिलालें। दस मिनिम हारपोडरमिक इनजैक्शन दें।

(Varicocel वैरीकोसील)

अंडकोषों की नसों का फूलना।

(१)

स्ट्रिकनीन नाइट्रेट	१ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट अरगट	२४ ग्रेन
बेरिआई क्लोराइड	६ ग्रेन
एक्सट्रैक्ट्र कैसकेराई	१२ ग्रेन

मिलाकर २४ गोली बनावें। एक गोली दिन तीन बार

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

खिलावें। ठंडे पानी से अंडकोष को धोवें और पट्टी बाँध दें।

(२)

सोडाई ब्रोमाइड	४ ड्राम
सिरप औरेनशाई	४ ड्राम
पानी	३ औंस

मिलालें। छोटा चम्मच भर के दिन में तीन बार पिलावें। जब अधिक परिश्रम करने तथा अनिद्रा के कारण वर्टिगो का रोग हो जावें।

(२)

एण्टी पाइरीन	१ ड्राम
सोडाई ब्रोमाइड	२ ड्राम

मिलाकर १२ कैपसूल बनावें। एक गोली दिन में तीन बार खिलावें।

(३)

टिंकचर जैलसेमिन	१ औंस

दस मिनिम दिन में तीन बार पिलावें।

(Vomitting वौमिटिंग) कै आना।

(१)

एसीटेनीलीडी	६ ग्रेन
कैफीन साइट्रेट	३ ग्रेन
कैम्फर मोनोब्रोम	६ ग्रेन

मिलाकर ६ पुड़िया बनावें। थोड़ी ब्राण्डी में एक

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पुड़िया घोल लें। चम्मच से पिलावें। आवश्यक्ता हो तो आधे घण्टे बाद फिर पिलावें।

(२)

सीरिअम औकजेलेट	१ ड्राम
कोकेन हाइड्रोक्लोरेट	३ ग्रेन
मेनथोल	१२ ग्रेन
बिसमथ सैलीसिलेट	१ ड्राम
सिम्पिल एलिकजिर	६ औंस

खाली पेट एक बड़ा चम्मच भर के दिन में चार बार पिलावें।

(३)

सोडाई बाईकार्ब	१५ ग्रेन
एसिड हाइड्रोसाइनिक डिल	१½ मिनिम
एक्वा कैम्फर	१० ड्राम

मिलालें। भोजन के बाद दिन में तीन बार पिलावें।

(४)

मेनथोल	१५ ग्रेन
स्पिरिट वाइनाई रैक्टीफाइड	५ ड्राम
सिरप सिम्पल	७½ ड्राम

मिलालें। हर घण्टे बाद छोटा चम्मच भर के पिलावें। गर्भवती के लिये।

(Wart वार्ट)

(१)

क्लोरल हाइड्रेट	१½ ड्राम
एसिड एसेटिक	१½ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एसिड सैलीसिलिक	१ ड्राम
स्पिरिट ईथेरिस	१ ड्राम
कौलोडाई	४ ड्राम

मिलालें। लगाने के लिये।

(Worms वर्म) कीड़े पड़ जाना।

(१)

सैनटोनिन	४ ग्रेन
ऑइल मेन्थ पिप	५ मिनिम
स्पिरिट एमोन एरोमैटिक	४ ड्राम
स्पिरिट टिनुइओरिस	४ औंस
सिरप	१० औंस

मिलालें। एक वर्ष से तीन वर्ष तक के बच्चों को आधा छोटा चम्मच भर के पिलावें। चार वर्ष से सात वर्ष तक के बच्चे को छोटा चम्मच भर के पिलावें।

(२)

फैरी सल्फ	१ ड्राम
इन्फ क्वाशिया	२० औंस

मिलालें। साबुन मिले गरम पानी का इनेमा देकर नीचे की आँत साफ करें। ऊपर की दवा का तिहाई भाग इनजैक्ट करें।

(६)

सैनटोनिन	½ ग्रेन
कैलोमैल	½ ग्रेन

टिकिया बनालें। मात्रा:-एक से छः टिकिया तक।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इन्जैक्शन प्रकरण

आधुनिक युग में चिकित्सा दो प्रकार से ही होती है एक तो पेटेन्ट औषधियों द्वारा दूसरी इन्जैक्शन द्वारा। आजकल इन्जैक्शन का इतना प्रभाव बढ़ा है कि होमियोपैथ, वायोकेमिक आयुर्वेद तथा यूनानी सभी इन्जैक्शन द्वारा चिकित्सा करते हैं। इस प्रकरण में हम ने प्रचालित इन्जैक्शन के बारे में प्रकाश डाला है। प्रत्येक इन्जैक्शन को किस किस रोगों में लगाना चाहिए। किस कम्पनी का कितनी मात्रा में आता है और लगाने की विधि क्या है यही पता इस तालिका से चल सकेगा।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Acetylarsan. एसेटायल आरसान	M.B.	2.c.c x10amp 3.c.c.x10amp	I.M.	शुरूमें १ सी०सी० इसके बाद ३ सी०सी०सप्ताह में दोबार देना अथवा ५सी०सी०प्रति सप्ताहमें, बच्चों को २ सी० सी०	आतशक(Syphilis),जृम्भा (Yaws), सेकेण्डरी अनेमिया, त्वचा के रोग जैसे:— अपरस (Psoriasis), विस्फोट (Pemphigus).
Adrenaline Hydrochloride एनेड्रेलिन हायड्रोक्लोराइड		½c.c.x6amp ½c.c.x12amp	S.	आवश्यकतानुसार १ इन्जैक्शन	सदमा, हृदय को शक्ति देने, दमा के दौरे में, रक्त बन्द करने के लिये, पित्ति उछलने में, निमोनिया में, अवसाद में और हैजे में।
Adrenaline Ephedrine एड्रेनेलिन-एफ़ेड्रिन		1c.c.x6amp 1c.c.x12amp	I.MS.	आवश्यकतानुसार १ इन्जैक्शन	एड्रिनेलिन हायड्रोक्लोराइड के समान गुण होते हैं। पर दमे का दौरा शान्त करने के लिए अधिक उपयोगी है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Adreno-strychnine Co एड्रिनो-स्ट्रिकनिन को०		1c.c.x6amp 1c.c.x12amp	S	आवश्यकतानुसार एक इन्जैक्शन	नब्ज को मजबूत करने के लिये, हैज़ा, निमोनिया, मियादी बुखार आदि में।
Ametox Soda Thiosulphate एमेटोक्स सोडा थायोसल्फेट	M.B.	5c.c.x10amp 0.45 Gramme 5c.c.x10amp 0.60 Gramme	I.V.	प्रथम दो दिन तक 5c.c. प्रति दिन फिर दूसरे दिन 5.c.c कुल ६ इन्जैक्शन	बिसमिथ तथा आर्सेनिक आदि धातुओं के इन्जैक्शनों से पैदा होने वाले विषैले विकारों में।
Aminophylline एमीनो फायलीन	A.H.	2c.c. 10c.c.	I.M. I.V.	2c.c. इन्जैक्शन को शरीर के; तापमान के अनुसार गर्म करकेमांस पेशियों में तथा १०सी० सी०वाले को शिरा में।	दमकशी, हृदय की गति का रुक जाना अथवा मन्द पड़ जाना, शोथ, श्वास रोग, बलगम में रक्त का आना, हृच्छूल (Angin

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
					Pectoris) गर्भविक्षेपक (Eclempsia).
Anacardone एनकार्डोन	B.D.H.	2c.c. 5c.c	I.M. I.V.	१-४ सी० सी०I. M. १-१५ सी०सी० I.V.	श्वास क्रिया तथा हृदय को उत्तेजित करने वाला, हृदय विकार तथा नब्ज की कमजोरी असवाद (Collapse) की दशा में।
Anaheamin Liver Extract (लीवर एक्सट्रेट)	B.D.H.	1c.c. 2c.c.	I.M.	२ सी०सी पहिले दिन फिर १ सी०सी०प्रत्येक दो सप्ताह के अंतर से।	पाण्डुरोग Pernicious Anaemia.
Androstin एन्ड्रोसटिन शुक्रग्रन्थि का सत)	CIBA	1-6 सी०सी० के 6 apm	I.M.	बारी बारी से अर्थात् पहिले नं०१ फिर नं०२ इसी प्रकार इन्जैक्शन दें।	शक्तिवर्द्धक, कामोदीपन तथा नपुंसकता नाशक, समय से पहिले बुढ़ापे का आना, मोटापा आदि के लिये

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Aneudermin	W.C.W.	1c.c.x10amp 1c.c.x50amp 1c.c 100amp R.C. vial10c.c.	I.M.	१ सी० सी सप्ताह में एक बार अथवा दो बार	मितली (Nausea), गर्भ की दशा में कै अथवा मितली आना, वमनाधिक्य (Hyperemesis Gravidarum), समुद्र अथवा हवाई जहाज की कै इत्यादि में, बिटामिन बी०, तथा बी० ६ की कमी में, तांडव ज्वर (Chorea) आदि में।
Antistine एनाटिस टीन	Ciba	2 c.c. 5 c.c.	I.M. I.V.	१-२ सी०सी० दिन में २-३ बार	श्वास रोग, पित्ती उछलना, खुजली, एकजिमा, हे फियर।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Antex dumex ऐन्टेक्स्	Dum-ex	300 I.U. 3000 I. U.	I.M.	रज अदर्शन में ३००० I.U. प्रतिदिन ५ दिन तक फिर इसके बाद फाइसेक्स के तीन इन्जैक्शन तीसरे दिन दें। बाँझपन में ३०० से ३०००० I.U. सप्ताह में दो अथवा तीन बार।	रज-अदर्शन तथा बांझपन में।
Anthisan	M.B.	2c.c.x 10 amp	I.M. I.V.	४-८ सी०सी प्रतिदिन	खुजली, श्वास, पित्त उछलना, हे फीवर, आधा सीसी का दर्द, गर्भावस्था की वमन, शहद की मक्खी तथा कीट-पतंगों के डंक के विष में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Atodhanyl (Scherring) एटोफैनील (एटोफेनसोडियम सोडा एलीसोलास	Scherring	5c.c.x6amp 10c.c.x6amp	I.M. I.V.	एक इन्जैक्शन प्रदिदिन (अधिक से अधिक १५ इन्जैक्शन)	शूल नाशक, गांठया, बाय सायटिका, कमर का दर्द आदि की तीव्र वेदनाओं को शान्त करने के लिए प्रयोग करते हैं ।
Ascorbicin (Soda Aceto-carbo) एसस्कौर्बीसीन	Squibb	100 mg प्रति c.c.	I.V.	प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन	स्कर्वी अर्थात् दांतों से खून आना ।
Bellafoline बेलाफोलीन (बेलोडोना की पतियां)	Sondoz	1c.c.x6amp	S.	½ से २ सी०सी० प्रति दिन आवश्यकता के अनुसार ।	शूल युक्त कब्ज, आंत और पेट के जख्म, जिगर की पथरी, दमा, काली खाँसी, दर्द गुर्दा, माहवारी का दर्द आदि ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औधधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Benerva बिनर्वा (विटामिन बी १)	Roche	1c c.5mg 1c.c.25mg	S I.M. I.V.	१-२ एम्पूल्स प्रथम दिन फिर तीसरे दिन से २ अम्पूल्स प्रतिदिन	देखो बिटामिन बी १
Berin बेरिन (विटामिन बी १)	Glaxo	10 M.G. प्रति सी० सी० x10 25M.G. प्रति सी०सी०x10c.c 50 M.G.प्रति. सी० सी० x10 c.c.	I.M. I.V.	५ से १० M.G. प्रति दिन।	देखो बिटामिन बी १
Betalin बिटेलीन (बिटामिन बी १)	Lily	100m.g.x10c c 5c.c.x30mg. 5c.c.x60mg. 5c.c.x100mg.	I.M.	१० M.G. से १५ M.G. तक प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन आवश्यकतानुसार	देखो विटामिन बी १

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Bismostab (Bismuth) बिस्मोस्टेब (बिसमिथ)	Boot's	5c.c. 10c.c.	I.M.	२ सी०सी० सप्ताह में दो बार।	आतशक (Syphilis) में N.A.B अथवा संख्या के दूसरे इन्जैक्शनों के साथ साथ बीच में देना उत्तम होता है।
Bisglucol बिसग्लुकोल (बिसमिथ)	M.B.	10c.c. 25c.c.	I.M.	२ सी० सी० सप्ताह में दो बार।	आतशक में। यह भी बिस्मोस्टोब के समान प्रयोग होता है।
Caffin Sodio Benzoate कैफीन सोडियो बेन्जोएट		1c.c.x6amp 2½ grs, 1c.c.x6 amp. 3 grs, 2c.c.x6amp 5 grs, 2c.c.x6 amp 7½grs.	S I.M. I.V.	१ से २ सी०सी० १२ अथवा २४ घण्टों के अन्तर से आवश्यकतानुसार।	मूत्रल, हृदय तथा श्वांस की क्रिया को शक्ति देने वाली, निमोनियां, टाइफाइड ज्वर, हैजा, प्लुरिसि, वृक्शोथ आदि में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Caffin Sodio Salicylate कैफीन सोडियो सैलीसिलेट		1c.c.x6amp 3grs, 2c.c.x6 amp 6 grs.	I.M. I.V.	२ से ४ ग्रेन तक १२ अथवा २४ घण्टे के अन्तर से।	नाड़ी शूल, बाय, दर्द कमर और अन्य दूसरे दर्द में।
Calcibronate कैलसिब्रोनेट	San-doz	5c.c. 10c.c.	I.M. I.V.	२ से ३ इन्जैक्शन प्रति सप्ताह	पित्ति उछलना, खाज, खुजली, त्वचा प्रदाह, एकजिमा, मृगी, दमा, हेफीवर, कर्णशद्ध आदि में।
Calciostab कैलसियोस्टैब	Boot's	6c.c.	I.V.	प्रतिदिन ७ दिन तक लगातार बाद में दूसरे तीसरे दिन।	बिसमिथ तथा आर्सेनिक आदि धातुओं के प्रयोग से उत्पन्न होने वाले विकारों में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Calcium Chloride		2c.c.—2% 1c.c. 5 ,, 2c.c. 5 ,, 5c.c. 5 ,, 10c.c. 5 ,, 1c.c 10 ,, 2c.c. ,, ,, 3c.c. ,, ,, 5c.c. ,, ,, 10c.c. ,, ,,	I.V.	एक इन्जैक्शन आवश्यकता के अनुसार अथवा आरम्भ में २ सी०सी० ५ प्रतिशत फिर शनै २ रोग की दशा के अनुसार मात्रा शक्ति बढ़ाते रहें सप्ताह में २ या ३ बार।	रक्त स्तम्भक, प्रदाह-हर, निमोनिया, प्लुरिस, गंडमाला, बेरी-बेरी, रक्तस्राव, बलग़म और वमन द्वारा अन्य प्रकार के रक्तस्राव, श्वास रोग, क्षयरोग, जुक़ाम, काला जार।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Calcium Gluconate कैलशियम ग्लूकोनेट		2c.c.-3c.c. 5c.c.तथा 10c.c. 5%-10 तथा 10c.c.-20%	I.M. I.V.	आरम्भ में थोड़ी मात्रा दें फिर शनैः शनैः बढ़ाते जाएं।	शीत पित्त, रक्तस्राव, क्षय-रोग, कमलवाय, ग्रथि शोथ नेत्र प्रदाह, एक्जिमा, दुर्बलता, सेरा-वेकसीन, आरसेनिक तथा मरक्यूरियल आदि से उत्पन्न होने वाले विकारों में, पुराने चर्मरोगों में, आपेक्षा (Totany)
Calcium c Iodine कैलशियम कम आयोडीन		2c.c. 5c.c. 10c.c.	I.M. I.V.	तीसरे अथवा चौथे दिन	गर्भाशय सम्बन्धी रोग (वरम), फोड़े, फुंसी, मवाद, कर्ण प्रदाह, कंठमाला, पायोहिया, स्याटिका अस्थि प्रदाह एक्जिमा, शीतपित्त, खुजली,

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Calcinol कैलसीनोल (कैलशियम ग्लुकोनेट)		5c.c. 10c.c.	I.M. I.V.	कैलशियम ग्लुकोनेट के अनुसार।	कैलशियम ग्लुकोनेट के अनुसार।
Camphor in Aether		१,२ तथा ३ ग्रेन प्रति सी०सी० Amp. ६ अथवा १२ का बक्स।	S I.M.	१-२ सी०सी० आयु के तथा दशा के अनुसार, आवश्यकता पर १-२ घण्टे के अन्तर से।	असवाद (Collapse), सदमा, हृदय को उत्तेजित करने के लिये, नब्ज के छूट जाने में, हृदय की शक्ति कम हो जाने में।
Camphor in Oil		1c.c. $1\frac{1}{2}$ grs. 1c.c. 3 grs. 2c.c. 6 grs.	S I.M.	कैमफर इन इथर के समान।	कैम्फर इन इथर के समान।
Campolon (Liver Ext.) कैम्पोलान	Bayer	3x5c.c. 5x2c.c.	I.M.	एक इन्जैक्शन प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन।	पाण्डु रोग, दुर्बलता तथा स्प्रु।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Camphor in oil with Aether कैम्फर इन आयल विद ईथर		1c.c.-3 grs 1c.c.-6 grs (६—१२)	I.M.	कैम्फर इन ईथर के समान।	कैम्फर इन ईथर के समान।
Camphor in Aether with Musk कैम्फर इन इथर विद मुश्क।		कैम्फर ३ ग्रेन मुश्क $\frac{1}{4}$ ग्रेन प्रति सी०सी०	I.M.	कैम्फर इन इथर के समान।	कैम्फर इन ईथर के समान।
Capritox (Male) कैप्रीटौक्स मेल (अंड ग्रन्थिका हौर्मोन तथा विटामिन ई०)	T.C.F.	1c.c.x6Amp भिन्न २ शक्ति के	I.M.	एक सी०सी० प्रति दिन अथवा तीसरे दिन, साधारणतः १२ इन्जैकशन काफी होते हैं।	पुरुष की मस्तिष्क और शारीरिक दुर्बलता, धातुक्षीणता, नपुंसकता, जननेन्द्रियों का पूर्णरूप से न बनाना, अरुचि, स्वभाविक सिर दर्द।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Capritox (Female) कैप्रीटोक्स फीमेल	T.C.F.	1c.c.x6Amp " " "	I.M.	क्रेप्रीटोक्स मेल के समान।	स्त्रियों के स्नायविक विकार, कष्ट रज, अल्प दुग्ध स्राव, स्तन शोथ, रक्त प्रदर, रजोनिवृति के विकार आदि।
Carbachol कर्बाकोल		1c.c.x6amp	S I.M.	दिन में १ बार अथवा २ बार।	मूत्राधात (औप्रेशन के पश्चात् मूत्र का रुक जाना)
Casbis (Bismuth) कैसबिस	Bayer	1.5c.c.x10amp 10 तथा 15c.c. की शीशी	I.M.	पहिली मात्रा ½ सी० सी० फिर बाद में १ सी०सी ३-३ दिन के अन्तर से (कुल १२-१५ सी०सी०)	आतशक (Syphilis)
Cholectrin कोलेक्ट्रीन	B.D.H.	5x10c.c.	I.V.	१० सी०सी प्रतिदिन अथवा सप्ताह में ३ बार रोग के अनुसार	कब्ज, पित्त की कमी, पित्ताशय का प्रदाह, पित्ताश्मरी।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगोंमें गुणकारी
Cibalgin सोबालजिन (डायल तथा एमेडो पायरीन)	Ciba		I.M. I.V.	१ से २ सी० सी० आवश्यकतानुसार।	शूल नाशक, शामक, ज्वर नाशक, प्रत्येक प्रकार के शूल जैसे-सिर दर्द, नाड़ी शूल, आधी सीसी का दर्द, दन्त शूल, कर्ण शूल, मासिक धर्म का शूल।
Cibazol सीबाजोल	Ciba	5c.c.x5amp 5c.c.x20amp	I.M. I.V.	१-२ इन्जैक्शन प्रतिदिन	निमोनियाँ, सुजाक, प्लेग, गर्दन तोड़ ज्वर, पेचिश, फोड़े, सुर्ख बाद, चर्म रोग, मूत्राशय प्रदाह, कर्ण प्रदाह, पायलाइटिस।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Cinchonine Bi-hydrochloride सिनकोनीन बाई हयड्रोक्लोराइड		1c.c.x5 grs 2c.c.x5 ,, 1c.c.x7½ ,, 2c.c.x10 ,, 2c.c.x15 ,,	I.M.	५ से १० ग्रेन तक प्रतिदिन	विषम ज्वर Malerial-fever)
Cipalon सिपलान (लीवर एक्सट्रेक्ट)	Cipla	2c.c. 5c.c. 10c.c.	I.M.	२ सी० सी० दूसरे तीसरे दिन अथवा ५ सी० सी० सप्ताह में ३ बार तीव्र रोग में	लिवर एक्सट्रेक्ट के समान
Clinestrol क्लिनेस्ट्रौल	Glaxo	I.M.G.x1c.c. x 6 amp 5MGx1c.c. x 6 amp			स्टिलबिस्ट्रौल के समान

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Coagulen कोएगुलीन	Ciba	1.5c.c.x5amp 5c.c.x5amp		आवश्यकता के अनुसार दिनमें १ अथवा दो बार	रक्तस्राव
Colloidal Calcium कोलौयडल कैलशियम		½c c.x6amp 1c.c.x 6 amp 10c.c. तथा 30 c.c. की सी०सी०	S I.M.	½ से १ सी० सी० सप्ताह में २-३ बार	
Colloidal Calcium with vitamin-D कोलोयडल कैलशियम विद विटामिन डी०		½c c.x6 amp 1c.c.x6 amp 10c.c. तथा 30c.c. की सी०सी०	S I.M.	½ से १ सी० सी० सप्ताह में २-३ बार	दमा, चर्म रोग, क्षय आदि

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Colloidal Iodine कोलोयडल आयोडल		1 in 500 x 5c.c. तथा 10c.c. 1 in 100x1 c.c.x6amp 10 तथा ३० सीं०सी०	S I.M. I.V.	१-१०० की एक सी०सी० सप्ताह में एक अथवा दो बार १-५०० की पांच सी०सी० सप्ताह में १ या दो बार।	आतशक (Syphilis), क्षय रोग, सीने के रोग, जोड़ों की सूजन, घेंघा, मोटापा, टोन्सिलाइटिस।
Colloidal Manganese कोलोयडल मेगानीज़		½ c.c. तथा 1c.c.x 6 amp 10 तथा 30 c.c. की सी०सी०	I.M.	१-२ सी०सी से १ सी०सी० सप्ताह में दो अथवा तीन बार	रक्त शोधक, फोड़े, फुन्सी अंगुल बेल, एक्जिमा, मुंहासे, कंठव्रण, पीव, तथा त्वचा के रोग।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Colloidal, Stanno Manganese कोलोयडन स्टेनोमनगानीज़		1c.c.x6amp 10c.c. तथा 30 c.c की सी०सी०	I.M.	⅓ सी० सी० से १ सी०सी० तीसरे चौथे दिन	कोलायडल मेगानीज़ के अनुसार।
Colloidal Sulphur कोलोयडल सलफर		1c.c. x 6amp 2c.c. x 6amp	I.M.	१ से २ सी०सी सप्ताह में १ अथवा दो बार	आमवातज, संधिशोथ (Rheumatoid Arthritis) बाय, नाड़ी प्रदाह।
Congored कोंगोरेड		5c.c. x 6amp 10c.c. x 6amp	I.V.	१ अथवा २ इन्जैक्शन जरूरत के मुताबिक	रक्त स्तंभक, प्रत्येक प्रकार का रक्तस्राव।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Coramine कोरेमिन	Ciba	1·7 c.c. तथा 5·5c.c.	S I.M. I.V.	बार-बार जरूरत के मुताबिक	श्वास क्रिया तथा हृदय को उत्तेजित करने वाली, निमोनिमाँ, म्यादी ज्वर, प्लेग, हैजा इंफ्लुयंजा, सदमा, बेहोशी, ज्वर हृदय की गति तथा श्वास का कम पड़ जाना।
Coramine Ephedrine कोरेमिन एफ़ेड्रीन	Ciba	1c.c. x 5amp		१ अथवा २ इन्जैक्शन प्रतिदिन जरूरत के मुताबिक	श्वास रोग, हृदय तथा श्वास की क्रिया को उत्तेजित करने वाला।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Contramine कोन्ट्रेमाइन	B.D.H.	0·25 G.M. प्रति सी०सी० 0·125 G·M. प्रति सी० सी० 0·25 M.G. प्रति २ सी० सी० 1 c.c. तथा 2c.c. के amp	I.M.	प्रथम इन्जैक्शन ०·१२५ ग्राम दूसरा इ० ०.२५ ग्राम तीसरा इ० ०·२५ ग्राम हफ्ते में एक बार, भिन्न २ रोगों में इन्जैक्शन की मात्रा तथा समय भिन्न २ होते हैं।	संधि प्रदाह, सुजाक, (नया अथवा पुराना), कमर का दर्द, बाय, नाड़ी प्रदाह, कम नजरी

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Corpora Lutea	P.D.	1c.c.	I.M.	१ सी० सी० प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन अथवा सप्ताह में दो या तीन वार अधिक से अधिक, रोग की कमी होने पर मात्रा को धीरे धीरे घटाना चाहिये।	स्वाभाविक गर्भपात, गर्भावस्था की वमन, युवतियों के रजो निवृत्ति के विकार।
Corvotone कोर्वोटोन	Boot	2 c.c. 5c.c.	S I.M. I.V.	आवश्यकतानुसार	हृदय की गति अथवा श्वास क्रिया का मन्द पड़ जाना, सदमा, गशी।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Crinhepar क्रिनहिपर		2c.c. x 6 amp	I.M.	दूसरे तीसरे दिन	लिवर एक्सट्रेक्ट के समान
Cyclonal Sodium साइक्लोनल सोडियम	M.B.	6 x 0·5 ग्राम Powder 12 x 0·5 ग्राम ,, 6 x 1·0 ग्राम ,, 25 x 1·0 ग्राम ,,	I.V.	आवश्यकतानुसार	बेहोश करने के लिये।
Corasol (Leptazol) कोरसोल	Cipla	1c.c. x 5, 10, 50 amp (20% 5c.c. फोर्टे) 10% x 10, 100c.c. की सी०सी०	S I.M.	१-२ सी०सी०	एनेलेप्टिक कारडिक तथा पीरेट्री उत्तेजक।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Corasol Ephedrin कोरसोल एफेड्रीन	Cipla	1c.c. x 6 50 apm	S I.M.	१-३ सी०सी० प्रतिदिन	ब्रोनशिअल ऐजमा, सरकुलेटरी तथा रिसपोरेट्री विकार, कोलेप्स की दशा, ईरीटेएट तथा स्वोलन मूकोज मेमब्रेन [नाक की तथा लैरेंजिअल कटार्ह ।
Corasol Qinin कोरसाल क्वनीन	Cipla	1c.c. x 5, 50 amp	I.M.	एक एम्पुल २ से ३ बार प्रतिदिन ।	निमोनियां, इंफ्लूऐजा, ब्रोनचीटिस फेब्रील की विकार की दशा, हूपीगंकॉफ़, यूटेरिन कनट्रेक्शन की वृद्धि करना ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Corhormon कारहोरमोन	Cipla	1c.c. x 10 ,30, 100 amp	S I.M.	१-२ सी०सी० प्रतिदिन आवश्यकता के समय, २ सी०सी० ५ प्रतिशत x१० सी०सी० ग्लुकोज अथवा किसी कारडिक उत्तेजक के साथ I.V. भी दिया जा सकता है ।	मयोडे जेनेरेटिओ कोर्डिस, कायोकार्डिटिस, इनयोकार्डिटिस, पेरी कार्डिटिस, डिफथेरियल मायोकर्डिटिस में विशेष, एनजिना पेकटोरिस, कार्डिक एज़मा, आटेरीओस क्लोरिसिस, रूहमेटिजिम, डायलेशन आफ हार्ट, कार्डिक पोयजिनिंग आदि में ।
Dekadexolin डेकडिक्सोलीन तबिटामिन ए (था डी)	Glaxo	1c.c.	I.M.	१ सी०सी० प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन	ज्वर, इन्जैक्शन (संक्रामक)

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Digifolin डीजी फोलीन (डीजीटेलिस)	Ciba	1c.c.	I.M. I.V.	प्रतिदिन १ से ४	डीजीटेलिन के समान।
Dgiilanid डीजी लेनीड (डीजीटेलिस)	Sando-Z	2c.c. 4c.c.	I.M. I.V.	प्रतिदिन एक इन्जैक्शन अथवा आवश्यकतानुसार	डीजीटेलिन के समान।
Digitalin डीजी टेलिन		1/100 ग्रेन प्रति सी०सी० ६ तथा १२ amp	S I.M. I.V.	१ सी०सी० दिन में एक अथवा दो बार।	हृदय को शक्ति दायक, नब्ज की गति को मन्द तथा नियमानुकूल करता है। मूत्रल, निमोनिया, टायफाइड ज्वर, शोथ रोग, बृक्क रोग, दम का घुटना आदि में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Digitalin And Strychnine		डीजीटेलीन $\frac{1}{100}$ ग्रेन प्रति सी०सी० स्ट्रिक्वनीन $\frac{1}{60}$ ग्रेन प्रति सी०सी०	S.	एक सी०सी दिन में एक बार अथवा दो बार	डीजीटेलीन के समान हृदय की गति के रुक जाने अथवा मन्द पड़ जाने में।
E.C.C.O. ई० सी०सी०ओ० (कैम्फर, क्रियासोट इत्यादि)		1C.C. 2C.C. 10C.C. की सीसी 100 C.C. की सीसी	S I.M.	सप्ताह में दो बार शुरू में $\frac{1}{2}$ सी०सी० फिर शनैः शनैः ५ सी०सी० तक	कुष्ट रोग

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Emetine Hydrochloride इमेटिन हायड्रो क्लोराइड		$\frac{1}{4}$gr $\frac{1}{2}$c.c., $\frac{1}{3}$ gr $\frac{1}{2}$c.c., $\frac{1}{2}$ gr $\frac{1}{2}$ c.c., $\frac{1}{2}$ gr 1c.c., 1 gr 1c.c. तथा टेबलेटस $\frac{1}{4}$ gr, $\frac{1}{3}$gr, $\frac{1}{2}$gr, 1gr.	I.M.	$\frac{1}{2}$ ग्रेन अथवा १ ग्रेन प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन।	पेचिश (अमेबिक), यकृत-प्रदाह, यकृत का फोड़ा, कमलवाय तथा यकृत विकार।
Ephedrine Hydrohloride एफेडीन हायड्रो क्लोराइड		$\frac{1}{2}$c.c. 1c.c.	S. I.M. I.V.	१ इन्जैक्शन जरूरत के मुताकिक	काली खाँसी, दमें का दौरा। शीत पित्त,तथा सिरम रैश,

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Gadusan गैडूसान (कौपर मौर्हु येट)		2c.c. x 10 Amp 5c.c. x 5 Amp 10c.c. x 3Amp	I.M. I.V.	शुरु में २-५ सी०सी० को एक मात्र शिरा द्वारा दें, बाद में २-२ दिन के अन्तर से १० सी०सी० दें । बालकों को ५ सी०सी प्रति-दिन मांस पेशियों में दें । २० इन्जैक्शन के पश्चात् १ सप्ताह के लिए छोड़ दें, अथवा सप्ताह में ३ बार २-३ सी०सी० शिरा द्वारा देवें ।	यह फुफ्स की क्षय में विशेष लाभदायक होती है। कुछ दिनों में ज्वर कम हो जाता है तथा शरीर का वजन बढ़ने लगता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Ergometrine अर्गोमेट्रीन	M.B.	2c.c. x 0·25 M.G. प्रति c.c. (I.M.),6 amp 5c.c.x0.02M.G.प्रति सी०सी० I.V. 6 amp	I.M. I.V.	I.M.–0·25 mg से 0—5 mg I.V.—0·05 mg से 0–10 mg	प्रसव के बाद का रक्तस्राव, प्रसव के समय वेदनाओं का कमजोर हो जाना।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Gardenal Sodium गार्डिनल-सोडियम	M.B.	०'२ ग्राम (३ ग्रेन) प्रति सी० सी० 6amp का बक्स	I.M. I.V.	भयंकर प्रलाप (Delirium Tremens) में ०'२ ग्राम तथा S-०'2 से 0'6 ग्राम तक मृगी में गर्भाविक्षेपक (Eclampsia) में ०'२ ग्राम यदि आवश्यकता हो तो ६ घण्टे में दुबारा।	नींद लाने वाला, शामक, मृगी में गर्भाविक्षेपक (Eclampsia) में, स्ट्रिक्नीन के विष में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Glucose ग्लुकोज		5%-5c.c., 10c.c., 25 c.c. 6amp. $12\frac{1}{2}$%10c.c., 25c.c., 6 तथा 12 amp 25%-10c.c., 25c.c. 50%-10c.c., 25c.c.	S. I.V. R.	जरूरत के मुताबिक	पोषक, वमन, शक्तिवर्द्धक, मितली, दौर्बल्य, गर्भाविच्छेपक,[Eclampsia], आमाशय तथा आँतों के जख्म, मूत्रघात, मधुमेह, कामला, रक्तस्राव, हैजा, दिल की कमजोरी आदि में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Glucose in normal saline ग्लुकौज इन नौरमल सैलाइन		25c.c.x5amps. 25c.c x50amp 25c.c.x100 amp.100c.c. x3amp. 50 c.c.x5amps.	सबकुटे निअल इन्फ्यूजन	आवश्यकता के अनुसार २५-५०० सी० सी० चर्म के नीचे याने सबकुटेनिअल इन्फ्यूजन द्वारा शनैः शनैः।	उन रोगों में जिन में रक्त की अचानक कमी हो जाती है जैसेः—कौलेरा, डिसेन्ट्री, डायरिया, वमन, गर्भ समय की वमन, गर्भावस्था में रक्त की कमी।
Gunacrine गोन क्राइन	M.B.	C-5%5c.c. x6amp. 2%5c.c. x6 amp.	I.V.	२ प्रतिशत ५ सी०सी० शिरा द्वारा सप्ताह में ३ बार।	सुजाक तथा मूत्र के रोग, जैसेः—गोनोकोकल एर्थ्रीटिस, प्रोसटेटिटिस, किसटिटिस तथा ओर्चीएपिडिडेमिटिस, तीव्र तथा पुराना सुजाक।
Neutra Acriflavine					

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Gynergin गाइनर्जिन	San-doz	½c.c.x6 amp 1c.c.x6amp	S I.M. I.V.	½ सी०सी० आरम्भ में आधासीसी के दर्द में देवें, यदि फ़ायदा न हो तो १ घण्टे के बाद दूसरा दें।	आधासीसी का सिर दर्द, प्रसवोत्तर रक्तस्राव।
Hepastab हेपस्टैब	Boot	2c.c.x6amp 10c.c. शीशी	I.M.	एक दिन छोड़ कर तीसरे दिन।	पाण्डु दुर्बलता।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Hepatex Compound हेपटेक्स कम्पाउण्ड (लीवर ऐक्स-ट्रैक्ट आदि)	Evans	1c.c.x6amp 1c.c. x12amp	I.M.	१ सी०सी० प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन	पाण्डु रोग तथा दुर्बलता
Hexamine हैक्सेमिन		40%x5c.c. तथा 10c.c.	I.V.	गुनगुना करके सप्ताह में दो बार अर्थात् ३-४ दिन	मूत्राशय का प्रदाह, मूत्रघात, वृक्यप्रदाह, पिताशय के रोग, कमलवाय, टाइफाइड फीवर, गर्दनतोड़, ज्वर, सुजाक, सैप्टीसीमिया, खारिस।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Histamine हिस्टामिन		$\frac{1}{2}$c.c., 1c.c. के amp. 10c.c. की शीशी	S	०.३ से ०.५ मिली ग्राम सप्ताह में २ अथवा ३ बार	गठिया, बाय, नाड़ी प्रदाह, रूमेटौयड आर्थराइटिस, आधाशीशी का सिर दर्द, एक्जिमा, खाज, जख्म।
Hydraryri Bin-Iodide हायड्राजिरी बिन आयोडाइड		3% 1c.c. 3% 2c.c.	I.M.	शुरू में १ सी० सी० फिर शनैः शनैः दो सी०सी० तक बढ़ावें ५ वें अथवा छटे दिन देवे। पाँच अथवा छः सप्ताह तक दे सकते हैं।	आतशक

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Hydrargyri Perchloride हायड्रार्जिरी पर क्लोराइड		$\frac{1}{8}$ gr. x1c.c. $\frac{1}{4}$ gr. x1c.c. $\frac{1}{4}$ gr. x2c.c.	I.M. I.V.	एक इन्जैक्शन ५ वे छटे दिन कुल ५ ग्रेन तक दिया जा सकता है।	अधिकतर आतशक में प्रयोग होता है।
Hyoscine Hydrobromide हाय ओसीन हायड्रोब्रोमाइड		$\frac{1}{100}$ gr. x1c.c.	S I.M.	$\frac{1}{2}$ सी०सी० से १ सी०सी० तक।	यह नींद लाने वाला है। उन्माद, अनिद्रा, मृगी, कोरिया, मदात्यय, प्रसव के बाद का उन्माद में लाभदायक है।

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust
Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Hyoscine-morphine Compound हायोसीनी मोर-फीन कम्पाउण्ड		1c.c. x6amp			
Hypertonic Saline हायपर टोनिक सैलाइन		सोडियम क्लोराइड ३० ग्रेन कैलशियम क्लोराइड १ ग्रेन २५ सी०सी०6 amp	S I.V. R	४ ऐमप्यूल (१०० सी० सी०) में डिस्टिल्ड वाटर मिलाओ कि कुल २० औंस हो जाए जरूरत के अनुसार।	मूत्रल है: रक्त के दौरे को पूर्ववत् करने वाला, हैजा, क्षीणता याने दुर्बलता, तीव्र रक्तस्राव में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Insulin इन्सुलीन		२०, ४०, ८० यूनिटस् प्रति सी०सी० की ५ तथा १० सी०सी० की शीशी	S	प्रातः जलपात से ½ घण्टा पूर्व ५ यूनिट का इन्जेक्शन देवें तथा शनैः शनैः आवश्यकता के अनुसार सावधानी से मात्रा बढ़ावें । विशेष जानकारी के लिये औषधि के साथ का पर्चा देखें	मधुमेह ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Insulin Globin with zinc इन्सुलीन ग्लोबीन विद् जिंक		४० तथा ८० यूनिटस् प्रति सी०सी० की ५ तथा १० सी० सी० की शीशी	S	इंसुलीन के समान	मधुमेह ।
Insulin Protamine zinc इन्सुलीन प्रोटामाइन जिंक				इसके इन्जैक्शन इंसुलीन की अपेक्षा कम लगते हैं। इसे पृथक अथवा साधारण इंसुलीन के साथ में भी प्रयोग कर सकते हैं पूर्ण जानकारी के लिए शीशी के साथ का पर्चा देखें।	मधुमेह।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Iodolysin आयडोलासीन	A.H.	1c.c. 2c.c.	S I.M.	सप्ताह में १ बार	रूमेटौयड अर्थराइटिस
Iron Arsenite आयरन आर्सीनाइट		1 gr.x1c.c. 6 तथा 12	I.M.	$\frac{1}{2}$ से १ सी०सी० तीसरे दिन खाली पेट अर्थात् भोजन के पहिले। ६ से ८ इन्जैक्सन काफी होता है।	जीर्ण अतिसार, जीर्ण मलेरिया, रक्तालपता (खून की कमी), (क्षयरोग आरम्भ में), एक्जिमा, सोराइसिस में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Iron Arsenite with Strychnine आयरन आर्सीनाइट विद् स्ट्रिक्नीन		आयरन आर्सीनाइट १ ग्रेन स्ट्रिक्नीन $\frac{१}{६४}$ ग्रेन प्रति सी० सी० ६ या १२ amp	I.M.	आयरन आर्सीनाइट के अनुसार	यह आयरन आर्सीनाइट से अधिक लाभकारी है उसी के समान गुण हैं।
Kaplin कैपलिन (विटामिन K)	Glaxo	1c.c. x6amp	I.M.	१ से २ सी०सी प्रति दिन अथवा जरूरत के मुताबिक	नवजात शिशु का रक्तस्राव तथा अन्य प्रकार के रक्त-स्राव, कमल बाई।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Lacarnol लैकार्नौल	Bayer	1c.c.x5amp	S I.M. I.V.	½ से १ सी०सी० दिन में १ या २ बार।	हृदय की गति तथा श्वास क्रिया को उत्तेजित करने वाला। अंजाइना, नब्ज का मन्दा तथा दुर्बल पड़ जाना, गशी में।
Lactumin लैक्टुमीन (Milk)	B.C. P.W.	2,5,10c.c.	I.M.	सप्ताह में दो बार।	मिल्क के समान
Lakolan लैकोलान (Milk)	Cipla	1,2,5,10c.c.	I.M.	सप्ताह में एक अथवा दो बार	मिल्क के समान।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Larostidin लैरोस्टिडीन	Roche	200 m.g. x 5c.c.	I.M.	१ इन्जैक्शन प्रतिदिन	आमाशय का प्रदाह, आमाशय तथा पक्वाशय के जख्म में ।
Leptazol लैप्टेझोल	B.D.H.	1c.c. 3c.c. 5c.c.	S I.V.	जरूरत के अनुसार	हृदय की गति तथा श्वास क्रिया को उत्तेजित करने के लिये ।
Levu-Calcin लेव्यू-कैलसीन	Glaxo	2c.c. 10c.c.	I.M.	½ से १ सी०सी० तीसरे अथवा चौथे दिन	रक्तस्राव, क्षय रोग ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Livr Extract		2c.c. amp 5c.c. amp 10c.c. शीशी 30c.c. शीशी	I.M.	२ से ३ सी०सी० प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन	पाण्डु, स्प्रु, जीर्ण मलेरिया, पेचिस, दुर्बलता, अरुचि, रक्तस्राव
Livr Extract With Vitamin B & C लीवर एक्सट्रैक्ट विद विटामिन बी० तथा सी०		2c.c. x 6amp 10c.c. शीशी	I.M.	लीवर एक्शट्रेट के समान	लीवर एक्स्ट्रेट के समान

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Lobelin लोबेलीन	San-doz	0·003 gm. 0·01 gm.	S. I.M. I.V.	जरूरत के अनुसार २४ घण्टे में एक या दो इन्जैक्शन	नवजात शिशु का सांस न लेना, निमोनिया, दमा, शीतपित्त, ब्रोंको निमोनियाँ में।
Luteostab लुटियोस्टैब (प्रौजेस्टेर न)	Boot's	1c.c.	I.M.	सप्ताह में दो या तीन बार	गर्भपात, मासिक धर्म का जारी रहना।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Lupo-Lutin ल्युपो-ल्युटीन (कोर्पस ल्युटियम	P.D.	2, 5, 10 I.U. प्रति सी०सी०	I.M.	कष्टरज में २-५ I.U. प्रतिदिन मासिक धर्म होने से ३ से ५ दिन पहले, गर्भपात में २-५ I.U. प्रतिदिन, प्रसव के बाद में २ I.U,	गर्भपात, प्रसव के पश्चात की वेदनायें तथा कष्ट रज में।

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust
Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Lutocycin ल्यूटो साइक्लिन	Ciba	2 m.g.x1c.c. 5 m.g.x1c.c. 10 m.g.x1c.c.	I.M.	२ से ५ MG प्रति-दिन, दो अथवा ५ दिन तक या अधिक।	मासिक धर्म का कम अथवा कष्ट से होना अथवा अधिक दिनों तक जारी रहना आदि गर्भाशय के रोगों में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
M.A.B. एम०ए०बी० (Metarseno billon)	M.B.	0·01, 0·02, 0·03, 0·06, 0·12, 0·15, 0·20, 0·30, 0·45 तथा 0·60 ग्राम प्रति एम्प्युल्स	I.M.	जवानोंके लिये प्रथम ०·३ फ़िर ०·४५ अथवा ०·६ ग्राम। बहुत छोटे बच्चों के लिये ०·०१ से ०·०६ ग्राम तक प्रति सप्ताह, ३ वर्ष से १२ वर्ष के बच्चों के लिये-०·२ ग्राम, इसको १ अथवा २ सी०सी डिटिल्ड वाटर में घोलकर लगाना चाहिए।	आतशक (Syphilis) प्रसव कालिक संक्रमण (pueperal Sepsis), गोनोरीअल अर्थ रीटिस, मलेरिया, रिलेपसिंग ज्वर तथा याज (Yaws)

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Mag Sulph मैग सल्फ (Magnesium Sulphate)		25% 2c.c. 50% 2 c. c. 6 amp.	S I.M. I.V.	टैटेनस अथवा बांवटे में २५ प्रतिशत का २ से ६ सी०सी, एकेलम्पेशिया में १० प्रतिशत का १० से १५ सी० सी० शिरा द्वारा, २५ प्रतिशत का १५ सी०सी० मास पेशियों में, कोरिया में २५% का ५-१० सी०सी०।	शिथलताकारक, कम्पहर उपशामक— टैटेनस, पागलपन, कोरिया, ऐक्लेम्पेशिया, स्ट्रिक्नीन विष में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Manganese butyrate मैंगानीज ब्यूटायरेट		1%x1c.c, 1%x2c.c. 1,5c.c.amp 30c.c.शीशी	I.M.	शुरू में १ सी०सी, ३ से ६ दिन के बाद १$\frac{1}{2}$ सी०सी०	कर्बंकल, सुर्खवाद, सुजाक, जुकाम, मैस्टाइटिस, अंगुलवेल फोड़े, फुसियाँ आदि में
Mapharside मैफर साइड	P.D.	0·04g.m. 0·06g.m. प्रति एम्प्यूल	I.V.	एक एम्प्यूल को दस सी०सी० डिस्टिल्ड वाटर में सप्ताह में एक बार।	आतशक की हर दशा में

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust
Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Menaphthone मेनाफ्थोन (विटामिन K)	Boots	5m.g.	S I.M.	एक अथवा दो इन्जैक्शन आवश्यकतनुसार	प्रत्येक प्रकार का रक्तस्राव
Mersalyl	B.D.H.	1c.c. 2c.c.	I.M. I.V.	आरम्भ में ½ सी०सी० फिर १ से २ सी०सी० ३ से ५ दिन के अन्तर से	शोथ, विशेषत: हृदय रोगों में, जलोदर।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Miik (मिल्क) जैसे:-एग्रोलान सायोलान, लैक्टु मीन, लैकोलान		1.2.5. तथा 10 c.c. प्रति एम्प्यूल	I.M.	१ अथवा २ सी०सी० से आरम्भ करे तथा प्रति इन्जैक्शन १ अथवा ३ सी०सी० बढ़ाता जाय दस सी० सी० तक आवश्यकतानुसार चौथे दिन अथवा प्रति सप्ताह लगावें।	सेपटिक, गर्भपात, गर्भाशय आदि जननेंद्रियों का वरम, पीप पड़ जाना, जोड़ों की सूजन, नाड़ी शोथ, गिल्टी फोड़े, फुन्सी, एक्जीमा, छाती का फोड़ा, पुराने चर्म-रोग, दमा, साइटिका आदि में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Morphine sulph मोरफीन फल्फ Morphine hydrochloride मेरफीन होयड्रो-फ्लोराइड Morphine tartrate मोरफीन टारट्रेट		$\frac{1}{4}$, $\frac{1}{3}$ तथा $\frac{1}{2}$ ग्रेन प्रति सी०सी०	S	$\frac{1}{4}$ ग्रेन से $\frac{1}{2}$ ग्रेन तक रोगी की हालत और उसकी शक्ति के अनुसार बड़ी सावधानी से लगाना चाहिये।	नींद लाने वाली, शूल नाशक नशीली है। उन्माद, दर्द गुर्दा, दर्द जिगर, दर्द पेट, बेचैनी, अनिद्रा रक्तस्राव, निरंतर वमन, अतिसार, दमका घुटना, खांसी, नाड़ी शूल, टैटेनस स्ट्रिक्नीन का विष, बांवटे आदि में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
M.&B. 693 Soluble एम० बी० ६९३ सैल्यूबिल		१ ग्रामx6amp १ ग्रामx25amp	I.M. I.V.	१ ग्राम को डिस्टल्ड वाटर में ४-४ घण्टे में गहरी मास पेशियों में गहरा लगावें।	निमोनिया, गर्दनतोड़ ज्वर, सुजाक आदि में।
Musk in aether मुश्क इन ईथर		$\frac{1}{4}$ gr तथा $\frac{1}{2}$gr प्रति सी०सी० 6 अथवा 12amp	S I.M.	१ इन्जैक्शन ज़रूरत के अनुसार।	उत्तेजक, हृदय तथा श्वास क्रिया को शक्ति प्रदान करने वाला निमोनिया, नवीन ज्वर, हिचकी, सदमा, कोलेप्स की दशा आदि में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Myocrisin मायो काइमीन (Sodium aurothiomalate सोना (Gold)	M.B.	0·01 ग्राम 0·02 ,, 0·05 ,, 0·1 ,, 0·2 ,, 0·3 ,, 0·5 ,, प्रति ऐम्प्पूल जल वाला तथा तेल वाला दो प्रकार का होता है।	I.M.	प्रथम छोटी मात्रा ०·०१ ग्राम से शुरू करना चाहिये तथा शनै २ बढ़ाते बढ़ाते अधिक से अधिक ०·२ ग्राम तक, रूमेटौयड आर्थराइटिस में साधारणतः प्रति सप्ताह जब तक कि कुल जोड़ $1\frac{1}{2}$ से दो ग्राम तक हो। फुफ्सकी क्षय में अधिक से अधिक मात्रा ०·५	फुफ्स क्षय रोग (T.B.), आर्थराइटिस, लोपस एरीथेमेटोसस न्यूरीटिस (Neuritis) सेप्टीसेमिया (Septicæmia), दमा तथा मुलटीपल स्कलेरीसिस (Multiplesclerosis) रूमेटौयड आर्थराइटिस। नोटः—इन्टेसटाइन क्षय (टी०बी०) में नहीं प्रयोग करना चाहिये। इस रोग में प्रथम इन्जैक्शन से दस्त लग जाते हैं। इसी प्रकार

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
					गुर्दे (Renal) अथवा जिगर (Hepalic) रोगों में भी न करना चाहिये। जिनको पेशाब में एल्ब्यूमिन आती हो उन्हें भी न देना चाहिये। इसके देने से जिन रोगियों को रक्तस्राव जारी हो जाय उन्हें भी न देना चाहिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
N.A.B. एन० ए० बी० Novarseno-billon) (Ne-oarsphena-mine)	M.B.	0·15 ग्राम 0·30 ,, 0·45 ,, 0·60 ,, 0·75 ,, 0·90 ,, प्र.ति एम्प्यूल। इसके विशैले प्रभाव में Ametox का शीघ्र प्रयोग करना चाहिये।	I.V.	सप्ताह में १ बार पाऊडर को ५ से दस सी० सी० डिस्टिल्ड वाटर में घोलना चाहिये। आश्यकानुसार रोगी की आयु, वजन दशा तथा सेक्स आदि का ध्यान करके लगाना चाहिये प्रथम छोटे नम्बर से आरम्भ करना चाहिये।	आतशक तथा उसके विकार चूहे के काटे का, ज्वर, कुष्ठ चर्म रोग, (yaws) एनथ्रेक्स (Anthrese) तथा टायफाइड ज्वर इसके अतिरिक्त, रिलैपसिंग ज्वर, पैसोरीआसिस (Bsori-sis), आर्थरीटिस, ऐमबिक डिसेंट्री तथा बिंसटेस् अनजीना (Angina) में भी उपयोगी है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Neogynergin न्योगाइनरजिन	San-doz	1c.c.	S. I.M. I.V.	प्रसव के बाद जब कमल बाहर आ जाए तब ½ से १ सी०सी० लगाना चाहिये।	रक्त स्तम्भक, विशेषतः प्रसव के पश्चात् रक्तस्राव को रोकने के लिये।
Neo-Hepatex न्यो-हेपेटेक्स (Liver Ext.)	Evans	2c.c. x3amp 2c.c.x25amp	I.M. I.V.	एडीसंस एनीमिया में २ सी०सी ४ दिन के अंतर से, चिकित्सा के प्रथम कुछ दिनों में विटामिन "सी" 50 M.G. रोजाना की मात्रा में प्रयोग करना चाहिये।	पाण्डुरोग, कमजोरी, ऐडिसंस एनीमिया तथा अन्य प्रकार के एनीमिया।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Neo-Salvarsan नियो सल्वर्सन	I.V.	0·15 ग्राम 0·30 ,, 0·45 ,, 0·60 ,, 0·75 ,, 0·90 ,,	I.V.	५ से १० सी०सी० डिस्टील्ड वाटर में एम्फ्यूल घोलते हैं। फिर शनैः २ शिरा में लगाते हैं सप्ताह में एक बार। इसे छोटी मात्रा से शुरू करना चाहिये तथा आवश्यकता के अनुसार विषैले प्रभाव आदि का ध्यान रखना चाहिये	विशेषत: अतशक में लाभकारी है। यौज, चूहे के काटे का ज्वर, रिलैपसिंग ज्वर में भी उपयोगी है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Neptal नेप्टल मरकरी (पारा)	M.B.	1c.c.6amp 2c.c.6amp	I.M. I.V. R	प्रतिदिन आवश्यकता के अनुसार विशेष जानकारी के लिये औषधि के साथ पर्चा देखें।	मूत्रल, शोथ, लजोदर, मूत्र की कमी के रोग। पहिले इन्जैक्शन से मूत्र ३ से ६ पाइन्ट तक हो जाता है। यदि पहले इन्जैक्शन से मूत्र बढ़ने के बजाय कम हो जाय तो इसका प्रयोग बन्द कर देना चाहिये।
Nicotiamide नीकोटीमाइड		50 m.g.x2c.c. 50m.g.x5c.c.	S I.M. I.V.	५० से ५०० मिली ग्राम तक प्रति दिन (दिन में १ से दो अथवा तीन बार)	स्वाग्दाह (पैलेग्रा अर्थात जीभ की सूजन), अतिसार, चर्मप्रदाह, मुँह आना-विन्सेन्ट्स रोग।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Normal saline नौर्मल सैलाइन		5c.c. 10c.c. 20c.c.	S I.V. R	जरूरत के अनुसार	रक्त संचार को पूर्वत करने वाला, मूत्रल, तीव्र अतिसार, हैज़ा. रक्तस्राव तथा अन्य किसी कारण से पैदा होने वाली कमज़ोरी इसके अतिरिक्त पैनीसीलीन आदि के घोल बनाने में भी प्रयोग होता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Novalgin नोवालजिन	Bayer	1c.c. 2c.c. 5 तथा 10amp	S I.M.	१ सी०सी० से २ सी० सी० दिन में २ अथवा ३ बार आवश्यकता के अनुसार	शूलनाशक, ज्वर नाशक वा नाड़ीशूल, सिर दर्द, एंफ्लुयंएंजा आदि प्रत्येक प्रकार के दर्द में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Novostab नौवोस्टैब	Boot's	0·15 ग्राम प्रति amp 0·30 ग्राम प्रति amp 0·45 ग्राम प्रति amp 0·60 ग्राम प्रति amp 0·75 ग्राम प्रति amp 0·90 ग्राम प्रति amp	I.V.	सप्ताह में एक बार डिस्टिल्ड वाटर में	आतशक (Syphilis) तथा इसके दोषों में ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Omnopon ओमनोपोम (अफीम)	Roche	$\frac{1}{3}$ gr.x1c.c.x6 $\frac{1}{8}$ gr.x25 TAB	S I.M. I.V.	आवश्यकता के अनुसार १ इन्जैक्शन।	मार्फीन के समान प्रत्येक प्रकार के शूल में जैसे:-अन्त्र-शूल, वृक्क शूल, यकृति शूल, रक्त वमन. कष्ट रज, अस्थि भग का शूल, प्रसव वेदना, खांसी, रक्तस्राव।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Opsodin ओप्सीडीन	Cipla	10c.c.x5 10c.c.x10		१-२ सी०सी० दूसरे इन्जैक्शनों के साथ अथवा पृथक।	इन्फ्यूलेन्जा, ब्रोन्को निमोनिया, निमोनिया, पल्पूरीटिस, टॉसीलीटिस, विन्सेन्टस अनजीना, ओटीटिस मेडीया, मीजील्स, टायफायड ज्वर, एन्ट्रीक ज्वर, इरीसिपलास, फोड़े, कारबन्कल, पुरपेरल सेपसिस, सेपटिक अबोर्शन, सालपींजोटिस।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Orisol ओरीसोल (बर्बरिन सल्फ)	M.B.	2c.c.x6amp		जख्मों के चारों ओर ०·५० से १·५ सी०सी० पिचकारी द्वारा लगाई जाती है। एक सप्ताह बाद फिर इस क्रिया का प्रयोग करते हैं।	लाहौरी अथवा मुगलाई जख्मों में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Opacin (ओपेसीन) (आयोफेथेलीन)	M.B.	1·75 ग्रामx20 c.c. 25 ग्राम की शीशी	I.V.	युवा साधारण भार के व्यक्तियों को ३ से ३·५ ग्राम तक ३० सी० सी० से ५० सी०सी० डिस्टिल्डवाटर में प्रातः ८ या ६ बजे के लगभग	एक्सरे में गैला स्टोन की फोटो लेने में प्रयोग किया जाता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Ostelin fort ओस्टोलिन फोर्ट (विटामिन डी)	Glaxo	1c.c.	I.M.	रिकेट्स रोग में एक इन्जैक्शन काफी होता है	रिकेट्स, टैटेनी, अस्थिभृदुना देखो विटामिन डी
Ovocyclin ओवेसाइक्लीन	Ciba	1m.g.x5amp 5m.g.x5amp	I.M.	यह भिन्न भिन्न रोगों में भिन्न २ मात्रा में प्रयोग होता है। प्रारम्भिक रज प्रदर्शन में तथा कष्ट के साथ मासिकधर्म में ३ से १५ m.g. प्रति सप्ताह। भग की खुजली, श्वेत प्रदर आदि में १ से ५ m.g. प्रति सप्ताह।	मासिक धर्म का न होना अथवा कष्ट से होना, रजो निवृति के दोष, भग की खुजली, श्वेत प्रदर आदि गर्भाशय के रोगों में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोग में गुणकारी
Panhepar पानहेपर (लीवर एक्सट्रेक्ट)		2c.c.x6amp 10c.c. शीशी	I.M.	२ सी०सी० प्रतिदिन	लीवर एक्सट्रेक्ट के समान
Pelonin पेलोनीन (निकोटिनिक ऐसिड)	Glaxo	2c.c.x6amp	I.M. I.V.	१-२ सी०सी प्रतिदिन	मुंह आना, चम दोष, अतिसार
Phrenazol फ्रेनेजोल	Boots	1c.c.	S	१ इन्जैक्शन जरूरत के मुताबिक	हृदय की गति तथा स्वाँस क्रिया को उत्तेजक करने वाला, ज्वर, निमोनिया, मियादी ज्वर, हैजा प्लेग'

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Physolactin फ्रीसो लेक्टीन	Glaxo	5c.c. की शीशी	S I.M.	पहिले तथा दूसरे दिन ५ सी० सी०, तीसरे चौथे दिन ,२ सी०सी० पाँचवे दिन १ सी०सी०, कुल पाँच दिन तक।	माता का दूध कम उतरना अथवा बिल्कुल बन्द हो जाना।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Pituitrin पिट्यूट्रीन		$\frac{1}{2}$ सी०सी० x6-12 amp 1c.c. x6—12amp	S I.M.	$\frac{1}{2}$ से १ सी०सी जरूरत के अनुसार।	प्रसव कारक, रक्त-भार को बढ़ाने वाला, प्रसव का रक्त-स्राव, औपरेशन के पश्चात् आंतों की उत्पन्न होने वाली कमज़ोरी, हैजा तथा पेचिश में, मूत्र का बन्द हो जाना, हृदय कीगति रुक जाना। कौलेप्स की दशा में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि.	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Penicillin पनिसिलीन		१ लाख, २ लाख, ५ लाख, तथा १० लाख यूनिटस् की शीशी	I.M.	आवश्यकता के अनुसार जैसा कि औषधि के साथ के पर्चे में लिखा है।	सुजाक, आतशक, निमोनिया, फोड़े, सड़े दुर्गंधदार जख्मों तथा अनेक दूसरे रोगों में, विशेष जानकारी के लिए औषधि के साथ का पर्चा देखिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Perandrin पैरेंड्रिन	Ciba	5m.gx1c.c. 10m.gx1c.c 4amp 25m.gx1c.c. 2 amp	I.M.	१-५ m.g: सप्ताह में १ से ३ बार जरूरत के अनुसार।	बाजीकरण, नपुंसकता, शक्ति वर्द्धक, दुर्बलता के के लिये, स्त्रियों के मासिक-धर्म तथा रजो निवृति के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Pethidine Hydrochloride पैथीडीन हाय-ड्रोक्लोराइड		100m.gx12 amp	I.M.	५ m.g. से १०० m, g. तक यदि शूल शान्त न हो तो १-२ घंटे के बाद दूसरा इन्जैक्शन दिया जा सकता है।	कमर दर्द, नाड़ी शूल, बाय, प्रसव के पश्चात् मासिक धर्म की वेदना, यकृतशूल तथा प्रत्येक प्रकार के दर्द। इस औषधि पर लायसेंस आवश्यकता की होती है।
Physex फीसेक्स	Du-mex	250, 500 तथा 1500 I.U. के एम्प्युलस्	I.M.	भिन्न भिन्न रोगों में भिन्न २ मात्रा होतीं है, तरल के साथ घोल कर प्रयोग करते हैं।	बाँझपन, प्रोसटेट ग्रन्थिका बढ़जाना, रज अदर्शन, पुरुष की जननेन्द्रियों का ठीक प्रकार न बनाना, जन्खापन, शिश्न तथा अंडकोष का छोटा रह जाना।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Polydin पौलीडीन	Glaxo	5c.c. 15c.c. शीशी	S I.M.	२ सी०सी० प्रतिदिन	प्रदाहिक ज्वरों में जैसे:— इन्फ्यूऐन्जा, ब्रोन्काइटिस, जुकाम, निमोनिमा, प्रसूत ज्वर।
Plexan प्लैकसन (न्योमोकोकस, स्ट्रैटोकोकस आदि)	Glaxo				

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैंकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Potass antimony tartrate पोटास एन्टीमोनि टार ट्रेट ।		2%x1c.c. 6amp	I.V.	शुरू में $\frac{1}{2}$ सी०सी०, फिर शनैः शनैः आधी सी०सी० से ५ सी०सी० तक बढ़ावे ।	विशेषत: कालाजार में
Procaine Adernalin प्रोकेन-एड्रीनेलीन		2c.c. c amp 30c.c. शीशी	S	१-२ सी०सी० चर्म के नीचे जिस स्थान का आपरेशन करना हो । दांत निकालने में ।	स्थानिक संज्ञा नाशक

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Procto-caine प्रोक्टोकेन	A.H.	2, 5 तथा 10 सी०सी०	S. I.M.	जरूरत के मुताविक १ इन्जैक्शन मांस अथवा त्वाचा के नीचे। विशेष जानकारी के लिये औषधि के साथ का विज्ञापन देखिये।	स्थानिक संज्ञा नाशक, गुदा की खुजली, दर्द कमर, स्याटिका, पांचवी नाड़ी का शूल, यह तुरन्त असर करती है तथा कभी कभी २८ दिन तक रहता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Progestin प्रोजेसटीन (कोर्पोरा ल्युटिया)	B.D.H.	1, 2 तथा ५ यूनिटस् के एम्प्यूलस	I.M.	१-२ यूनिटस् साप्ताहिक गर्भ कायम होने होने से ३२ सप्ताह तक, स्वाभाविक गर्भपात में। दूसरी दशाओं में भिन्न मात्रायें. औषधि का विज्ञापन देखो।	प्रसव के पश्चात् की वेदनायें, गर्भपात, कष्टार्तव, महावारी का बेसमय अथवा लगातार कई दिन तक जारी रहना।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Prokavit प्रोकेविट	B.D.H.	5m.g. प्रति सी० सी० x6amp.	I.M.	१-२ सी०सी०प्रतिदिन	रक्त स्राव ।
Prolex प्रोलेक्स (लीवर ऐक्स-ट्रेक्ट)		2c.c.x5amp. 5c.c.x3amp 10c.c. शीशी	I.M.	प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन १-२ सी०सी०	लीवर ऐक्सट्रेक्ट के समान
Quinacrine क्वीना क्रीन	M.B.	0.10 ग्राम x6 0.3 ग्राम x6	S I.M.	ऐम्प्यूल को १½ सी० सी० से ५ सी० सी० तक डिस्टिल्ड वाटर में घोल कर २४ घंटे में १ या २ बार लगाना चाहिये ।	मलेरियल ज्वर

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Quinine Bi-hydroch—loride क्वीनीन-बाई-हायड्रोक्लोराइड साधारण और सैकोज सहित		२, ५, ६ तथा १० ग्रेन एक और दो सी० सी० में	I M. I.V.	५ ग्रेन से १० ग्रेन प्रति दिन, यदि इसे २ या ३ सी०सी० नौर्मल सैलाइन या डिस्टिल्ड वाटर में हलका कर लें तो अच्छा है। ज्वर चढ़ने से १-२ घण्टे पूर्व या जब उतरन आरम्भ हो जाय तब लगाने का समय उचि.।	मलेरिया ज्वर, प्लीहोदर

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोग में गुणकारी
Quinine with urethane क्वीनीन विद यूरेथेन		३, ५, तथा १० ग्रेन एक अथवा दो सी०सी० में	I.M. I.V.	मलेरिया में मास द्वारा एक अथवा दो इन्जैक्शन । हायड्रोसील तथा फूली नसों के लिये वीन में भिन्न २ स्थानों में लगाना चाहिये । आरम्भ में ५ ग्रेन का इन्जैक्शन काफी होता है तथा सप्ताह में एक लगाना चाहिये ।	मलेरियल ज्वर, वेरीकोज़ वेंस (फूली हुई नसें) हायड्रोसील ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Rodio stoleum रेडियो स्टोलियम विटामिन ए० तथा डी०	B.D.H.	1c.c.	I.M.	१-२ सी०सी० प्रतिदिन	जुकाम, नजला, इन्फ्लुएजा निमोनियाँ, काली खाँसी, रूमेटीज्म, रिकेटस्, क्षय, सूखिया, ओस्टोयोमलेशिया, फुन्सियाँ।
Redoxon रिडोक्सन (विटामिनसी०)	Roche	100m.g.x2 c.c.amp 500m.g.5 c.c. (फोर्ट) 3amp	S I.M. I.V.	१ से ५ सी०सी प्रति दिन आवश्यकता के अनुसार।	विटामिन सी० के मुताबिक।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Riboflavine रीबोफ्लेविन	B.D.H.	10m.g.x2c.c.	S I.M.	२ से १० मिलग्राम प्रतिदिन।	मोतिया कनीनिका प्रदाह (कौर्निया की सूजन)
Sarcolan सरकोलान (भ. सल्सऐक्सट्रेक्ट)	B.C.	1c.c. 2c.c.	I.M.	एक से दो सी०सी प्रति कुल १२-१५ इन्जैक्शन ८-१० दिन का अन्तर देकर फिर शुरू करें।	सिर्होसिस ऑफ लीवर रैनोड्स डिजीज़, डायबेटिक गैंग्रीन, अनजाइना पैक्टोरिस, अर्टिरियो स्कलेरोसिस, मिट्रलस्टिनोसिस।
Salyrgan सैलिग्रान	Bayar	1c.c.x5amp 1c.c.x10amp 2c.c.x5amp 2c.c.x10amp	I.M.	½ से २ सी०सी० तीसरे अथवा दूसरे दिन।	हर प्रकार के शोथ, जलोदर में एक इन्जैक्शन से ही मूत्र की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Serogan सेरोगान	B.D.H.	200 तथा 1000 यूनिटिन	I.M.	पुरुष २०० यूनिटस् स्त्री १००० ,,	पुरुष-नपुंसकता, जवानी का देर में आना। स्त्री-रज अदर्शन, मासिक-धर्म का कम होना।
Sevicaine & adrenaline सैबीकेन-अड्रे-नेलीन	Glaxo	2% प्रोकेन 30c.c. एड्रोन लीन सी०सी०	S	१ से ६ सी०सी० चर्म में तथा मसूड़ों के अन्दर।	छोटे २ ओपरेशन करने के लिये तथा दाँद निकालने के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगां में गुणकारी
Sex-vigour C.D.C. सैक्स-विगर सी०डी०सी० (ग्रन्थियों के सत्त)	C.D.C.	1c.c,x6	I.M.	१ सी०सी० दूसरे अथवा तीसरे दिन रोगी की दशा के अनुसार	इसकी दो किस्में होती हैं एक पुरुषों के लिये तथा दूसरी स्त्रियों के लिये। पुरुष-मास्तिष्क तथा शरीरकी दुर्बलता,नपुंसकता,धातुक्षीणता, जनेनद्रियों का पूर्णरूप से न बनना तथा दूसरेवीर्य विकार स्त्री-बाँझपन ।
Siolan सीओलान (Milk)	A.D.	2c.c. 5c.c. 10c.c.	I.M.	सप्ताह में दो बार	मिल्क के समान।
Siolan c Iodine सिओलान कम आयोडीन	A.D.	2c.c. 5c.c. 10c.c.	I.M.	२-३ दिन के अन्तर से	मिल्क के समान

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sodium antimony tartrate सोडियम एण्टीमोनी टारट्रेट		1c.c. 2c.c.	I.V.	पोटाश एन्टीमनी टाटट्रेट के समान।	पोटाश एण्टीमनी टारट्रेट के समान।
Sodium Cacodylate सोडियम कैकोडिलेट (आर्सेनिक		३/४, १ १/२, तथा ३ ग्रेन प्रति सी० सी० ७ १/२ तथा १५ ग्रेन प्रति 5c.c.	S. I.M.	प्रतिदिन अथवा दूसरे तीसरे दिन जरूरत के के अनुसार।	३-५ ग्रेन अथवा अधिक मात्रा में, आतशक के विकार में। रक्त वर्द्धक, बलकारक, पाण्डु, जीर्ण ज्वर, (मलेरिया), जीर्ण त्वचा रोग, क्षय, न्युरस्थीनिया में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sodium Iodide सोडियम आयोडाइड		15 तथा 30 ग्रेन 10c.c. में, 31, ग्रेन 20c.c. में	I.V.	दमा तथा सुजाक के दोषों में एक इन्जैक्शन प्रतिदिन अथवा एक दिन छोड़ कर। आतशक में पहले सप्ताह में २, दूसरे में ४, तीसरे में ७, इन्जैक्शन	क़फनिस्सारक, परिवर्तक, मूत्रल, दमा, पुरानी खाँसी, निमोनियाँ, प्लुरिसि, आतशक (तृतीयावस्था), घेघ, गण्डमाला, अन्जायना, गठिया तथा सुजाक के उपद्रव।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sodium Morrhuate सोडियम मोंहुएट		3%x 1, 2, 3, 5c.c. 3%x10., 30c.c. शीशी	S I.V.	कुष्ट तथा क्षय रोग में आरम्भ में ½ सी॰सी॰ शैन २ एक सी॰सी॰ या सप्ताह में दो बार, फूली नसों में १ सी॰सी॰ शिरा में कई स्थानों में लगावें।	कुष्ट रोग, क्षय गण्डमाला बेरीकोज़ वेन्स।

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust
Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sodium Salicylas सोडियम सैलीसीलास	A.D.	1grx1c.c. 2grx2c.c. 5grx2c.c. 10grx5c.c. 15grx10c.c. 30grx20c.c.	I.M. I.V.	१ ग्रेन से ५ ग्रेन प्रति दिन। यदि शिरा में दें तो ५ सी०सी० नौर्मल सैलाइन या डिस्टील्ड वाटर में हलका करलें। फूली नसों में ५ ग्रेन की १० सी०सी० लगावें।	वाय, गठिया, स्यटिका, दर्द कमर, जोड़ों की सूजन, इन्फूलेऐन्जा, सोराइसिस में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sodium Salicylas c Iodide सोडियम सैलीसिलास कम आयोडाइड	A.D.	सोडा सैलिसीलास १० ग्रेन प्रति सी० सी०सोडा आयोडाइड ७½ ग्रेन प्रति सी०सी० ।	I.V.	५ से १० सी॰सी० नौर्मल सैलाइन में अथवा डिस्टील्ड वाटर में इसे घोलकर प्रति दिन अथवा तीसरे दिन लगावें ।	दर्द, गठिया, बाय, यटिका आदि में ।
Sodium Thiosulph सोडियम थायोसल्फ		0·45 ग्रामx1c.c. 0·6 ग्रामx1c.c. 15grx2c.c. 6 या 12amp	I.M	प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन	आर्सेनिक तथा मर्करी अथवा अन्य धातु वाली औषधियों के प्रयोग के कारण पैदा हुए विषैले प्रभावों के शान्त करने में प्रयोग होता है ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sodium Benzoate सोडियम बेंजोएट		20%x2c.c. 6, 12amp	I.V.		यूरीनरी एन्टीसेप्टिक, डायरेटिक सायस्टीटिस (Cystitis)
Sodium citrate सोडियम साइट्रेट	Cipla	3·8%x10c.c. 6amp B.I. { 1%2c.c. 2%5c c. 1%20 c.c. 4%10 c.c. 10%10 c.c.		आवश्यकता के अनुसार	रक्त-ट्रान्सफ्यूजन द्वारा रक्त लेने तथा सुरक्षित रखने के लिए प्रयोग होता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sodium bicarbonate		$7\frac{1}{2}$%-5c.c. 1c.c. 25c.c.			
Solu—septasine सौल्यु सैप्टेसीन	.M.B	10%x5c.c.x6 20%x5c.c.x6 20%10 c.c.x6	S I.M. I.V.	५-१० सी०सी०	गर्दन दोड़ ज्वर, फोड़े, प्रसूत रोग पीपदार रोग आदि ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Stilboestrol स्टिलबीस्ट्रौल		1 G.M.x6 5 G.M.x6	I.M.	१-५ M.G. इन्जैक्शन प्रतिदिन एक या दूसरे तीसरे दिन।	रज अदर्शन, कष्ट रज बाँझपन, दूध का कम उतरना, रक्तप्रदार, रजोनिवृति तथा गर्भाशय के विकार।
Stovain— स्टोवन		1c.c. 2c.c.	S	आवश्यकतानुसार	ओपरेशन से पूर्व सुन्न करने के लिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Stro—phanthin		$\frac{१}{६०}$ gr, $\frac{१}{१२०}$gr, $\frac{१}{२००}$ gr तथा $\frac{१}{२५०}$grप्रति सी० सी०	I.M. I.V.	जरूरत के अनुसार	डीजिटेलिन के समान हृदय की गति को शक्तिदेने वाला। निमोनिया, टायफायड ज्वर, अनिद्रा, हृदय रोग दम का घुटना आदि में।
Strychnine sulph स्ट्रिकनीन सल्फ		$\frac{१}{३०}$gr, $\frac{१}{६०}$gr तथा $\frac{१}{१००}$gr प्रति सी०सी०	S	दिन में दो बार तक	हृदय की गति तथा श्वास-क्रिया को शक्ति देने वाला निमोनिया, सदमा, प्लेग, दौर्बल्य, कौलेप्स की दशा, अफीम के विष आदि में।

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sulphadiazine sodium	M.B.	4c.c.x6amp	I.M. I.V.	माँस पेशियों में बगैर हलका किए शिरा में–इसको डिस्टिल्ड वाटर में ५ से १०% का घोल बनाकर लगाना चाहिये।	निमोनिया, प्लेग, सुजाक पीब, सेलुलाइटिस, पाया-मिया मैनिंजाइटिस, गैस गैंग्रीन, गर्दनतोड़ ज्वर आदि में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sulfarsenol सल्फार्सेनौल	A.F.D.	0.06 Ctg(सेंटीग्राम) X1 0·12-,, प्र०एम्प्यूल 0·18-,, ,, ,, 0.24-,, ,, ,, 0·30-,, ,, ,, 0·36-,, ,, ,, 0·42-,, ,, ,, 0·48-,, ,, ,, 0·54-,, ,, ,, 0·60-,, ,, ,,	S I.M. I.V.	प्साह में दो बार I.M. १ से ५ सी०सी जिस्टिल्ड वाटर में ६-१० प्रतिशत। विशेष जानकारी के लिए औषधि के साथ का विज्ञापन देखें।	आतशक, सुजाक के उपद्रव।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Sulphostab सल्फो स्टैब	Boot's	0·20 ग्राम 0·30 ग्राम 0·45 ग्राम 0·60 ग्राम	S I.M.	सप्ताहमें केवल एकबार। आयु ३ मास ०·००५ से ०·०५७ तक १२ मास ०·०७५ से ०·१५ तक ३ वर्ष तक ०·१५ से ०·२० तक युवा-०·२० से ०·६० तक डिस्टिल्ड वाटर १-२ सी०सी० में घोलकर प्रयोग करें। विशेष ज़ानकारी के लिये विज्ञापन देखो।	आतशक, रिलैपसिंग ज्वर, सुजाक के दोषों में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
S.U.M. 36 एस०यू०एस० ३६	B.D.H.	भिन्न भिन्न शक्ति के IC.C. के एम्प्यूल 0·002 ग्राम 0·003 ग्राम 0·01 ग्राम	I.M. I.V.	भग प्रदाह अथवा मूत्र मार्ग प्रदाह में पहिला इन्जैक्शन ०·००२ ग्राम तथा ४ दिन के बाद दूसरा इन्जैक्शन ०·००३ ग्राम। नेत्राभिष्यन्द तथा संधिवात में ०·०१ ग्राम के दो इन्जैक्शन ४ दिन के अन्तर से देवें।	जोड़ों की सूजन, नेत्रों का दुखना, मूत्र मार्ग की सूजन (सुजाक)

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
S.U.P. 36 एस०यू०पी० ३६	B.D.H.	1c.c.x6amp 1c.c.x12amp 20c.c. तथा 10 c.c. की शीशी		इसके सर्फ दो इन्जैक्शन काफी होते हैं। इसे जब ज्वर न हो तब प्रयोग न करना चाहिये।	हृप्प, इन्फ्यूलेन्जा, निमोनिया, ब्रोन्कोंनिमोनिया, खसरा, चेचक, जुकाम (प्रारम्भ)

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Synkamin सिन्कामिन (विटामिन K)	P.D.	1m.g.x1c.c.x6	I.M. I.V.	I.M. १-सी०सी नवजात शिशु को पैदा होने के तुरन्त बाद युवावस्थान में १ सी० सी० प्रतिदिन (रोग अवरोधक) तथा २ से ५ सी०सी० प्रतिदिन (रोग निवारक) शिरा द्वारा।	नवजात शिशु के रक्तस्राव, प्रत्येक प्रकार के रक्तस्रांव में, विशेषतः यकृत रोगों के कारण होने वाले रक्तस्राव में

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Synthovo सिन्थोवो	Boot's	1m.g.x6 5m.g.x6		१-५ m.g. सप्ताह में दो बार	रजोनिवृति के विकार, रज अदर्शन, दूध का कम उतरना अथवा बन्द हो जाना
T.C.C.O टी०सी०सी०ओ० (टरपिंटाइन कैम्फर क्रियोजोट तथा ओलिव आइल)		1c.c.-amp 2c.c.-amp 10c.c. } सी० 25c.c. } सी०		½ से १ सी०सी० सप्ताह में एकबार	मलेरिया ज्वर, कालाजार प्लीहोदर ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Thiamine Hydro chloride थायमीन हायड्रोक्लोराइड (विटामिन B)		50 m.g. प्रति सी०सी० 100 m.g. प्रति 5 तथा 10c.c. की सी०सी०	S I.M.	विटामिन बी के समान	विटामिन बी के समान
Theelin थीलीन	P.D.	२०० तथा १०००० यूनिर्टिस् के १ सी०सी० एम्फ्यूल	S I.M.	१ सी०सी० आवश्यकता के मुताबिक फिर लगावें।	गर्भाशय को उत्तेजित करने वाला, रजोनिवृत के विकार रज अदर्शन स्त्री, जननेन्द्रिओं के स्वाभाविक कार्यों में कमी आ जाना।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Thiazamide sodum थाइजेमाइड सोडियम	N.B.	1g.m.x6amp	I.V.	२-४ ग्राम का डिस्टल्ड वासर में ५ प्रतिशत का घोल बनालें तथा शिरा में दें।	निमोनिया, सुजाक, प्लेग, फोड़े जहरीले, बुखार, पायमिया आदि में।
Thiostab थोयोस्टैव Soad (Thiosulph)	Boot's	०.३ ०.४५ ०.६ ०.७५ ०.६० प्रति एम्फ्यूल १० प्रतिशत घोल	I.M. I.V.	तीसरे दिन	आर्सेनिक, मर्करी. विस्मथ आदि औषधियों के प्रयोग से पैदा हुए दोषों में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नामऔषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Thisin थायसीन	A.D.	1c.c.x6amp 1c.c.x12amp 1c.c.x50amp	I.M.	युवक को १ सी०सी० प्रतिदिन, बच्चों को एक सी०सी सप्ताह में दो बार।	प्रत्येक प्रकार की खाँसी, क्षय रोग की खाँसी।
Tinoxyl टिनौक्सीन	C.D.C.	2c.c.x6amp 2c.c.x50amp	I.M.	प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन	फोड़े, फुन्सी, खाज तथा कई प्रकार के त्थचा के रोग।
Trasentin ट्रासेन्टीन	Cibe	1·7c.c.x5amp 1·7c.c.x20amp 1·7c.c.x100	I.M.	१ एम्प्यूल १-३ बार प्रतिदिन	मौर्फीन की भाँति बृक्क, आमाशय, पित्ताशय, तथा आँतों के शूल में उपयोगी है

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोग में गुणकारी
Urea Quinine यूरिया-क्वीनीन		1%2c.c.x6 1%5c.c.x6	S I.M.	बवासीर के मस्सों में १ सी०सी० अथवा निकटस्थ भाग में १½ सी०सी० सप्ताह में एक बार लगावें, छोटे ओपरेशन में १-२ सी०सी० अक्रांत भागमें दर्द कमर तथा स्याटिका में कुल्हे पर	बावासीर, दर्द कमर, स्याटिका आदि में। इसका सुन्न करने वाला असर १०-३० मिनट में आरम्भ हो जाता है तथा बहुत समय तक रहता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Vibex वीबेक्स (विटामिन बी १)	P.D.	1M.G.x1c.c. 3M.G.x1c.c.		प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन।	विटामिन बी के समान।
Vitamin 'A' विटामिन (ए)		1c.c. एम्प्यूलस		एक अथवा दो इन्जैक्शन ३ से ७ दिन के अन्तर से, तीव्र रोग में १ सी०सी० प्रति सप्ताह ६ से १० सप्ताह तक।	रतौंधी, जुकाम, इन्फ्युलुएन्जा, टौनसिलायटिस, कंठ प्रदाह, गर्भावस्था के विकार, क्षय, आमाशय के जख्म, हेफीथर प्रसूत के दोष

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Vitamin 'B1' विटामिन (बी १)		25, 50 तथा 100 M.G. प्रति सी० सी० के एक सी० सी० के एम्प्यूलस तथा १० सी०सी० की शीशी	S I.M. I.V.	२५ से ५० m.g. प्रति दिन, १००m.g. तीसरे अथवा चौथे दिन रोग की तीव्रता में १००m. g. प्रतिदिन।	अरुचि, कब्ज, नाड़ी, प्रदाह, बेरी-बेरी, गर्भावस्था की यमन, बदहजमी, भार का
Vitamin 'B' 2 विटामिन (बी2)		10 M.G.x 2c.c.x6		२ से १० mg. प्रति दिन।	कम होना दुर्बलता में। मोतिया, कनीनिका के रोग, होठ तथा जीभ की सूजन।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Riboflavine (रिबोफ्लेबिन) Vitamin'B6' Pyri doxine विटामिन (बी६) (पायरी डोक्सीन)		50 M.G.x3 AMP	I.V.	एक एम्प्यूको २ सी० सी० सोडा बाई कार्व के घोल में जो इसके साथमें आता है मिला कर लगावें ।	अनिद्रा. बेचैनी, गर्भावस्था की वमन और मितली,माँस पेशियां का कठोर हो जाना माँस पेशियों की कमजोरी तथा ऐठन में ।
Vitamin 'B' complex विटामिन 'बी' कॉम्पलेक्स		1c.c.x6 2c.c.x6 10c.c. की शीशी	I.M.	प्रतिदिन अथवा तीसरे दिन आवश्यकतानुसार	बलदायक, नाड़ीशूल तथा प्रदाह, कब्ज, बदहजमी, बेरी-बेरी रोग, दौर्बल बालकों की बढ़ौती करने वाला, गर्भावती तथा दूध पिलाने वाली स्त्रियों को गुणकारी होती है ।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Vitamin 'C' विटामिन (सी)		100M.G.x 1c.c 100M.G.x 2c.c. 500M.G.x5c.c.	I.M.	१०० से ५०० m.g. (१-५ सी०सी०) प्रतिदिन जरूरत के मुताबिक।	ज्वर वाले रोग, सकरबृत, रक्त स्राव, जख्मों का देर में भरना मसूड़ों की सूजन, डिफ़्थीरिया, मोतिया, तथा एनीमिया (मास्को साइटिस)
Vitamin 'D' विटामिन (ड) (इखो ओस्टेलिन)		5c.c. 2c.c.	I.M.		रिकेटस, सोराटिस अस्थियों की कम वृद्धि में, दाँतोंमें कीड़ा लग जाना, सूखिया, जोड़ों की सूजन, टैटेनी, अस्थियों का मुड़कर बेडौल हो जाना त्तय में।
Vitamin 'K' विटामिन (के)		5M.G.x 1c.c.x6	I.M.	१ से १० m.g. प्रदिन	स्प्र तथा प्रत्येक प्रकार के रक्त स्राव में।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नाम औषधि	मेकर	पैकिंग	प्रयोग विधि	मात्रा	रोगों में गुणकारी
Yohimbin hydro-chloer यूहीम्बीन हायड्रोक्लोराइड		$\frac{1}{3}$ grx1c c.x6	S	सप्ताह में १ अथवा २ बार	नपुंसकता तथा दुर्बलता नाशक।
Atropin Sulphate एट्रोपिन सलफेट		१/१०० grx1c.c. x6,12 १/३०० grx1c.c. x6,12 १/१०० grx1c.c. x6,12		१/२०० से १/१०० ग्रेन तक का एक इन्जैक्शन आवश्यकतानुसार यदि जरूरत हो तो दुबारा भी प्रयोग कर सकते हैं।	स्पाजमोडिक, ऐजमा, कोलिक, अफ़ीम, तथा भोजन के विष में, न्यूरेलजिया, इनकोटीनेन्स अफयूरिन, नाइट स्वीटस यह मार्फिया के साथ ओपरेशन से पूर्व निद्रा लाने को तथा पेपटिक अल्सर आदि में भी प्रयोग किया जाता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

प्रसिद्ध वैक्सीन तथा सीरम

डिफ्थीरिया एन्टी टोक्सीक सीरम

डिफ्थीरिया विष के कीटाणु जब मनुष्य पर अपना आक्रमण कर बैठते हैं तब मनुष्य के शरीर में दो प्रकार के अन्य विष अधिक मात्रा में उत्पन्न हो जाते हैं। (१) ऐलब्यूमोसस (२) आर्गेनिक ऐसिड। इस कारण एक दम कंठ रुक जाता है। बच्चा न पानी हीं पी सकता है न दूध, ऐसी अवस्था में इन कीटाणुओं को नष्ट करने के लिये एक प्रकार का सीरम तैयार किया जाता है जो शीघ्र ही सारे शरीर से विष का प्रभाव दूर कर देता है।

तैयार करने की विधि

यदि माँस रस में सोडियम क्लोराइडस ५ प्रतिशत तथा पैप्टोन २ प्रतिशत दोनों को मिलाकर फ्लास्क बर्त्तन में भरकर रख दिया जाय तो डिफ्थीरिया वेसीलाई बन जायेगी। इस मिश्रण को दो तीन सप्ताह तक इसी प्रकार रहने दीजिये। उसके बाद इसको नितार लिया जाय तब व्यवहार के लिये टाक्सीस बनाया जा सकता है। इसका इन्जैक्शन सदा त्वचा में सबक्यूटेनियस अर्थात् 45° Angle पर लगाना चाहिये।

परिणाम

इस के प्रयोग से रोगी को तत्काल लाभ होता है। हृदय की गति ठीक प्रकार से कार्य करती रहती है। न तो ज्वर ही रहता

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

है और न नाड़ी गति की तीव्रता। यदि रोगी के शरीर पर पित्ती की तरह दाने या दाग हो गये हैं तब कैलशियम लैक्टेट भी देना चाहिये।

ऐन्टी न्यूमो कोकस सीरम

इसके प्रयोग से न्यूमो कोकस के कीटाणु मर जाते हैं।

ऐन्टी थाइराइड सीरम

भेड़ को ६ सप्ताह पहले थाइराइडक्ट भी कर दिया जाता है उसके पश्चात् इस भेड़ के रक्त में से सीरम निकाला जाता है। इस सीरम का उपयोग घेंघा एक्स आपथमिक गाइटर रोग में किया जाता है। ५ से लेकर ३० बूँद तक इस औषधि की मात्रा है।

हे फीवर सीरम

हे फीवर एक प्रकार का ज्वर होता है। इसकी उत्पत्ति एक विशेष घास से होती है। मनुष्य घास के विष को नाक द्वारा सूंघ कर अपने शरीर में प्रवेश कर लेता है। इस रोग को नष्ट करने के लिये पौलान्टीन नामक घोड़े पर सीरम तैयार किया जाता है। यदि रोगी सीरम की एक दो बूँद ही सूँघ ले तब वह रोग से मुक्ति पा सकता है।

ऐन्टी प्लेग सीरम

इसका सीरम भी घोड़े में प्लेग का विष देकर बनाया जाता है। पहिले प्लेग के कीटाणुओं को इंजेक्शन द्वारा घोड़ों के रक्त में पहुँचा दिया जाता है उसके पश्चात् घोड़े के दूषित रक्त से सीरम तैयार किया जा सकता है। यदि इस सीरम की 50 c.c.

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

तक इन्टर विनिस इंजेक्शन द्वारा मनुष्य के शरीर में पहुंचा दिया जाय तब अवश्य लाभ हो जाता है।

प्लेग वैक्सीन

वैसीलस पैस्टीस नामक मुर्दा प्लेग के जहर जीवाणुओं को इमलेशन का रूप देकर वैक्सीन बना लेते हैं। जब क्षेत्र में प्लेग रोग की आशंका होती है तब उसकी रोकथाम के लिये प्लेग वैक्सीन लगाई जाती है। जिस व्यक्ति को प्लेग का टीका लगाया जा चुका होता है। यदि उसको प्लेग भी निकल आये तो तीव्र प्रभाव न होगा।

हायड्रो फोबिया वैक्सीन

इस वैक्सीन का प्रयोग पागल कुत्ते के काटे हुए रोगी पर किया जाता है। एक पागल मुर्दा गीदड़ की सुषुम्ना में से रस लेकर अच्छे गीदड़ की सुषुम्ना में लगाओ। कुछ दिनों पश्चात् दूसरे गीदड़ की सुषुम्ना का रस तीसरे में लगाओ और उसके उपरान्त इस रस को वायु में सुखा लो। हल्की मात्रा से लेकर मात्रा बढ़ाते रहना चाहिये इससे रोगी भला चंगा हो जायेगा।

स्ट्रैप्टोकोकस वैक्सीन

रोग की दशा में मनुष्य के रक्त में विष जीवाणु तथा विष-नाशक दो प्रकार के कीटाणु होते हैं। यदि रोगी में किसी प्रकार के विष का प्रभाव हो गया है तब रोगनाशक के कीटाणु उससे लड़ने का अवश्य प्रयत्न करेंगे। किन्तु यदि कभी ऐसा हो कि उन कीटाणुओं की शक्ति एवं मात्रा कम हो जाय तब रोग का प्रभाव हो जाता है। अतः इस अवस्था में रोगी के शरीर में

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

रोगनाशक कीटाणु पहुंचने चाहिये जो संघर्ष कर सकें। इन मरे बैक्टीरिया से इन्जेक्शन बनाया जाता है उसी को वैक्सीन कहते हैं यदि रोगी की अवस्था भयानक होजाय तब अप्स-निक कीटाणुओं को Injection द्वारा नहीं पहुंचाना चाहिये।

मैनिङ्गोकोकस ऐन्टीटौक्सीन

सीरन सेरिब्रो स्पाइनल मैनिञ्जाइटिस डिप्लोकस मैनि-ञ्जाइटिस नामक विष कीटाणुओं से पैदा होता है। इस जह-रीले कीटाणु को घोड़ों के रक्त में प्रवेश किया जाता है। कुछ मास पश्चात् घोड़ों के रक्त से सीरम बनाया जाता है। इस रोग के रोगी का पहले लम्बर पञ्चर किया जाता है। कुछ दिनों के लगातार प्रयोग से रोग अच्छा हो जाता है।

एन्टी विनोमस सीरम

यदि रोगी को काँबरा सर्प ने काट लिया हो और उसका विष शरीर में प्रवेश कर गया है तब इस सीरम को लगाया जाता है। इस सीरम को भी घोड़ों के रक्त से ही बनाया जाता है। एक बात ध्यान में रखनी चाहिये कि इस सीरम का प्रभाव अन्य सर्प के विष पर नहीं होता किन्तु रोगी को इन्जेक्शन लगा देना अच्छा होता है क्योंकि यह निश्चय करना कठिन है कि किस प्रकार के सर्प ने काटा है। सीरम को लगाने से रोगी को कोई हानि नहीं होती।

ऐण्टी डिसैण्टैरिक सीरम

इस सीरम का प्रयोग बैसीलरी डिसेण्टरी रोग में किया जाता है। पहले सीधा और फ्लेक्सनर वैसीलस को घोड़े के

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

शरीर में पहुंचा कर वैसीलरी डिसेण्टरी की सीरम बना ली जाती है उसके पश्चात् इसको सबक्यूटेनियस (त्वचान्तर्गत इन्जेक्शन) से रोगी को दी जाती है। किन्तु यदि रोगी एमिनिक डिसेण्टरी से ग्रस्त है तब उस अवस्ला में इस औषधि का कुछ लाभ न होगा।

ऐण्टी स्टैप्टो कोकस सीरम

सबसे पहिले स्ट्रैप्टो कोकस कीटाणुओं को विषैला बनाया जाता है। इनको सर्व प्रथम वैरूलैण्ट ऐविटस नामक विष में गुजारते हैं। फिर इन कीटाणुओं को घोड़ों के सीरम में पकाया जाता है, एक वर्ष उपरान्त इससे जो सीरम बनता है वह तीव्र प्रभावशाली होती है। कैसे से कैसा ही भयंकर विष रोगी हो यह औषधि अवश्य ही लाभदायक प्रमाणित होगी। केन्सर और रसौली आदि विषैले रोगों में भी इस सीरम का प्रयगो किया जाता है।

टिटैनस ऐण्टी टौक्सीन सीरम

पीछे हमने डिफ्थीरिया की एण्टी टौक्सीन बनानी बताई थी उसी प्रणाली से इसको तैयार कर लिया जाता है। टिटैनस के विष जीवाणु दिमाग में शरीर के घावों के नर्व तन्तुओं के प्रोटोप्लाजम द्वारा पहुँच कर एकत्र हो जाते हैं। इस सीरम का प्रयोग तो रक्षा दृष्टिकोण से पहले किया जाता है। रोग की अवस्था में इसी सीरम का प्रयोग इण्टर वेनस तथा त्वचान्तर्गत इन्जेक्शन द्वारा करना चाहिये।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टाइफाइड वैक्सीन और सीरम

वैसे तो इस सीरम को टाइफाइड जैसे महाज्वर के लिये तैयार किया गया था किन्तु पाश्चात्य रिपोर्टों से ज्ञात होता है कि यह औषधि कोई लाभदायक प्रमाणित न हुई। हाँ यदि मिक्सड टाइफाइड वैक्सीन का इञ्जेकशन पेट की बगल अर्थात् कोक में लगाया जाय तो अधिक मात्रा में लाभ की आशा रहती है।

गोनोरियल वैक्सीन

इसको पुराने सूजाक की बिमारी में लगाने से आराम होता है। पुराने गठिया रोग में भी यह विशेष लाभ पहुंचाता है। इस वैक्सीन की मात्रा प्रारम्भ में २½ मिलियन से ५ मिलियन तथा १० से २५ मिलियन तक रहती है।

कोलरा सीरम तथा वैक्सीन

जब क्षेत्र में हैजा जैसे छूतदार रोग का प्रभाव फैलता है तब स्थानीय म्युनिसिपल कमेटियां हैजे के इञ्जेक्शन रोग की रोकथाम के लिए लगाता हैं। जिस व्यक्ति ने इसका टीका लगवाया है उसको हैजा होने की कम सम्भावना होती है।

यीस्ट

मनुष्य यदि यीस्ट का प्रयोग करे तो उसके रक्त की रोग नाशक शक्ति बढ़ जाती है। यीस्ट के प्रयोग में मनुष्य के रक्त में श्वेत कणों की संख्या अधिक हो जाती है और इसी कारण विषकारी शक्ति अपना प्रभाव खो बैठती है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

बाजारू प्रसिद्ध औषधियाँ

आजकल प्राय-साधारण पढ़े लिखे व्यक्तियों एवं कम्पनियों ने अपना व्यवसाय बना लिया है वह साधारण अनुभूत (नुस्खों) को थोड़े परिश्रम एवं अनुभव से उनका प्रचार करते हैं। इन औषधियों का यदि मूल्य -/२/- होता है तब इसका दाम १) या १।।) रखा जाता है। भोली भाली जनता प्रचार एवं तड़क भड़क में आ जाती है। जहाँ तक हो हमें ऐसे प्रचार से बचना चाहिए। फिर भी हमने जनता की रक्षा के लिये बाजारू औषधियों का नुस्खा दिया है जो उसी प्रकार है। इस प्रकरण के लिखने में हमें कुछ प्रचलित पुस्तकों से प्रेरणा मिली है। हम उनके हृदय से आभारी हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सुधासिंधु

सुधासिंधु कई विभिन्न नामों से बाजार में बिकती है, कोई कुछ नाम रख लेता है, कोई कुछ। उसका नुस्खा इस प्रकार से है।

आइल मेथा पिपरमेण्ट	१५ बूँद
शरबत शकर	$\frac{1}{2}$ औंस
स्प्रिट क्लोरोफार्म	२० बूँद
स्प्रिट कैम्फर	१ ड्राम
टिंचर कैपसीकम	$\frac{1}{2}$ ड्रामं
एसिड हायड्रोसायनिक डिल	८ मिनीम

बाल जीवन

यह दवा बच्चों के रोगों के लिए लाभकारी है। इसका नुस्खा निम्न प्रकार से है।

हाइपो फोस्फेट आफ सोडा	१० ग्रेन
शक्कर का शर्बत	४ औंस
हाइपो पोस्फेट आफ लाइम	१० ग्रेन

इन सबको पहले मिला लिया जाय। उसके बाद उसमें २ ड्राम बाइबर्डिंग आहल, २ ड्राम सोंठ का अर्क मिलाकर तीन दिन तक रखा रहने दिया जाय। इसके बाद इसको शीशी में भरकर काम में लाइये। अगर इसको रंगीन बनाना है, तो इसमें कोचलाइन मिलादें, उससे इसका रंग लाल हो जायगा।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

आँख की औषधि

गुलाब जल	२ औंस
फिटकरी	८ ग्रेन

इन दोनों को मिला लिया जाय। यह आई हुई आंख के लिए बड़ी लाभदायक है।

मलेरिया नाशक दवा

इसका योग इस प्रकार है।

टिंचर चिरायता	१ औंस
कुनैन सल्फ	५ ग्रेन
नक्शवामिका एक्सट्रेक्ट	२ ग्रेन
लायकर आरसेनिक	१५ बूँद

इन सबको मिलाकर तैयार करलें। इतने से २४ खुराक दवा तैयार होती है। इसको एक खुराक को आधी छटाँक पानी के साथ खाना चाहिए। कुछ व्यक्ति इसे ऐन्टी मलेरिया क्योर नाम रखकर लाभ उठाते हैं।

खूब सूरती की दवा

गुलाब जल	४ औंस
कोलन वाटर	१ शीशी
नौसादर साफ किया हुआ	३ ड्राम
पानी	३ औंस

इन सब को मिलाकर शीशी में भर दो। इसके मलने से चेहरे के दाग दूर होते हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

शिर दर्द की पेटेन्ट दवा

इस का योग इस प्रकार है।

कैफीन साइट्रेट	आधा ड्राम
एन्टी पायरीन	३/४ ड्राम

इन दोनों को पहले खरल कर लिया जाय, बाद में थोड़ा सा गोंद का पानी देकर इसकी गोलियाँ बना ली जायें। इससे शिर का दर्द और बाई का दर्द खतम होता है।

सुजाक की दवा

आयल को पैग	४ ड्राम
लाइकर पुटाश	४ ड्राम
म्यूशिल एकाशिया	१ औंस
स्प्रिट ईथर नाइट्रेट	३ ड्राम
आइल सेन्टाल	१ ड्राम

सबको मिलाकर एक कर लो। इससे १६ खुराकें बनेगीं। १ औंस पानी के साथ सेवन करना चाहिए। नये सुजाक को यह खतम कर देती है। कुछ लोगों ने इसी योग का नाम एन्टी गनोरिया या गनोरिया क्यार रखकर खूब लाभ उठाया है।

ऐन्टी मलेरिया

भुनी फिटकरी	२ ड्राम
एसिड आरसेनिक	१ ग्रेन
पाउडर कैपसिकम	६ ग्रेन

इन सबको खरल करके गोंद का पानी देकर २४ टिकिया बना लेवें। इससे पुराना मलेरिया भी खतम हो जाता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

पेट दर्द नाशक

इस का योग इस प्रकार है।

स्प्रिट एमोनिया ऐरोमैटिक	½ औंस
टिंचर सिनकोना कम्पौंड	½ औंस
टिंचर कैपसिकम	१ ड्राम

इन सबको मिलाकर शीशी में भर लेना चाहिए। ५ बूँद से लेकर २५ बूँद तक पानी के साथ पीना चाहिए।

कफ की दवा

सीरप लिकरिस रूट	२ औंस
वाइन इपीकाक	½ ड्राम
स्प्रिट ईथर नाइट्रेड	८० मिनिम
टिंचर क्लोरोफार्म	४० मिनिम

इस सबको मिलाने से १६ खुराक दवा तैयार होती है। इसको तीन तीन घण्टे के बाद देनी चाहिए। इससे खाँसी को लाभ होता है। यही औषधि बाजार में कफसोल्यूशन के नाम से बिकती है।

एन्टी कामनिया

मासिक धर्म के लिए यह बहुत ही उपयोगी दवा साबित हुई है। इसका योग निम्न प्रकार है।

एन्टी फेबरीन	३५० ग्रेन
सोडाबाई कार्ब	१०० ग्रेन
कैफाइन	५० ग्रेन

इन सबको मिलाकर १०० गोलियाँ बना लें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

खून बन्द होने की दवा

शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलता हो, इससे तुरन्त बन्द हो जायगा। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

गैलिक एसिड	१२॥ ग्रेन
ओपीयम	१२ ग्रेन

दोनों को अच्छी तरह खरल करके गोली बनालो। इसी योग को एस्ट्रीजैन्स पिल्स के नाम से बनाकर बेचा जाता है।

पिल्स डामियाना

इस दवा से ताकत बढ़ती है, दिमाग को लाभ होता है और बुद्धिबर्द्धक है।

इसका नुस्खा निम्न प्रकार है।

फास्फरस	६/५ ग्रेन
एकसट्रेक्ट नम्सगमिका	१८ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट डामियाना	७२ ग्रेन

इन सबको खरल करके ३६ गोलियाँ बनालें। उपरोक्त लाभ होने के साथ-साथ पौष्टिक भी है।

प्रदर नाशक योग

फासफरी	५/८ ग्रेम
सलफेट आफ जिंक	२५ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट आफ बलेरियन	२५ ग्रेन

सबको खरल करके २५ गोलियाँ बनालो। यह प्रदर रोग को और उसके होने वाले अन्य विकारों को नष्ट करता है। विदेश में इसी योग का नाम ल्यूकोरिया रखकर बेचा जाता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

कान दर्द की दवा

इसका योग निम्न प्रकार से है।

लिनी मेन्ट केम्फर	५ ड्राम
आइल मेथा पिपरेटा	१० बूँद
बोरिक एसिड	१ ड्राम
टिंचर आयोडीन	१ ड्राम

सबको मिलाकर शीशी में भरलो। कान में डालने से लाभ होगा। कान बहना बन्द हो जायेगा। कुछ व्यक्ति इसको देशी नाम कर्ण शूल की दवा से बेचते हैं।

तिजारी की दवा

इसका योग इस प्रकार है।

पारद और गन्धक दोनों की कजली	२ माशा
कुनैन	१ माशा
इलाइची के बीज	२ माशा

इन सबको धतूरे के रस में खरल करके १॥ रत्ती प्रमाण की गोलियाँ बनालें। मात्रा १ गोली से ४ गोली दिन में ३ बार सेवन करायें। ऊपर से दूध पिला दें। खाने को बिल्कुल न दें। इससे तिजारी और चौथिया ज्वर भी दूर हो जाते हैं। यह प्रत्येक ज्वर में लाभदायक नहीं है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

बिच्छू की दवा

नौसादर	४० ग्रेन
पोटाशियम परमेगनेट	२० ग्रेन

दोनों को मिलाकर खरल करें। दरद के स्थान पर रख कर ऊपर से एक बूँद पानी की डालें। इससे विष का असर दूर होता है। यह दवा बजार में विशेष प्रसिद्धि पा चुकी है किन्तु लागत दो पैसे ही पड़ती है।

कर्ण स्राव की दवा

इसका नुस्खा निम्न प्रकार है।

दस तोला तेल में एक काला बिच्छू डालकर पकालें। बस यह तेल तैयार हो जायगा।

इसे कान में डालने से कान का बहना बन्द हो जायगा।

टिंकचर आयोडीन

आयोडीन प्योर	४ ड्राम
पोटाश आयोडाइड	४ ड्राम
स्प्रिट रेक्टीफाइड	१६ औंस
डिस्टिल्ड वाटर	४ ड्राम

पहले आयोडीन और पोटाश को डिस्टिल्ड वाटर में खरल करलें और स्प्रिट मिलाकर शीशियों में भरदें।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

खुजली की दवा

इसका योग इस प्रकार है।

गन्धक	चार भाग
फिटकरी	चार भाग
बोरिक एसिड	दो भाग

तीनों दवाओं को पीसकर मिलालें। लगाने की विधि इस प्रकार है कि १०० बार पानी से धुला हुआ मक्खन लगभग १ औंस लेकर उसमें इसे मिलादें। इसके बाद इसे खुजली वाले स्थान पर लगायें।

तिल्ली की दवा

इसका योग इस प्रकार है।

फैरी पर क्लौर	½ ड्राम
लीकर आर्सेनिक	१५ बूँद
कुनैन सल्फ	१५ ग्रेन
मगनेसिया सल्फ	४ ड्राम
एक्स्ट्रेक्ट अर्गट लिक्वीडम	२० बूँद
एमोनिया क्लोराइड	½ ड्राम
एकवा क्लोरोफ़ार्म	३ औंस

इन सबको मिलालें। यह ३२ खुराक दवा तैयार है। कुछ खिलाने के बाद दिन में तीन बार एक-एक खुराक देनी चाहिये। बम्बई की कम्पनी इसी योग को स्वलीन क्योर के नाम से बेचते हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नमक सुलेमानी

यह बड़ा ही स्वादिष्ट और लाभकारी है। इसका योग इस प्रकार है।

काला नमक	५ तोला
सेंधा नमक	३ माशा
साँभर नमक	३॥ तोला
नौसादर	५ माशा
अजमोद के बीज	१॥ माशा
बालछड़	४ रत्ती
काली मिर्च	१ माशा
सफेद मिर्च	१ माशा
अफतीन मोन	१ माशा
जीरा सफेद	४ रत्ती
भुनी हींग	४ रत्ती
दालचीनी	२ रत्ती
कुसुम के बीज	२ रत्ती
सूँठ	२ रत्ती
मुलहटी	२ रत्ती

सबको कूटकर चूरण बनालो। मात्रा १ माशा से २ माशा तक की है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

जुल्लाब की गोलियाँ

पिल कालोसिंथ	६४ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट हाइसाइमस	८ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट बेलाडोना	४ ग्रेन
पाडो फीलीन	२॥ ग्रेन

सबको खरल करके १६ गोलियाँ बनालें। रात को सोते समय १ गोली खालें। डा. वर्मन की प्रसिद्ध औषधि का नुस्खा भी इससे मिलता जुलता है।

स्पेन्सर आई ड्राप

रोज वाटर	१ औंस
टिंचर औपिआई	५ बूँद
आयोडाइड पुटास	१० ग्रेन
एलम पाउडर	४ ग्रेन

सबको मिलाकर एक कर लेना चाहिए, उसके बाद आँख में चार-चार बूँद टपकाना चाहिये।

इससे आँख की लाली, पानी बहना, दुखती आँख, आँख आना आदि को आराम मिलता है। यह स्पेन्शर कम्पनी की प्रसिद्ध दवा का योग है।

स्पेन्सर ईअर ड्राप

कान का दर्द, पीप निकलना, शूल, फोड़ा आदि को यह दवा अच्छा करती है। इसका नुस्खा निम्न प्रकार है।

लिनीमेण्ट आफ कैम्फर	६ ड्राम
टिंचर आयोडीन मिथिलेटेड	१॥ ड्राम
आइल मेंथा पिपरेटा	१० बूँद

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सबको मिलाकर एकत्रित करो। इसकी पाँच-पाँच बूँदें दिन में दो-दो बार डालना चाहिये। स्पेन्सर कम्पनी ने इस औषधि का मूल्य =) रक्खा है। वैसे इसकी लागत ३०% आती है।

ज़हर की दवा

इससे बर्र, मधुमक्खी, कनखजूरा आदि का जहर नष्ट हो जाता। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

अमोनिया कार्बोनास	५ ड्राम
चाक	३ ड्राम

दोनों को अच्छे प्रकार खरल कर लिया जाय। इसको पानी में घोलकर दंश स्थल पर लगाना चाहिए। तत्काल लाभ करता है।

शक्ति दाता योग

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

नक्सवामिका चूर्ण	½ ग्रेन
मुश्क	⅛ ग्रेन
कुनाइन सल्फ	४ ग्रेन
फेरी सल्फ	½ ग्रेन
मगनेशिया सल्फ	१० ग्रेन

इन सबको मिलाकर गोली बनाओ। एक गोली खाकर ऊपर से मिश्री मिला दूध पीना चाहिये।

इससे अपार शक्ति पैदा होती है। वीर्य उत्पन्न समस्त रोगों के लिये भी बहुत लाभदायक है। स्तम्भन करने में भी बहुत लाभकारी है। कलकत्ते के एक हकीम ने इसी योग को मुश्क वादिका नाम से प्रचालित किया है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

गनोरिया नाशक

आइल सन्डल	४ ड्राम
आइल कोपाइवा	५ ड्राम
सोल्यूशन आफ पुटास	१ औंस

इन सबको एक करके रखना चाहिये। सेवन विधि इस प्रकार है। २० बूँदें मिश्री के साथ खाकर ऊपर से दूध पीना आवश्यक है। प्रमेह और सुजाक दोनों में यह लाभ करती है। इसके साथ ही वीर्य को भी पुष्ट करती है। जी० एन० बैनर्जी कम्पनी इसी औषधि को गनोरिया क्योर के नाम से बेचती है।

अजीर्ण की दवा

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

एक्सट्रैक्ट आफ कालोसिंथ	½ ड्राम
केलोमल	२ ग्रेन
पाउडर स्कामोनी	१ ड्राम

इन सबको मिलाकर गोलियाँ तैयार करो। रात को सोते समय एक गोली पानी के साथ सेवन करनी चाहिए। इससे सुबह साफ टट्टी होगी और रोग नष्ट होंगे। इससे भूख न लगना, जी मिचलाना, अजीर्ण आदि रोगों का नाश होता है और कब्ज की शिकायत दूर होती है। दिल्ली के एक हकीम इस औषधि को यूनानी नाम कब्जेकुशा के नाम से बेचते हैं।

प्लीहा की दवा

इससे प्लीहा का रोग नष्ट होता है। इसका योग इस तरह है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

कुनैन सल्फ	४८ ग्रेन
फेरी सल्फ	३६ ग्रेन
सल्फ्यूरिक एसिड	२ ड्राम
एसिड कार्वोलिक	$\frac{१}{५}$ ड्राम
अमोनिया क्लोराइड	$\frac{१}{४}$ ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर	१॥ औंस

इन सबको मिलकर इकट्ठा करें। इसकी ४८ बूँद की एक खुराक करनी चाहिए। दो तोला पानी में मिलाकर इसे देना चाहिए और दिन में तीन बार।

कुकर खाँसी

बच्चों की कुकर खाँसी और साधारण खाँसी आदि विकार इससे नष्ट हो जाते हैं। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

टिंचर कार्डिमोमी कम्पौंड	२॥ ड्राम
एसिड नाइट्रिक डिल	१॥ ड्राम
शरवत सादा	३॥ औंस

सबको मिलालो; बस दवा तैयार है। इसकी मात्रा २० बूँद से ४० बूँद तक है। इसे तीन-तीन घण्टे के अन्त से देते रहें। एक कम्पनी इसी औषधि को हुपिंग सोल्यूशन के नाम से १॥) में बेचते हैं वैसे इसकी लागत १०% होती है।

मलहम

फोड़ा, फुँसी, घाव आदि के लिए लाभकारी है। इसका योग इस प्रकार है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सफेद काशगारी	६ माशा
मुरदासिंग	½ माशा
सेंदूर	२ रत्ती
हल्दी	४ रत्ती
फिटकरी भुनी	१ माशा
तूतिया भुनी	३ रत्ती
तेल जैतून	¾ तोला
मोम	१ माशा

पहले तेल गरम करके उसमें मोम मिलाकर छान लो और उसके बाद उसमें सब दवाओं का चूर्ण करके मिलाओ, बस मलहम तैयार हो गया।

बाल जीवन घुटी

इससे बच्चों के रोगों को आराम होता है और बच्चे हृष्ट पुष्ट तथा स्वस्थ होते हैं।

इसका नुस्खा इस तरह है कि:-

शहद	१ तोला
अतीस	२४ ग्रेन
नागर मोथा	२४ ग्रेन
काकड़ा सिंगी	२४ ग्रेन
पिप्पली	२४ ग्रेन
हर्रे काली	२४ ग्रेन

इन सबका महीन चूर्ण करके शहद में खूब खरल करो, इसके बाद इसे शीशियों में भर दो। बस दवा तैयार है। अलीगढ़ वाले इस योग से काफी लाभ उठाते हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

सूँघनी

इसके सूँघने से शिर दर्द ठीक होता है। बिच्छू के जहर, बर्र, शहद मक्खी का जहर, साँप का जहर आदि में लगाना और सुँघाने से आराम होता हैं। जहरीले कीड़ों का जहर भी दूर होता है। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

अमोनिया कार्ब	१/२ औंस
लवेन्डर आयल	१/४ औंस
आयल औरेंज	५ बूँद
आयल सिनोमोनी	५ बूँद
आयल जुनीपर	५ बूँद

इन सबको शीशी में भरलो बस दवा तैयार है। इसको सुँघाने से लाभ होता है। जर्मनी की एक कम्पनी ने इसका नाम स्मेलिंग साल्ट रख कर काफी लाभ उठाया है।

मीठा केस्टर आइल

आइल सिनामोमी	२ मिनिम
सेकरीन	५ ग्रेन
आयल केनी कुली	१ मिनिम
आलकोहल	२ ड्राम
कास्टर आइल	८ औंस

सबको मिलालें, बस दवा तैयार है। यह स्वादिष्ट और मीठी है। बच्चे इसे बड़ी खुशी से पी लेते हैं। इस औषधि का प्रसार कैम्प एन्ड कम्पनी ने किया है।

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

टूथ क्योर

इससे दाँतों का दर्द अच्छा हो जाता है। इसका नुस्खा इस प्रकार है। लंदन वालों की यह प्रसिद्ध दवा है।

क्लोरोडीम	½ ड्राम
कैम्फर	½ ड्राम
आइल काजुपुरी	२॥ ड्राम
आयल मेंथा पिपरेटा	१५ बूँद

इन सबको मिलालो दवा तैयार हो गई। बस इसे फुरहरी से लगाना चाहिए। दर्द को आराम करेगी।

दिमागी दवा नकछिकनी

इसको सूंघने से दिमाग में रुकी हुई विकार सम्बन्धी सामग्री साफ हो जाती है और छींकें आती हैं। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

तमाखू का चूर्ण	१॥ तोल
गुलाब पुष्प का चूर्ण	¼ तोला
परमेगनेट पुटास	¼ तोला
आइल आफ रोज	५ बूँद
आइल वर्गामेएट	५ बूंद
आइल सेसामुम	½ तोला

सबको अच्छी प्रकार से खरल करके डिब्बी में भर दो। बस दवा तैयार है।

जूड़ी का दुश्मन

इसके दो-तीन बार के सेवन करने से ज्वर नष्ट हो जाता है। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

चिरायता	३ रत्ती
गुर्चसत	३ रत्ती
नीम की छाल	३ रत्ती
सौंप	३ रत्ती
हर्र छोटी	३ रत्ती
काली मिर्च	३ रत्ती
सिनकोना	१ ड्राम
आरसेनिक एसिड	½ ग्रेन

सबको खरल में रगड़ कर पान का रस डालकर घोंट कर गोलियाँ बनालें। गोलियाँ सुखाकर शकर को गोंद का पानी मिलाकर पकाओ। जब उसका पाक चढ़ाने लायक हो जाय, तब एक बड़ी काँच की हाड़ी में डालकर खूब तेजी के साथ हिलाओ। जिससे सब स्थान पर शक्कर बराबर लग जाय। फिर दूसरी हाँड़ी में डालकर हिलाओ जिससे गोला बराबर हो जाय। थोड़ी देर में यह सख्त हो जायेगी। अब इस अवस्था में कलई को जो तरल रूप में मिलती है, एक शीशो में डालकर हिलाओ तो चांदी जैसी चमकती गोली तैयार हो जायेगी।

नेत्रवटी

इससे आँखों की सुर्खी, जाला, फूली, धुन्ध, ढलका, रोहे, रतौंधी व आँखों की सब प्रकार की बीमारियों के लिए लाभदायक है। बनारस में डेकन हाल की दवा का यही नुस्खा है।

इसका नुस्खा इस तरह है।

सफेद सुरमा	७२ ग्रेन
इलायची	५ दाना

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सफेद मिर्च वक्कल सहित	२ दाना
कपूर	३ ग्रेन

चारों चीजों को गुलाबजल से खरल करके गोलियाँ बनालें।

सर्प काटे को हुक्मी दवा

यह दवा बड़ी गुणकारी है। इसका नुस्खा यह है कि ईश्वर मूल की जड़ का चूर्ण ६ रत्ती आधा पाव घी में डालकर पिलादो।

ग्राइप मिक्सचर

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

कम्पाउड टिंचर आफ कैम्फर	१ ड्राम
एरोमैटिक स्प्रिट आफ अमोनिया	१ ड्राम
एक्वा अनीसी	१ औंस
फास्फेट आफ सोडा	३० ग्रेन
फासफोस एसिड	१० बूँद
सेकरीन	१० ग्रेन
डिस्टिल्ड वाटर	२॥ औंस

सबको मिलालो। इससे बच्चों को बचपन में होने वाली बीमारियों में रोकने की शक्ति है। उनके सम्पूर्ण विकारों को नष्ट करके उन्हें हृष्ट-पुष्ट और तन्दुरूस्त बनाती है। ग्राइप क्योर तथा अन्य औषधियाँ भी इसी प्रकार बनाई जाती हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नारी रक्षक

इस द्रव के सेवन से स्त्री रोगों को लाभ होता है। जैसे:—प्रदर, कष्टार्तव आदि शान्त हो जाते हैं।

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

फासफर्स	१/४० ग्रेन
सलफेट आफ जिंक	१ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट वलेरियन	२ ग्रेन
सत मुलहठी काला	३ ग्रेन

इन सबको खरल करके गोलियाँ बनालें। इसके ऊपर से पौष्टिकता के लिए घी-दूध का भी खूब सेवन करना चाहिए। नारी अमृत, नारी रक्षा आदि औषधियाँ भी इसी प्रकार बनाई जाती है।

प्लेग नाशक योग

इसका नुस्खा इस तरह से है।

स्प्रिट अमोनिया अरोमैटिक	१॥ ड्राम
एडरीनेलीन क्लोराइड	२० बूँद
स्प्रिट ईथर	½ ड्राम
टिंचर डिजीटेलिस	½ ड्राम
फासफर्स एसिड	१। बूँद
स्प्रिट कैम्फर	२। ड्राम
एक्वा पिपरमेण्ट	३ ड्राम

इस सबको शीशी में भर लो। यह दवा १६ खुराक तैयार हो गई। पानी के साथ इसे पीना चाहिए।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

अमृताजन

इससे शिर दर्द, जोड़ों का दर्द, वायु. शूल, कमर दर्द, स्वायु शूल, खाँसी, जुकाम, गठिया, बवासीर, खुजली पार्श्व शूल आदि ठीक होते हैं। पेनबाम, आश्चर्य मरहम, पेन किलर औषधियाँ का भो यही योग है।

इसका योग इस तरह है।

सफेद तिली का तेल	१॥ तोला
मोम	६ माशा
कैम्फर	३ माशा
आइल मेंथा पिपरमेण्ट	३० बूंद
युकलीप्टस आइल	२० बुंद
आइल सिनोमोमी	४० बुंद

पहले मोम को तेल में गरम करके छान लो। फिर सब चीजें मिलाकर खरल करो और डिब्बों में भर दो।

गम प्लास्टर

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

सादा साबुन	१ हिस्सा
गंधा विरोजा	$\frac{3}{4}$ हिस्सा
फिटकरी	$\frac{1}{32}$ रिस्सा
सफेद कासगरी	$\frac{1}{32}$ हिस्सा

सबको मिललो और लम्बी-लम्बीं बत्तियाँ जैसी बनालो। फोड़े-फुन्सी में लाभ करता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

एक्जीमा की दवा

इस दवा के सेवन से दाद, खाज, उकबत, फोड़ा आदि चर्म रोग दूर हो जाते हैं। कानपुर की प्रसिद्ध कम्पनी इसे एक्जीमा क्यूर के नाम से बेचती है।

इसका नुक्सा यह है कि।

वेंजोइ एटलार्ड	१ औंस
एसिड बोरिक	१ ड्राम
क्राइ सोरोबीन	२० ग्रेन
सल्फेट आफ कापर	४ ग्रेन

इन सबको खरल करलो। इससे मालिश करनी चाहिये दवा जहरीली है। इसके लगाने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिये। जिससे यह आँख, मुंह आदि में न लग जाय।

पाण्डु रोग की औषधि

इसका नुस्खा इस तरह है।

फेरी सल्फास	२४ ग्रेन
क्यूनाइन सल्फ	२८ ग्रेन
पलवीस केलम्बी	२४ ग्रेन
एक्सट्रेक्ट जैनशन	५ बूँद
लाइकर स्ट्रिक्नाइन	५ बूँद

सबको खरल करके फिर जैनशन एक्सट्रेक डाल कर इतनी देर खरल करो कि गोली बन सके। इसकी २४ गोलियाँ बनाओ दिन में तीन बार खाना चाहिए हरमस कम्पनी का योग भी इसी भाँति हैं।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

दर्द की अचूक दवा

किसी भी अंग में कैसा भी भीषण दर्द होता हो, इसके लगाने से फौरन चला जाता है।

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

लिनीमेएट ऐकोनाइट	६ ड्राम
आइल सिनोमोनी	६ ड्राम
थाइमोल	१० ग्रेन
आयल आफ जुनीसर	५ बूँद

सबको मिलालो, बस दवा तैयार है। इसे लगाकर सेकना चाहिए। उसके बाद रुई बाँध दो दर्द छूमंतर हो जायेगा।

गजकर्ण मलहम

इससे पुराना दद्र भी नाश हो जता है। और ऐसा भी जो अच्छा होकर फिर भी हो जाता हो। इसका नुकशा इस प्रकार है।

गोवा पावडर	३ माशा
कपूर	१ माशा
श्वेत इलाइची दाना	१ माशा
सोमराजी बाज का चूर्ण	१ माशा
आमलासार गंधक	१ माशा
तेल सफेद तिलका	१ तोला
मोम	३माशा

पहले तेल और मोम को आग पर रखकर गरम करो। मोम के पिघल जाने के बाद नीचे उतार कर छान लो। इसके बाद खरल की हुई सब औषधियों को एक डिब्बे में रखकर यह डाल दो। बस मलहम तैयार है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

रायेल (RAWYEL)

इससे दर्द नासूर, चोट, घाव, फोड़ा आदि सब ठीक होते हैं। यह योग मेडीसन कम्पनी दिल्ली का है।

नुकसा इस प्रकार है।

तिल सफेद का तेल	३/४ तोला
कपूर	२० ग्रेन
एसिड कारबोलिक	१५ ग्रेन
आइल ऑफ़ सिनामोनी	१ ड्राम
पिपरमेण्ट	१० ग्रेन

इन सबको मिलालो, दवा तैयार है।

आर्शारि

यह बवासीर, भगंदर आदि रोगों के लिए है। नुस्खा इस प्रकार है। यह के०बी०सेन की प्रसिद्ध दवा है।

अपामार्ग के साफ बीज	६ माशा
शुद्ध जमाल गोटा	६ माशा
रसौंत	३ माशा
गुलाब के फूल	६ माशा
हर्र वहेड़ा, आवला	६-६ माशा

इन सबका चूर्ण बनाओ इसकी मात्रा १॥ माशा प्रति बार है। सुबह-शाम दूध के साथ सेवन की जायेगी।

अपूर्व रोगन

लहसन छिला हुआ	४ हिस्सा
अकरकरा	१ हिस्सा

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

फरफियून	१ हिस्सा
काली मिर्चे	१ हिस्सा
कुचला	१ हिस्सा

इन सबका आधा हिस्सा जैतून का तेल लेकर उसमें भली प्रकार कूटकर एकसम करें। बाद में पाताल यंत्र से तेल निकालें और शीशी में भरकर रख छोड़ें।

इसकी मात्रा २ बूँद से १० बूँद तक है।

यह कब्ज, बातज, प्रमेह, गठिया, नपुन्सकता, दर्द, सूजन, बबासीर आदि के लिए उपयोगी है। अत्यन्त पैष्टिक है और चेहरे को लाल कर देता है। रोगन बेनज़ीर दवा भी इसी प्रकार होती है।

बबासीर का मलहम

इसका नुकसा इस प्रकार है।

वेसलीन	१ औंस
बिस्मिथ नाइट्रेट	२० ग्रेन
एसिड टैनिक	१० ग्रेन
एसिड कार्बोलिक	२० ग्रेन
मारफायन सल्फेट	८ ग्रेन

सबको मिलालो। बस दवा तैयार है। इसको मस्सों पर लगाना चाहिए। बबासीर में लाभ करती है।

इस दवा को लोग देशी बतलाकर बेचते हैं। वैसे इस की सारी औषधियाँ विलायती है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

वायु मुक्तियोग

इसका नुस्खा इस प्रकार है। इससे उन्माद वायु, विकार, मृगीं, हिस्टीरिया आदि दूर होते हैं।

सफेद वच	१ हिस्सा
पीपला मूल	½ हिस्सा
वायविडंग	३ हिस्सा
मालकांगनी	१ हिस्सा
सज्जी खार	१ हिस्सा
नमक संधा	१ हिस्सा
शंख पुष्पी के जड़ को छिलका	३ हिस्सा
काला जीरा	१ हिस्सा
पिप्पली	१ हिस्सा
अजमोद	१ हिस्सा
मिर्च	१ हिस्सा
सोंठ	१ हिस्सा
काली पाठा	१ हिस्सा
भुनी हींग	१ हिस्सा

इन सब को लेकर आधा हिस्सा ब्राह्मी का चूर्ण मिलायें। और ताकत के अनुसार ४ रत्ती से ८ रत्ती तक सेवन करें। इसे शहद घी के साथ सेवन करना चाहिए।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इन्फ्लुएंजाक्योर

इस अवगुण को दूर करने में यह अद्वितीय है। इसका नुस्खा इस प्रकार है। यह सूरत की पैटन्ट औषधि है।

पोटास नाइट्रास	४० ग्रेन
पोटास क्लोरेस	४० ग्रेन
कुनेन सल्फ	२४ ग्रेन
एसिड नाइट्रिक हाइड्रोक्लोरिक डाइलूट	८० बूँद
मेग्नेशिया सल्फ	१ औंस
सिरप सिम्प सेक्स	१ औंस
एक्वा सिनामोनी	३ औंस

इन सबको मिलाकर २४ खुराक दवा तैयार होगी दिन में तीन खुराक दवा पिलानी चाहिये।

जुकाम की दवा

इसको सूंघने से जुकाम चला जाता है। नुस्खा इस तरह है।

अमोनिया क्लोराइड	२५५ ग्रेन
विना स्टीन	१२५ ग्रेन

इन दोनों को मिलाकर गोंद का पानी डालकर गोली बनालो खूब तेज जुकाम में ४-४ घण्टे बाद गोली लेना और एक गोली पीसकर नाक में सूंघना चाहिए। दवा बड़ी उपयोगी है और जुकाम को अच्छा करने का इसमें अद्वितीय गुण है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

शुक्ल चूर्ण

यह दवा बड़ी धातु पौष्टिक है। नुस्खा इस प्रकार है।

सफेद मूसली	२ तोला
सालम मिश्री	२ तोला
असगंध	२ तोला
विधारा	२ तोला
काली तुलसी के बीज	२ तोला

सबको कूटकर कपड़छान करे। तुसली के बीज बिना पिसे ही डाल देना चाहिए। तीन माशा घी शकर के साथ चाटकर ऊपर से दूध पीना चाहिये। लखनऊ की प्रसिद्ध दवा है।

मृगीमार

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

स्प्रिट अमोनिया एरोमैटिक	२ औंस
फासफोरस एसिड डाईल्यूट	४ ड्राम
डिस्टिल्ड वाटर	३ औंस ४ ड्राम

इन सबको मिलाकर एकत्र कर लो। १ ड्राम पानी में मिलाकर पीनी चाहिए।

खांसी की गोलियां

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

मुलहठी चूर्ण	६ ग्रेन
काकड़ा सिंगी चूर्ण	५ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

बंशलोचन चूर्ण	६॥ ग्रेन
शकर	६ ग्रेन

इन सबको गोंद जल से खरल करके मशीन से टिकिया बना लो और उसके ऊपर चांदी का वर्कलपेट दो।

खाँसी और कण्ठ के रोगों के लिए यह लाभदायक है। पेप्स का नुस्खा भी इसी प्रकार का बनाया जाता है।

खिजाब

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

चूना	½ हिस्सा
माजूफल भुना	½ हिस्सा
जलाताम्र	,,
फिटकरी (शवेतयामानी)	,,
मुलतानी मिट्टी	,,
कतीरा	,,
लौंग	,,
मेंहदी के पत्ते	१ हिस्सा
वस्मा	,,
मुर्दा संग	,,

सबका चूर्ण बना लो। फिर इसको घोलकर बालों में लगाना चाहिए। बालों को स्याह कर देगा।

गर्भ धारण वटी

इसके सेवन से गर्भधारण शक्ति आती है। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सुपारी का फूल	१ माशा
इसवद	१ माशा
अगवाहन	१ माशा
वायविडंग	१ माशा

सबको जल से खरल करके तीन गोलियां बनालें। बस दवा तैयार है।

हैजे की अक्सीर दवा

यह हैजे की अचूक और अपूर्व दवा है। इसके पेट में प्रवेश करते ही यह निश्चय हो जाता है कि अब रोगी का कोई भी बाल बांका नहीं कर सकेगा। नुस्खा इस प्रकार है।

पाउडर कैप्सीकम	६ ग्रेन
पिपरमेण्ट क्रिस्टल्स	२ ग्रेन
हींग	२ ग्रेन
जायफल	२ ग्रेन
सफेद मोम	६ ग्रेन

इन सबको खरल में कूट पीसकर तीन गोलियां बना लो। एन्टी कालरा मिक्चर नाम से भी यही दवा बाजारों में बिकती है।

दूसरी दवा

हींग	२ ग्रेन
पिपरमेण्ट	२ ग्रेन
जायफल	८ ग्रेन
गोंद बबूल	१ ग्रेन
अफीम	३/४ ग्रेन

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सबको अच्छी तरह खरल करके मशीन से दबाकर टिकिया बनालो। हैजे के रोगी को कोई नहीं मार सकता।

सन्दर्प बटी

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

बंग भस्म	½ तोला
इलाइची के बीज	१ तोला
स्वर्ण माक्षिक भस्म	¼ तोला

सबको अच्छी प्रकार से खरल करके गोंद जल मिलाकर २ रत्ती परिमाण की गोली बनायें।

१ गोली दूध से खानी चाहिये। बड़ी लाभदायक है। बल-वीर्य को बढ़ता तथा धातु पुष्ट करती है।

सूतिका नाशक योग

इसका नुस्खा इस तरह है।

स्वच्छ तिल का तेल	८ भाग
बच्छ नाग विष	½ हिस्सा
जावित्री	½ हिस्सा
जयफल	½ हिस्सा
हल्दी	½ हिस्सा
हरताल	५ हिस्सा

इन सबका कल्प बनाकर तेल निकालें फिर फिल्टर पेपर से छान लें। सूतिका के रोगी इसकी मालिश करें अवश्य लाभ होगा।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

नारी कल्याण

इस दवा का उपयोग प्रदर रोग के लिए है। दवा बड़ी फायदे मंद है।

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

अशोक छाल	२ तोला
द्राक्षा	२ तोला
सतावरी	२ तोला
रसौत	२ तोला
चौलाई मूल	२ तोला
जेठी मधु	२ तोला

इन सबको अधकुटा करके पानी में उबालना चाहिए। पानी की मात्रा २॥ सेर होनी चाहिए। जब ३० तोला जल शेष रहे तब उसे उतार कर छानिये और उसमें ७ तोला असली शहद मिलादें। इसके बाद इसमें २ ड्राम कोचलाइन मिलाकर बोतल में भर दें बस औषधि तैयार है। इस्तेमाल कर सकते हैं। कलकत्ते से यही योग कामिनी कल्याण नाम से प्रसिद्ध है।

कस्तूरी कल्प

इस दवा के सेवन से नाड़ी अपनी असली स्थिति पर आ जाती है। हैजा और सन्निपात की भयंकरता में भी यह अपना पूर्ण प्रभाव रखती है।

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

मृत संजीवनी	३॥ ड्राम

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

शहद	१॥ तोला
सिंगिया विष	५ ग्रेन
कस्तूरी	१ ग्रेन
कोचलाइन	२० बूँद

इसके बनाने की विधि इस प्रकार से है सबसे पहले मृत संजीवनी में विष और कस्तूरी डालकर करीब २६ घण्टे तक उसे बन्द रखा जाय। इसके बाद इसमें शहद और कोचलइन डालकर इसे शीशी में भर दिया जाय। आवश्यक समय पर इसका व्यवहार किया जाय।

यह सोलह मात्रा दवा तैयार है। एक मात्रा ताजे जल से अथवा ऐसे भी पिलाई जा सकती है।

पौष्टिक मोदक

यह मोदक ताकतवर है और धातु रोगों के लिए उपयोगी होती है।

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

पीपल	६ तोला
मुसली सेफेद	७ तोला
असगंध	५ तोला
विधारा	५ ताला
कोंच के बीज	५ तोला
शकर	२८ तोला

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इन सबको कूट-पीस कर शकर की चासनी बनाकर इनके लड्डू बना लिये जायें। सुबह शाम एक-एक मोदक दूध के साथ खाया जाय।

घाव का तेल

कैसा भी घाव क्यों न हो, इसके लगाने से शीघ्र आराम होगा पकेगा नहीं। दवा बड़ी फायदे मंद है।

नुस्खा इस तरह है।

तेल सरसों	१ औंस
अयोडीन पल्व	१६ ग्रेन

पहले अयोडीन पल्व को पीस लिया जाय और उसके बाद उसे तेल में डालकर आग पर पका लिया जाय। जब दोनों मिल जायें, तो शीशी में भर लिया जाय।

सिरप सारसा पार्ला

यह औषधि सम्पूर्ण प्रकार के रक्तविकारों के लिए लाभ—कारी है। रक्त शोधक भी इसके मुकाबले में दूसरी कोई दवा नहीं है।

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

इन्फ्यूजन चिरेटा	३ औंस ७ ड्राम
पुटास आयोडाइड	१ ड्राम
लाइकर आरसेनिक	१/४ ड्राम

सबको इकट्ठा करके फिल्टर करो और शीशी में भर कर १६ मात्रा बनालो।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इसकी एक मात्रा आधी छटाँक पानी में डालकर पीनी चाहिए। इसमें पौष्टिक पदार्थों का भी प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया जाना चाहिए—जैसे घी दूध का। खाली पेट इसे कभी नहीं पीना चाहिए।

पाचक गोली

पाचन के लिए यह दवा बड़ी गुणकारी है। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

काली हरड़	४ रत्ती
अजवाइन	१॥ रत्ती
रसोत	२ रत्ती
लवण	आधा रत्ती

इन सबको कूट पीस कर नीबू के स्वरस में खरल करके गोलियाँ बना लेनी चाहिए। एक गोली भोजन के बाद खा लेनी चाहिए।

पीनस नाशक तेल

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

तारपीन का तेल	१ ड्राम
कपूर	२ ड्राम
कार्बोलिक एसिड	¼ ड्राम
तेल तिली श्वेत	१॥। ड्राम

सबको मिलालो। पीनस रोग में यह लाभ करतो है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

उपदंस नाशक

नुस्खा इस प्रकार है।

शिंगरफ	६ ग्रेन
अकरकरा	६ ग्रेन
मजीठ	६ ग्रेन
सोहागा	६ ग्रेन
अजवाइन	६ ग्रेन
नीला थोथा	६ ग्रेन

इसका चूर्ण बनालें। यह एक मात्रा है। इसी हिसाब से बढ़ाई जा सकती है।

इस दवा को चिलम में आग के नीचे रखकर हुक्के की तरह पिया जाता है। इससे व्रण आदि सूख जाते हैं। इसके अलावा यह गठिया, सुजाक/आदि के लिए भी लाभ दायक है। मराठी कम्पनी इसी योग को उपदंश हरण नाम से बेचती है।

कुष्ट नाशक योग

(१)

चित्रक चूर्ण	४ तोला
तूतिया हरा	१ तोला

इनको खूब महीन पीस कर मिलालें और पानी में मिला कर लेप करें। लाभ कारक है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

(२)

चीता	५ माशा
अकरकरा	,,
रसौत	,,
राई	,,
कलौंजी	,,
गुललाला	,,
बेल	,,
हरताल	,,
हल्दी	,,
मजीठ	,,

इन सबका चूर्ण करके सिरका अंगूर में खरल करके आवश्यकता के समय काम में लायें।

(३)

कुष्ठ हर तेल

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

गंधक	१ तोला
पारद	१ तोला
नीला थोथा	५ तोला
हरताल	१ तोला
बावची	१ तोला
कड़ुवा तेल	६ तोला

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

सबको मिलाकर खरल करलें। बस दवा तैयार है। इसे लगाकर तीन घण्टे धूप में बैठें–इसके बाद गर्म पानी से अच्छी तरह स्नान करें।

सबको समान लेकर छानकर कूट कर एक करलो गो मूत्र के साथ पीस कर लेप करने से श्लापद में लाभ होगा।

भूत नाथ तेल

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

तेल जेसमिन	१ हिस्सा
तेल जुनीपर	१ हिस्सा
तेल बेला	१ हिस्सा
तेल वर्गा मेण्ट	१ हिस्सा

इन सबको मिलादो। फिर उस तेल में ओटो जेसमिन २५ बूँद के लगभग मिलादो। और एक ड्राम रेक्टीफाइड स्प्रिट निर्गन्ध मिलाकर बोतल को बन्द करदो। बस तेल तैयार है।

पसली चलने की दवा

इस औषधि के सेवन से बच्चों का पसली चलना बन्द हो जाता है। यह इतनी अच्छी दवा है कि एक ही मात्रा में अपना प्रभाव प्रकट कर देती है।

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

प्याज का रस	३॥ तोला
फ्रेंच वाइन (ब्राण्डी)	१॥ तोला

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इन दोनों को शीशी में भर दो। एक सप्ताह के बाद छान कर दूसरी शीशी में भरलो। आवश्यकता होने पर माँ के दूध में या अन्य किसी दूध में मिलाकर दी जा सकती है।

मात्रा इसकी २० बूँद से ५० बूँद तक रखनी चाहिए।

गठिया नाशक

इससे गठिया को आशातीत लाभ होता है।

मिलाग	१० दाना
तिल तेल	१ पाव
आक के बड़े साफ पत्ते	॥ पाव
सिंगिया विष	१ माशा

सबको मिलाकर आग पर जलाओ फिर तेल को छान कर शीशी में भर लो। तेल को गरम करके धूप में बैठकर मालिश करना चाहिये। दो-तीन बार मालिश करने से लाभ होगा।

टूथ पाउडर

यह मंजन दंत रोगों के लिए उपयोगिी है। इसका नुस्खा इस प्रकार है।

दालचीन का चूर्ण	३ माशा
सुपारी जली हुई	३ माशा
तूतीया भुनी	२ माशा
कपूर देशी	३ माशा
कत्था	३ माशा
खड़िया मिट्टी का चूर्ण	१५ माशा

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

इन सबको अच्छी तरह पीसकर चूर्ण बनालें इसका नित्य दाँतों पर मंजन करने से दाँत मजबूत होते हैं।

अर्द्ध कपाली की दवा

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

कनेर की पत्तियों का रस	४ ड्राम
मिश्री पिसी हुई	१० ग्रेन

इन दोनों को एकत्रित करलें। यह दवा तैयार है। मात्रा २ बूंद से ५ बूंद तक है। अर्द्धकपाली इससे शर्तिया दूर होगी। इसके साथ ही दिमाग की सब बीमारियाँ, कफ आदि भी ठीक होते हैं।

मुख शोधक योग

इसके सेवन से मुख की शुद्धि होती है। दाँत तालू आदि के रोगों को भी लाभ होता है।

नुस्खा इस प्रकार है।

मुलहठी का सत	२ तोला
गुजराती दावा चूर्ण	४ माशा
लौंग का चूर्ण	१ माशा
कत्था	१।। माशा
केशर	८ ग्रेन
पिपरमेण्ट	१ माशा
दालचीनी का चूर्ण	२ माशा

इन सबको खरल करके गोलियां बना लें। गोलियों का वजन १ रत्ती होना चाहिए। इसको मुंह में रखकर चूसने से लाभ होता है।

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

केस्टर आइल

इसका नुस्खा इस प्रकार है।

केष्ट्रायल	२ औंस
Oil Tenesinthi (English)	१० बूँद
सेकरीन	२ ग्रेन

सबको मिलाकर एकत्रित करो। बस दवा तैयार है। इसके पीने से जी नहीं मिचलाता, मीठी है।

दुम्बक नाशक मलहम

योग इस प्रकार है।

तिल का तेल	२ तोला ४ माशा
सफेदा काश्गरी	१० माशा
भस्म नीम की लकड़ी	२ माशा

सबको मिलाकर आग चढ़ा दो और इसे लकड़ी से चलाएं क्वाथ बन जाने दें।

क्वाथ के चिन्ह यह है कि एक बूंद लकड़ी की नोक से पानी में डालें जब वह नीचे बैठ जाय तब आप उतार लें।

इसे कपड़े पर लगाकर दुम्बल पर चिपका देना चाहिए।

बाल-शक्ति

इसके सेवन से बच्चे हृष्ट-पुष्ट और मोटे ताजे होते हैं।

चीनी	१२ औंस
पानी	१४ औंस

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

आइल अनासी	२० बूँद
आइल आफ़ ड्राईजिंजर	१० बूँद
सोडा बाईकार्व	२ ड्राम
हाईपो फास्फोर्स	२० ग्रेन

पहले चीनी और पानी मिलाकर शर्बत बनाओ। फिर उतार कर छान लो और सब दवाइयां इसमें डाल दो रंग देने के लिए कोचनाइल की कुछ बूँदे डाल दो। ५ बूँद से लेकर १० बूँद तक इसकी मात्रा है।

———

Vaidyaraj Zindi Bhatji
National Ayurvedic Library
Punjabi Bagh, New Delhi-26
Card No.........................
Book No
000101

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection

In Public Domain. Digitization by eGangotri and Sarayu Trust

Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi Collection